THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 280 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.2 2081 बुधवार, 1 जनवरी-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सीबीआई इंस्पेक्टर राहुल राज से वापस लिया गया पदक

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) इंस्पेक्टर राहुल राज को 2023 में गृह मंत्रालय की तरफ से जांच में उत्कृष्टता के लिए पदक दिया गयाथा, लेकिन रिश्वत मामले में उनकी गिरफ्तारी के बाद पदक वापस ले लिया गया है। उनपर मध्य प्रदेश में नर्सिंग कॉलेजों की निरीक्षण रिपोर्ट में हेरफेर करने के लिए रिश्वत लेने का आरोप है। इन आरोपों का खुलासा होने के बाद ही उनसे पदक वापस लेने का निर्णय किया गया। बता दें कि इस साल मई में नर्सिंग कॉलेज घोटाले मामले में सीबीआई की दिल्ली टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए राज्य के अलग अलग शहरों में छापेमारी की। इस दौरान सीबीआई की टीम ने राहुल राज समेत 13 लोगों को गिरफ्तार किया था।

पीएम मोदी ने दी नववर्ष की शुभकामनाएं

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को आत्मविश्वास से भरे भारत के मूड को दर्शाते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में देश के लोगों को नए साल की शुभकामनाएं दीं। साथ ही 2024 में हासिल की गई उल्लेखनीय प्रगति और परिवर्तन को याद किया। पीएम मोदी ने इसे एक 'काव्यात्मक उत्सव' (पोएट्री सेलिब्रेशन) बताते हुए एक्स पर साझा अपनी पोस्ट में कहा, 'मेरा भारत बढ़ रहा।'

पीएम मोदी ने एक भावपूर्ण संदेश में लिखा, 'स्पेस से लेकर धरती तक, रेलवे से लेकर रनवे तक, संस्कृति से लेकर नवाचार तक, भारत के लिए 2024 अभूतपूर्व प्रगति और परिवर्तन के वर्ष के रूप में दर्ज किया गया!' पीएम मोदी ने कहा, 'यह एक काव्यात्मक उत्सव है क्योंकि हम 2025 में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं।'पीएम मोदी ने नए साल के पोस्ट में

2.41 मिनट का एक वीडियो-एनिमेशन शेयर किया, जिसमें साल 2024 में हासिल की गई उपलब्धियों को दर्शाया गया। वीडियो में देश के अंतरिक्ष प्रक्षेपण, सुपर-कंप्यूटिंग, रक्षा विनिर्माण में वृद्धि, विमानन उद्योग में वृद्धि, पानी के नीचे हावड़ा मैदान मेट्रो, रामेश्वरम रेल पुल और वंदे भारत रेल जैसे बुनियादी ढांचे के चमत्कार शामिल हैं। वीडियो में मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि और जनता के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास, अबू धाबी में पहले मंदिर और तीन नए आपराधिक कानूनों के लागू करने को भी उजागर किया गया। 2024 में सरकार के प्रदर्शन के वर्चुअल रिपोर्ट कार्ड, एनीमेशन क्लिप में अर्थव्यवस्था के बारे में विशेष जानकारी दी गई। 700 बिलियन डॉलर के विदेशी भंडार को उजागर करने के अलावा, इसने एशिया में तीसरी सबसे बड़ी ताकत के रूप में देश के उभरने और 24.82 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने को भी दर्शाया। रोजगार सृजन के मोर्चे पर, वीडियो में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए 2 लाख करोड़ रुपये के पैकेज को भी उजागर किया गया।

भाजपा बोली–राहुल गांधी लीडर ऑफ पार्टिइंग

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के बाद राहुल गांधी के वियतनाम दौरे पर भाजपा ने तंज कसा है। पार्टी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने मंगलवार को कहा–देश शोक में है और राहुल पार्टी करने विदेश गए हैं। पूनावाला ने कहा– डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद राष्ट्रीय शोक है। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने छुट्टी को तरजीह दी और विदेश चले गए। उनके लिए नए साल का जश्न मनाना ज्यादा मायने रखता है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा– राहुल लीडर ऑफ ऑपोजिशन (एलओपी) हैं। उनके लिए एलओपी का मतलब है लीडर ऑफ पार्टिइंग, यानी पार्टी करने वाला नेता।

राहुल ने सार्वजनिक तौर पर मनमोहन को पिता जैसा कहा था। उन्होंने राष्ट्रीय शोक के दौरान विदेश जाकर दिवंगत प्रधानमंत्री का अपमान किया है। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने 29 दिसंबर को राहुल गांधी की विदेश यात्रा पर तंज कसा था। उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी डॉ. मनमोहन सिंह के अस्थि विसर्जन में शामिल नहीं हुए। 30 दिसंबर को X पर लिखा था कि जब पूरा देश पूर्व पीएम के निधन पर शोक मना रहा है, तब राहुल नए साल का जश्न मनाने वियतनाम चले गए।

प्रियांक खरगे बोले-मेरे खिलाफ अभियान चला रही भाजपा, नहीं हैं सबूत

कलबुर्गी, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने मंगलवार को कहा कि भाजपा एक ठेकेदार सचिन पंचाल की आत्महत्या के मामले में उनके खिलाफ अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि इन अभियानों में सबूतों की कमी है। प्रियांक की ओर से यह बयान तब सामने आया, जब भाजपा ने उनके खिलाफ कलबुर्गी जिले में पोस्टर लगाए। इन पोस्टरों में ठेकेदार की आत्महत्या को प्रियांक से जोड़ा गया है।

ठेकेदार सचिन पंचाल ने 26 दिसंबर को बीदर जिले में चलती ट्रेन से आत्महत्या की थी। उन्होंने आत्महत्मा से पहले लिखा एक सुसाइट नोट छोड़ा था, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि राजू कापानुर ने उनसे एक करोड़ रुपये की मांग की थी। हालांकि, कापानुर ने इस आरोप को खारिज किया।

बीरेन सिंह की माफी पर कांग्रेस ने पीएम मोदी पर बोला हमला

कहा-पीएम मणिपुर जाकर माफी क्यों नहीं मांगते?

इंफाल, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह मंगलवार को राज्य में जातीय संघर्ष के लिए माफी मांगी। उनके माफी मांगने के बाद कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साझा। पार्टी नेता जयराम रमेश ने पूछा कि पीएम मोदी पूरे देश और दुनिया की यात्रा करते रहते हैं, लेकिन वहां जाकर माफी क्यों नहीं मांग सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री पर मणिपुर के लोगों को नजरअंदाज करने और जानबूझ कर मणिपुर का दौरा टालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, पीएम मोदी मणिपुर जाकर यह (माफी मांगने की बात) क्यों नहीं कह सकते? उन्होंने चार मई 2023 से जानबूझ कर राज्य का दौरा करने से परहेज किया है। भले ही वह देश और दुनिया भर में यात्रा कर रहे हैं। पीएम मोदी द्वारा नजरअंदाज करना मणिपुर के लोगों को समझ नहीं आ रहा। जयराम रमेश ने यह बयान मणिपुर में जारी जातीय हिंसा को लेकर सीएम बीरेन सिंह के माफी मांगने के बाद दिया। मणिपुर में पिछले साल मई से जातीय हिंसा चल रही है, जिसमें अब तक 200 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। नवंबर में मणिपुर के जिरीबाम में तीन महिलाओं और उनके तीन बच्चों की हत्या के बाद भी बवाल हुआ। माफी मांगते हुए बीरेन सिंह ने कहा, यह पूरा साल बेहद खराब रहा। मैं राज्य के लोगों से पिछले साल तीन मई से लेकर आज तक जो कुछ भी हुआ है, उसके लिए माफी मांगता हूं। कई लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया।

नववर्ष-2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
मनोज बर्फा (मोहनलाल)
: अध्यक्ष :
सीरवी समाज ट्रस्ट शेरीलिंगमपल्ली, हैदराबाद, तेलंगाना
प्रकाश ग्लास, प्लाईवुड अशोकनगर

नववर्ष-2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
मांगीलाल सोनपरा
: सचिव :
सीरवी समाज ट्रस्ट शेरीलिंगमपल्ली हैदराबाद, तेलंगाना
ओम प्लाईवुड बीरमगुडा

नववर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
विनोद गेहलोत
: कोषाध्यक्ष :
सीरवी समाज ट्रस्ट शेरीलिंगमपल्ली हैदराबाद, तेलंगाना
2025
इन्द्रा गेहलोत
: अध्यक्षा :
सीरवी समाज ट्रस्ट महिला मंडल शेरीलिंगमपल्ली हैदराबाद, तेलंगाना
✻ Jai Bhavani Plywood, Hardware & Glass ✻
✻ PK Constructions And Developers ✻
Ashoknagar, Hyderabad

नववर्ष-2025 की हार्दिक शुभकामनाएँ
प्रकाश आगलेचा
अध्यक्ष सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अलमासगुडा
श्री भवानी मार्केटिंग बालापुर

नववर्ष की हार्दिक बधाई
पुखराज सोयल
सचिव सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अलमासगुडा
2025
हनुमान इलेक्ट्रीकल सरुरनगर

नववर्ष - 2025 की हार्दिक शुभकामनाएँ
दौलतराम पंवार
कोषाध्यक्ष
सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अलमासगुडा
जय भवानी इलेक्ट्रीकल हार्डवेयर मीरपेट

नववर्ष - 2025 की हार्दिक बधाई
गोविन्दराम पंवार
मीडिया प्रभारी
सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अलमासगुडा
रेनोवो हाउस बी.एन.रेड्डी नगर

नववर्ष-2025 की हार्दिक बधाई
प्रकाश सेपटा
सचिव सीरवी समाज
एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोशिएशन
श्री गणेश एजेन्सीज
एल.बी.नगर, रिंग रोड के पास, हैदराबाद

नववर्ष की हार्दिक बधाई
मोहनलाल चोयल
सहसचिव, सीरवी समाज
एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोशिएशन
2025 HAPPY NEW YEAR
हनुमान प्लाईवुड, चन्द्रा ज्वैलर्स एल.बी.नगर

नववर्ष की हार्दिक बधाई
जगदीशप्रसाद काग
सलाहकार
सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोशिएशन
Sri Jagdish Jewellers,
L.B.Nagar, Hyderabad.

नववर्ष की हार्दिक बधाई
हीरालाल सेणचा
पूर्व सचिव
सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अलमासगुडा
2025
देवी इलेक्ट्रीकल्स वेन्कटेश्वरा कॉलनी, सरुरनगर, हैदराबाद

नववर्ष की हार्दिक बधाई
2025 Happy new year
धर्माराम कड़वा
कोषाध्यक्ष
वीर तेजा नवयुवक मंडल भोनगिरी
सलाहकार जाट समाज ट्रस्ट हैदराबाद
जय गणेश ज्वैलर्स मैन रोड भोनगिरी

समाज बन्धुओं को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ
सतपाल ढाढिया
2025
अ.भा.आदेश जाट महासभा
यदाद्रि भुवनगिरी जिला अध्यक्ष
श्री धनलक्ष्मी ज्वैलर्स आलेर 9866942307

नववर्ष - 2025 की हार्दिक बधाई
गोविन्द कागट (लहर)
पूर्व कोषाध्यक्ष वीर तेजा नवयुवक मंडल भुवनगिरी
Pooja Jewellers, Bhuvangiri

नववर्ष की हार्दिक बधाई
2025 Happy New Year
चेनाराम चोयल
पूर्व अध्यक्ष
सीरवी समाज जीडिमेटला
Vikas Plywood, Bapujinagar

सभी सीरवी समाज, प्रवासी बन्धुओं को
नववर्ष-2025
की हार्दिक शुभकामनाएँ
सोहनलाल परिहार
पूर्व सचिव सीरवी समाज जीडिमेटला
श्री पद्मा ट्रेडर्स, चिंतल

नववर्ष की हार्दिक बधाई
2025
पारसनाथ चौहान
आईमाता प्रॉपर्टीज
(Sale and Purchase)
अलवाल हैदराबाद तेलंगाना

नववर्ष - 2025
की शुभकामनाएँ
नेमीचन्द गोयल
(समाज सेवी)
✻ महालक्ष्मी इलेक्ट्रीकल्स ✻
✻ ईश्वर इलेक्ट्रीकल्स ✻ अलवाल हैदराबाद

समाज बन्धुओं को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ
विष्णु रामावत
अध्यक्ष तेलंगाना वैष्णव नवयुवक मंडल सिकंदराबाद
विपुल इलेक्ट्रिकल एंड इंजीनियरिंग कम्पनी ओल्ड बोईगुड़ा सिकंदराबाद

नववर्ष - 2025
की हार्दिक बधाई
बाबूलाल वैष्णव
उपाध्यक्ष तेलंगाना वैष्णव नवयुवक मंडल सिकंदराबाद
बालाजी बाबूलाल पॉन ब्रोकर्स सुभाषनगर हैदराबाद

नववर्ष-2025 की हार्दिक बधाई
ओमप्रकाश चाँदौरा
पूर्व अध्यक्ष कृष्णा कुमावत समाज बड़ंगपेट
देवी किराणा स्टोर नागरगुल सरुरनगर मंडल हैदराबाद

नववर्ष की हार्दिक बधाई शुभकामनाएँ
दीपक जकिया
अध्यक्ष
कुमावत मित्र मंडल बड़ंगपेट हैदराबाद तेलंगाना
2025 Happy New Year!
जगदम्बा ज्वैलर्स बड़ंगपेट हैदराबाद

नववर्ष - 2025 की हार्दिक बधाई
ढगलाराम सेपटा
सहसचिव
श्री आईजी गौशाला
:Distributor:
Orient Fans, Surya LED's
जय गणेश मार्केटिंग अशोकनगर

नववर्ष-2025 की शुभकामनाएँ
वोराराम सीरवी
(हेमन्त सीरवी)
गौभक्त
7032278144
चामुण्डा मार्केटिंग, चेरलापल्ली

नववर्ष-2025 की हार्दिक शुभकामनाएँ
रमेश अड़ाणीया
सहसचिव कुमावत समाज उप्पल कापवानी सिंगारम
कृष्णा कुमावत
गौभक्त (समाज सेवी)
मातेश्वरी इलेक्ट्रीकल, हार्डवेयर एंड पेन्टस्
मन्सूराबाद, एल.बी.नगर, हैदराबाद 9000680122

समाज बन्धुओं व प्रवासी बन्धुओं को नववर्ष-2025 की हार्दिक बधाई
पवनकुमार सांगर
कोषाध्यक्ष
कुमावत समाज तेलंगाना
लक्ष्मी शॉपिंग मॉल, वनस्थलीपुरम

नववर्ष 2025 की बधाई
जगदीश काग
सलाहकार सीरवी समाज शमशाबाद
गणेश ज्वैलर्स, राजेन्द्रनगर

नववर्ष- 2025 की हार्दिक शुभकामनाएँ
ओंकारलाल हाम्बड़
पूर्व अध्यक्ष सीरवी समाज मल्लापुर बडेर, हैदराबाद
बालाजी ज्वैलर्स नाचारम

समाज बन्धुओं व प्रवासी बन्धुओं को नववर्ष 2025
की हार्दिक बधाई एवं मंगलमय शुभकामनाएँ
HAPPY NEW YEAR 2025
लिखमाराम मुलेवा
अध्यक्ष सीरवी समाज तूपरान
9440145928
Gautam Jewellers & Gautam Hardware
Main Market Road Tupran

नववर्ष-2025 की हार्दिक बधाई
पुनाराम हाम्बड़
पूर्व सचिव,
सीरवी समाज पारसीगुटा
New Ramdev Traders,
Chakripuram-Nagaram

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ
तेजाराम बेतेड़िया
(रवि, लोकेश प्रजापति)
पूर्व अध्यक्ष प्रजापति समाज कांटेदान
PRAJAPATHI & ASSOCIATES
ATTAPUR, HYDERABAD.

समाज बन्धुओं को नववर्ष-2025 की बधाई एवं शुभकामनाएँ
रामसिंह चौहान
✻ अध्यक्ष ऑल इंडिया राजस्थानी राजपूत प्रवासी फेडरेशन ✻
✻ अध्यक्ष भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ जालोर ✻

नववर्ष की हार्दिक बधाई
रिड़मलसिंह परिहार
पूर्व अध्यक्ष, राजस्थानी राजपूत समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद
एस.आर.एन.इंटरप्राईजेस
सी.टी.सी., पार्कलेन

नववर्ष - 2025 की हार्दिक बधाई
नेमाराम पंवार
सचिव, राजस्थानी मित्र मंडल धम्माईगुडा
2025 Happy New Year
Ganesh Jewellers,
Dammaiguda

नववर्ष - 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
भैराराम काग
9490763858
गौभक्त
(सुनिल, दिनेश काग)
जय भवानी हार्डवेयर, इलेक्ट्रीकल्स हायतनगर

नववर्ष की शुभकामनाएँ
happy new year
प्रकाश सोयल
सुनिल (गौभक्त)
प्रकाश इन्टरप्राईजेस
नेरडमेट हैदराबाद

नववर्ष की हार्दिक बधाई
Happy New year 2025
जगदीश देवासी
(लितरिया)
पूर्व अध्यक्ष देवासी समाज संघ-हैदराबाद-सिकंदराबाद

समाज बन्धुओं को नववर्ष- 2025 की हार्दिक बधाई
हरजीराम काग
प्रदेशाध्यक्ष
अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना
पारीदेवी काग
अध्यक्षा सीरवी समाज महिला मंडल- शमशाबाद
श्रीगणेश ज्वैलर्स, शमशाबाद
P.Solankey

समाज बन्धुओं को नववर्ष - 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
मोहनलाल हाम्बड़
अध्यक्ष सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
C.Mohanlal Choudhary Jewellers
Kushaiguda ❊ Keesara, Hyderabad 9948177436
P.Solankey

नववर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
चोलाराम हाम्बड़
HAPPY 2025 NEW YEAR
सलाहकार, सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
(प्रकाश हाम्बड़)
J.C.Jewellers, Pot market, Secunderabad

समाज बन्धुओं को नववर्ष - 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
नारायणलाल काग
सचिव सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
Jai Ambe Jewellers Ram Nagar
9849722490
P.Solankey

नववर्ष-2025 की हार्दिक बधाई
प्रभुराम परिहारियां
संरक्षक सीरवी समाज कोरेमुला
2025 Happy New Year
महालक्ष्मी ज्वैलर्स, घटकेसर

समाज बन्धुओं को नववर्ष - 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
खंगारसिंह लचेटा
कोषाध्यक्ष सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
Mahalaxmi Traders Gayatri Nagar Borabanda
Mukesh Bath & Paints Moti Nagar Borabanda 9985496414

सीरवी समाज बन्धुओं को नववर्ष- 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
मांगीलाल काग
सीरवी समाज जीडिमेटला 9676147019
(कालुराम काग सीरवी)
भवानी सिल्वर पैलेस राजु कॉलनी बालानगर
P.Solankey

समाज बन्धुओं को नववर्ष - 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
कोषाध्यक्षा सीरवी महिला मंडल एवं
कार्यकारिणी सदस्य सीरवी समाज तेलंगाना
पारसीगुटा हैदराबाद
नीलु लचेटा
कोषाध्यक्षा
Mukesh Marketing Gachibowli
9985269914, 9985434368
मुकेश गेहलोत
कार्यकारिणी सदस्य
P.Solankey

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
नववर्ष 2025 आपके जीवन में ढेर सारी खुशियां,
नए लक्ष्य और शानदान सफलताएँ लेकर आए,
इन्ही शुभकामनाओं के साथ.......
बाबूलाल चोयल
पूर्व अध्यक्ष सीरवी समाज जीडिमेटला
चौधरी ज्वैलर्स - शापुरनगर, हैदराबाद
P.Solankey

समाज बन्धुओं को नववर्ष - 2025 की शुभकामनाएँ
2025
प्रेम पंवार
सीरवी समाज जीडिमेटला
Ganesh Jewellers - Main Road Chintal

समाज बन्धुओं व प्रवासी बन्धुओं को नववर्ष-2025 की हार्दिक बधाई
सुनिलकुमार सीरवी
भाजपा युवा नेता, मारवाड़ विधानसभा,
लोकसभा पाली (राज.)
P.Solankey

HAPPY NEW YEAR
नववर्ष-2025 की हार्दिक बधाई
शंकरसिंह राजपुरोहित (Dilsuknagar)
कार्यकारी अध्यक्ष तेलंगाना पॉन ब्रोकर्स एंड ज्वैलर्स सिकंदराबाद
डायरेक्टर दी ए.पी. महाजन कॉपरेटिव
उर्बन बैंक लि. घासमंडी रोड सिकंदराबाद

समाज बन्धुओं को नववर्ष-2025 की हार्दिक बधाई
गजेन्द्रसिंह राजपुरोहित
अध्यक्ष, अ.भा.राजपुरोहित संस्थान पुष्कर पंचायत
अध्यक्ष, श्री खेतेश्वर गौशाला सेवा समिति निम्बोल
बालाजी डेयरी प्रोडक्ट्स, सिकंदराबाद

नववर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
श्री चौधरी टेक्सटाईल (होलसेल एंड रिटेल)
राजस्थानी वेश, औरणा, फैंसी साड़ियां, न्यू ड्रेस मटेरियल, शुर्टिंग-शर्टिंग, जयपुर बेडशीट, सोलापुर चद्दर, टुवाल, राजस्थानी चुन्दड़ी साफा, धोती करोड़पती लहंगा
बाटा शोरूम के पीछे, सुभाष रोड़, सिकंदराबाद
9440491077, 9502631077
सुरेश चौधरी

नए साल का है यह शुभ संदेश हर दिन आये जीवन में खुशियां अपार
इसी शुभकामनाओं के साथ नववर्ष - 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
पृथ्वीसिंह राजपुरोहित धांगड़वास
समाज सेवी
GAJENDER JEWELLERS, NGO COLONY, VANASTHALIPURAM
P.Solankey

समाज बन्धुओं को नववर्ष-2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
नई सुबह नई उम्मीदों के साथ, नया दिन नई रोशनी के साथ
मुबारक हो आपको नया साल, 2025 ढेर सारी शुभकामनाओं के साथ
HAPPY 2025 NEW YEAR
कैलाश सारण
उपाध्यक्ष जाट समाज ट्रस्ट
हैदराबाद (तेलंगाना)
दिव्या ज्वैलर्स एंड पॉन ब्रोकर्स
एन.टी.आर.नगर हैदराबाद
P.Solankey

नववर्ष-2025 की हार्दिक बधाई शुभकामनाएँ
अमरचन्द अडाणीया
संरक्षक कुमावत समाज उप्पल काचवानी सिंगारम
श्री गुरुकृपा इलेक्ट्रीकल्स एंड हार्डवेयर
बंडलागुडा रोड़ | नागोल एक्स रोड़

नववर्ष - 2025 की हार्दिक बधाई शुभकामनाएँ
श्रवणकुमार मालीवाड़
अध्यक्ष कुमावत समाज उप्पल काचवानी सिंगारम
न्यु गणेश किराणा जनरल स्टोर
शॉप नं.14, सब्जी मार्केट उप्पल मैन रोड़, हैदराबाद
(नेमाराम बाकरेचा)
P.Solankey

न्यूनतम व्यय के साथ अधिक से अधिक अयाकट प्राप्त करने को प्राथमिकता देने का आह्वान

लापरवाह अधिकारियों को तबादले के बजाय निलंबन का सामना करना पड़ेगा

हैदराबाद, 31 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए न्यूनतम व्यय के साथ अधिक से अधिक अयाकट प्राप्त करने को प्राथमिकता देने का आह्वान किया है। मंगलवार को नलगोंडा संसदीय क्षेत्र में सिंचाई परियोजनाओं पर जला सौधा में एक समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने अकुशलता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी और कहा कि लापरवाह अधिकारियों को तबादले के बजाय निलंबन का सामना करना पड़ेगा। बैठक में सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकटरेड्डी, विधायक बालू नाइक नेनावथ (देवरकोंडा), मंडुला समेल (थुंगाथुरी), बथुला लक्ष्मा रेड्डी (मिर्यालगुडा), प्रमुख सचिव सिंचाई राहुल बोज्जा, विशेष सचिव प्रशांत पाटिल, ईएनसी अनिल कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। मंत्रियों ने चल रही और प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा की, समय पर पूरा करने और प्रभावी प्रबंधन पर जोर दिया।उत्तम कुमार रेड्डी ने कर्मचारियों के बीच जिम्मेदारी के महत्व पर जोर दिया, उनसे अपने निर्धारित पदों पर रहने और कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया ताकि सरकार अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सके। सीई नलगोंडा और स्थानीय विधायक की शिकायतों के आधार पर, कार्यकारी अभियंता लक्ष्मण को निलंबित कर दिया गया, जिससे उपेक्षा और अक्षमता के प्रति शून्य सहिष्णुता का उदाहरण स्थापित हुआ।

उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि लापरवाही से निलंबन होगा और सभी कर्मचारियों को प्रतिबद्धता और ईमानदारी के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को उन जिलों में रहने का निर्देश दिया जहां परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं, लाइव ऑन-ग्राउंड समीक्षा करें और परिणाम-उन्मुख कार्यों के साथ कड़े शेड्यूल का पालन करें। उत्तम कुमार रेड्डी ने पिछली सरकार से विरासत में मिली चुनौतियों पर प्रकाश डाला, सिंचाई क्षेत्र को उचित नियोजन, जनशक्ति, बुनियादी ढांचे और संगठनात्मक संरचना की कमी के कारण "अराजक स्थिति" में बताया।

उन्होंने खुलासा किया कि इन कमियों को दूर करने के लिए आईआईटी और आईआईआईटी जैसे प्रमुख संस्थानों के स्नातकों सहित 700 सहायक कार्यकारी इंजीनियरों (एईई) की भर्ती की गई थी। इसके अतिरिक्त, आउटसोर्सिंग के माध्यम से 1,800 लस्कर कर्मचारियों को काम पर रखा गया था, और तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग को और अधिक रिक्तियों को भरने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने सिंचाई परियोजनाओं को सुव्यवस्थित करने और क्षेत्र को मजबूत करने में युवा प्रतिभाओं के महत्व पर जोर दिया।

मंत्री ने महत्वपूर्ण आयकट विस्तार हासिल किए बिना सिंचाई परियोजनाओं पर 1.81 लाख करोड़ रुपये खर्च करने के लिए पिछली सरकार की आलोचना की। उच्च लागत वाले अल्पकालिक ऋण लिए गए, जिससे राज्य पर भारी वित्तीय बोझ पड़ा। उन्होंने बताया कि वार्षिक सिंचाई बजट का आधा हिस्सा - 22,000 करोड़ रुपये में से 11,000 करोड़ रुपये - ऋण चुकौती के लिए उपयोग किया जाता है। पलामुरु रंगारेड्डी परियोजना पर 27,000 करोड़ रुपये और सीताराम लिफ्ट सिंचाई परियोजना पर 9,000 करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद एक भी एकड़ जमीन को सिंचाई का पानी नहीं मिला। इसी तरह, देवादुला, कलवाकुर्ती, नेट्टमपाडु, भीमा, कोयल सागर, एसएलबीसी और डिंडी जैसी लंबे समय से लंबित परियोजनाएं अधूरी रह गईं।

कालेश्वरम परियोजना ने लगभग 1 लाख करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद बहुत कम आयाकट दिया और बैराजों के ढहने जैसी संरचनात्मक समस्याओं का सामना करना पड़ा। कांग्रेस सरकार ने लंबित परियोजनाओं को पूरा करने और सिंचाई लाभ को अधिकतम करने के लिए नई परियोजनाओं को शुरू करने को प्राथमिकता दी है। उदाहरण के लिए, सीताराम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के लिए गोदावरी नदी के 67 टीएमसी पानी को आवंटित करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इसके अलावा, सम्माका सरक्का परियोजना के लिए 44 टीएमसी पानी हासिल करने के प्रयास चल रहे हैं। सम्माका सरक्का परियोजना पर एनओसी के लिए छत्तीसगढ़ के साथ बातचीत चल रही है, जिसमें सचिव स्तर की चर्चा पहले ही हो चुकी है। सरकार कृष्णा नदी के पानी का तेलंगाना को 299 टीएमसी और आंध्र प्रदेश को 512 टीएमसी पानी का अनुचित आवंटन करने का भी विरोध कर रही है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कृष्णा और गोदावरी के पानी पर तेलंगाना के अधिकारों की रक्षा के लिए कांग्रेस सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकटरेड्डी ने एसएलबीसी (श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल) परियोजना को परिवर्तनकारी बताया, जो 4 लाख एकड़ जमीन की सिंचाई करने में सक्षम है। उन्होंने इसे अपने पैमाने के कारण "विश्व आश्चर्य" करार दिया, जिसमें 44 किलोमीटर लंबी सुरंग है जो सालाना 30 टीएमसी पानी स्थानांतरित करने के लिए डिज़ाइन की गई है। इसमें से 9.559 किलोमीटर सुरंग खोदने का काम बाकी है।

प्लास्टिक गोदाम में लगी आग

हैदराबाद, 31 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके बालापुर में बिस्मिल्ला कॉलोनी में एक प्लास्टिक गोदाम में मंगलवार सुबह भीषण आग लग गई। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। प्लास्टिक और अन्य ज्वलनशील पदार्थों की उपस्थिति के कारण पूरे क्षेत्र में घना धुआं फैल गया, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और आग बुझाने के लिए दमकल गाड़ियां भेजीं। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद भड़की आग पर काबू पा लिया गया। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि आग कैसे लगी? क्षतिग्रस्त संपत्ति का आकलन अभी तक ज्ञात नहीं है।

पूर्व बीआरएस विधायक पटनम नरेंद्र रेड्डी को नोटिस

विकाराबाद, 31 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। कोडंगल निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत बोमरसपेट पुलिस ने रोटीबांडा थांडा में कांग्रेस नेता ए शेखर पर हमले के मामले में पूर्व बीआरएस विधायक पटनम नरेंद्र रेड्डी को 2 जनवरी को सुबह 11 बजे पेश होने का नोटिस दिया है। सोमवार रात को नोटिस भेजा गया और बीआरएस विधायक को जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया गया है। मामले के सिलसिले में पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए बीआरएस विधायक ने अग्रिम जमानत हासिल कर ली है।

पटनाम नरेंद्र रेड्डी ने लागीचेरला घटना के सिलसिले में एक महीने जेल में बिताए जिसमें जिला कलेक्टर प्रतीक जैन पर ग्रामीणों ने हमला किया था। पिछले हफ़्ते अदालत ने उन्हें ज़मानत दे दी। 26 अक्टूबर को कोडंगल विधानसभा क्षेत्र के दुद्याला मंडल के रोटीबांडा थांडा में तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी, क्योंकि किसानों और ग्रामीणों ने घोषणा की थी कि वे फार्मा गांव के लिए अपनी जमीन नहीं देंगे। उस दिन गांव में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया था और कांग्रेस मंडल अध्यक्ष ए शेखर को ग्रामीणों ने गांव में घुसने से रोक दिया था।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह को सफल बनाएं: पोन्नम

हैदराबाद, 31 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने अधिकारियों को 1 से 31 जनवरी तक चलने वाले राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह को सफल बनाने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को मंत्री ने सचिवालय के अधिकारियों के साथ जूम मीटिंग की और राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रम को सफल बनाने और लोगों में व्यापक जागरूकता पैदा करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा की। बैठक में परिवहन विभाग और तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) की ताजा स्थिति पर भी चर्चा की गई। उन्होंने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह को सफल बनाने के लिए सड़क सुरक्षा पर बड़े पैमाने पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया। मंत्री ने सुझाव दिया कि सुरक्षा नियमों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए तेलंगाना राज्य भर में सभी 97 आरटीसी डिपो और 62 परिवहन कार्यालयों में बैनर लगाए जाएं।

पोन्नम प्रभाकर ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि सड़क सुरक्षा माह के तहत प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में निर्वाचित प्रतिनिधि, विधायक और एमएलसी, आईएएस और आईपीएस अधिकारी भाग लें। उन्होंने सुझाव दिया कि आरटीसी और परिवहन विभाग के अधिकारियों को प्रत्येक स्कूल में यातायात जागरूकता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सड़क सुरक्षा के साथ समन्वय में काम करना चाहिए। अधिकारियों को स्कूली छात्रों के साथ सड़क सुरक्षा पर जागरूकता रैलियां, प्रशिक्षण कक्षाएं, कार्यशालाएं, सेमिनार, नेत्र जांच शिविर और ड्राइवरों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों की बढ़ती संख्या को कम करने के लिए पहले से ही कई पहल कर रहा है, उन्होंने अधिकारियों को जनवरी तक हर स्कूल में स्थापित किए जाने वाले 50 यातायात जागरूकता पार्कों को पूरा करने का निर्देश दिया।मंत्री ने आरटीसी में नई बसों के लिए कार्ययोजना के बारे में भी जानकारी ली और बस डिपो की प्रगति के बारे में पूछा, जिसमें निगम में भर्ती की जाने वाली नई नौकरियां भी शामिल हैं, जिन्हें पेड्डापल्ली और एतुरू नगरम डिपो के लिए पहले ही मंजूरी दे दी गई है।

गीता के 700 श्लोकों का उच्चारण करने वाली सान्वी ने मंत्री से मुलाकात की

हैदराबाद, 31, दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भगवत गीता के 700 श्लोकों का उच्चारण करने और अपनी आवाज की मिठास से आध्यात्मिक खुशबू बिखेरने वाली पंद्रह साल की उम्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने वाली सान्वी जमाल ने अपने माता-पिता के साथ सचिवालय में मंत्री कोंडा सुरेखा से मुलाकात की। मंत्री सुरेखा को भगवद गीता के कई श्लोक सुनाए गए और वह भक्ति भाव से अभिभूत हो गई। मंत्री सुरेखा ने स्वयं द्वारा लिखित पुस्तक डिवाइन वर्चुज फॉर इटरनल पीस भेंट की। इस मौके पर मंत्री सुरेखा ने बहुमुखी प्रतिभा की धनी सानवी को बधाई दी. मंत्री सुरेखा ने प्रशंसा करते हुए कहा कि यह बहुत बड़ी बात है कि सान्वी ने पंद्रह वर्ष की आयु में ही भक्ति, आध्यात्मिक और लेखन के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखाई और ख्याति प्राप्त की।

पूर्व तट रेलवे

(1) नीलामी सूचीपत्र सं.: WAT-ADVT-MA-008

(1) लॉट सं./श्रेणी: ADVT-Int-140958-2-24-1 (विज्ञापन-ट्रेन के भीतर)

विवरण: ट्रेन सं. 22701/22702 विशाखापट्टणम (VSKP)-गुंटूर (GNT)-विशाखापट्टणम (VSKP) उदय एक्सप्रेस में 01 रेक के लिए ट्रेन के भीतर विनायल स्टीकरों के जरिए नॉन डिजिटल विज्ञापन का प्रदर्शन।

(2) नीलामी सूचीपत्र सं.: WAT-2WR-VZM-03

(1) लॉट सं./श्रेणी: MSS-WAT-VZM-TWnOPS-56-24-1 (विविध-स्थैतिक सेवाएं-दो पहिया तथा अन्य पार्सल पैकिंग सेवाएं)

विवरण: DOOR PICK UP तथा DOOR DELIVERY सेवाओं की वैकल्पिक सेवाओं के साथ दो पहिया वाहन तथा अन्य पार्सल/सामानों की पैकिंग।

(3) नीलामी सूचीपत्र सं.: WAT-Hyb-TSV-06

(1) लॉट सं./श्रेणी: HyB-OnB-153774-24-1 (हाईब्रिड NFR-ऑन-बोर्ड हाईब्रिड)

विवरण: वाल्टियर मंडल के तहत दुव्वाडा-पुंडी, विशाखापट्टणम-रायगड़, रायगड़-कोरापुट, विशाखापट्टणम-किरन्दुल, नौपाड़ा-गुणुपुर अनुभागों के बीच सभी ट्रेनों (राजधानी, वंदे भारत, दुरंतो, शताब्दी अथवा भविष्य में शुभारम्भ होने वाली अन्य कोई भी स्पेशल प्रीमियम ट्रेनों को छोड़कर) में विभिन्न विविध सामग्रियों (खाद्य सामग्रियों तथा PDW छोड़कर) की बिक्री के लिए संविदा। रेक लिंक ID एवं रेल सं. का प्रयोग सिर्फ तकनीकी अनुपालन के लिए किया गया है।

(4) नीलामी सूचीपत्र सं.: WAT-Hyb-MAG-01

(1) लॉट सं./श्रेणी: HyB-OnB-140958-24-2 (हाईब्रिड NFR-ऑन-बोर्ड हाईब्रिड)

विवरण: 20833-20834 विशाखापट्टणम (VSKP)-सिकंदराबाद (SC)-विशाखापट्टणम (VSKP) वंदे भारत, 22701-22702 विशाखापट्टणम (VSKP)-गुंटूर (GNT)-विशाखापट्टणम (VSKP) डबल डेकर तथा 08551-08552 विशाखापट्टणम (VSKP)-किरन्दुल (KRDL)-विशाखापट्टणम (VSKP) एक्सप्रेस के VISTADOME कोचों में यात्रियों के लिए ONBOARD FREE LIFESTYLE पत्रिका का वितरण।

लॉट के शुरू होने की तारीख एवं समय: 07.01.2025 को 1100 बजे (क्रमांक 1 के लिए), 08.01.2025 को 1200 बजे (क्रमांक 2 के लिए), 08.01.2025 को 1100 बजे (क्रमांक 3 के लिए) एवं 07.01.2025 को 1200 बजे (क्रमांक 4 के लिए)।

लॉट के बंद होने की तारीख: 07.01.2025 को 1130 बजे (क्रमांक 1 के लिए), 08.01.2025 को 1230 बजे (क्रमांक 2 के लिए), 08.01.2025 को 1130 बजे (क्रमांक 3 के लिए) एवं 07.01.2025 को 1230 बजे (क्रमांक 4 के लिए)।

दर इकाई: वार्षिक लाइसेंस शुल्क (सभी क्रमांक के लिए), ट्रिप/दिन: 1095 (सभी क्रमांक के लिए)। न्यूनतम वृद्धि (%): 0.2% (सभी क्रमांक के लिए)। लॉट की स्थिति: प्रकाशित सूचीपत्र में नया (क्रमांक 1 एवं 3 के लिए) तथा मसौदा सूचीपत्र में नया (क्रमांक 2 एवं 4 के लिए)।

ऊपरोक्त ई-निविदा सूचना की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, वाल्टियर

PR-847/P/24-25

संक्रांति महोत्सव के लिए 6432 विशेष बसें

55% सेवाओं के लिए अग्रिम आरक्षण सुविधा

हैदराबाद, 31 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) प्रबंधन ने संक्रांति के अवसर पर घर जाने वालों के लिए विशेष व्यवस्था की है। यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए 6432 विशेष बसें चलाने का निर्णय लिया है। जिनमें से 55% सेवाओं के लिए अग्रिम आरक्षण की सुविधा प्रदान की गई है। पिछली संक्रांति के लिए जहां 4484 विशेष बसें चलाने की योजना बनाई गई थी, वहीं यात्रियों की भीड़ को देखते हुए कंपनी ने 5246 बसें चलाईं। पिछली संक्रांति के अनुभव को देखते हुए इस बार 6432 विशेष बसों की व्यवस्था की गई है। ये विशेष बसें 9 से 15 जनवरी तक यात्रियों के लिए उपलब्ध रहेंगी।कंपनी हैदराबाद के भीड़भाड़ वाले इलाकों जैसे एमजीबीएस, जेबीएस, उप्पल क्रॉस रोड, अरंगर, एलबी नगर क्रॉस रोड, केपीएचबी, बोइनपल्ली, गाचीबोवली आदि से विशेष बसें चलाती है। उन क्षेत्रों में यात्रियों के आवागमन के अनुसार विशेष बसों की व्यवस्था के लिए विशेष अधिकारी नियुक्त किये गये हैं। कंपनी हैदराबाद से आंध्र प्रदेश के लिए विशेष बसें चलाती है। ये बसें मुख्य रूप से अमलापुरम, काकीनाडा, कंदुकुर, नरसापुरम, पोलावरम, राजमंड्री, राजोलु, उदयगिरि, विशाखापत्तनम, नेल्लोर, ओंगोल, गुंटूर, विजयवाड़ा, श्रीशैलम, तिरूपति आदि के लिए चलती हैं। साथ ही, संगठन ने तेलंगाना के साथ-साथ आंध्र प्रदेश से लौटने वालों के लिए विशेष बसों की व्यवस्था की है। इस संक्रांति पर करीमनगर, निज़ामाबाद और वारंगल से यात्रियों के लिए इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराने की योजना है। टीजीएसआरटीसी के प्रबंधन ने पहले ही फील्ड स्तर के अधिकारियों को सुझाव दिया है कि संक्रांति संचालन टीजीएसआरटीसी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और उन्हें उस हद तक पूरी तरह से तैयार रहना चाहिए। हैदराबाद के भीड़भाड़ वाले इलाकों में यात्रियों की सुविधा के लिए पंडाल, शामियाना, कुर्सियां, सार्वजनिक संबोधन प्रणाली, पेयजल सुविधा और मोबाइल शौचालय स्थापित किए जा रहे हैं। राज्य सरकार की महालक्ष्मी योजना के तहत संक्रांति तक चलने वाली ग्राम लाइट, एक्सप्रेस, सिटी ऑर्डिनरी और मेट्रो एक्सप्रेस बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त बस परिवहन की सुविधा लागू रहेगी। इसमें बताया गया कि महिलाओं को यात्रा के दौरान अनिवार्य रूप से शून्य टिकट लेना चाहिए। इसने लोगों को निजी वाहनों में जोखिम भरा सफर नहीं करने की सलाह दी है। संक्रांति पर अपने गृहनगर जाने वालों से अनुरोध किया गया है कि वे टीजीएसआरटीसी द्वारा व्यवस्थित विशेष बसों से अपने गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचें।

राचकोंडा आयुक्त ने सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया

हैदराबाद, 31, दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय में कार्यरत पुलिस नियंत्रण कक्ष एसआईआर आज सेवानिवृत्त हो गये। लच्छीराम, और स्वेच्छा से सेवानिवृत्त उप्पल ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के हेड कांस्टेबल जी. कृष्णा को एलबी नगर में राचाकोंडा कैंप कार्यालय में सीपी सुधीर बाबू द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर बोलते हुए सीपी ने पुलिस विभाग को इतने दिनों तक प्रभावी ढंग से अनुशासन के साथ काम करने और सेवाएं देने के लिए बधाई दी। सेवानिवृत्ति के बाद शांतिपूर्ण सेवानिवृत्त जीवन जीने, स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देने, पेंशन और अन्य वित्तीय मामलों में अनुशासित रहने की सलाह दी गई। अधिकारियों को उचित कदम उठाने का निर्देश दिया गया ताकि उन्हें मिलने वाले सभी प्रकार के लाभ शीघ्र प्रदान किये जा सकें। सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कल्याण हेतु आयुक्त सुधीर बाबू की विशेष पहल पर स्थापित पेंशन डेस्क के माध्यम से आज सेवानिवृत्त हुए लच्छीराम को तत्काल पेंशन सुविधा दिये जाने पर लच्छीराम ने सीपी गारू के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में डीसीपी एडमिन इंदिरा, डीसीपी एलबी नगर प्रवीण कुमार, डीसीपी साइबर क्राइम नागलक्ष्मी, एस्टेट ऑफि मेंसर आरआई नायडू, पुलिस ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सीएच भद्र रेड्डी, कृष्णा रेड्डी और अन्य ने भाग लिया।

पति द्वारा पत्थर से हमला करने से महिला की मौत

हैदराबाद, 31 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके घाटकेसर मंडल के प्रताप सिंगाराम गांव में अपने घर में पति द्वारा पत्थर मारे जाने से एक महिला की मौत हो गई। पीड़िता की पहचान निहारिका (35) के रूप में हुई है, जिसकी शादी करीब 8 साल पहले श्रीकर रेड्डी उर्फ शेखर रेड्डी से हुई थी और दंपति के दो बच्चे हैं। पुलिस ने बताया कि शेखर अक्सर छोटी-छोटी बातों पर निहारिका से झगड़ा करता था और हाल ही में दोनों के बीच अक्सर उस मकान को लेकर झगड़ा होता था जिसमें वे रहते हैं। यह मकान निहारिका को उसके माता-पिता ने दिया था। ऐसा संदेह है कि इसी तरह की किसी बहस के बाद शेखर ने निहारिका की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी। मेडिपल्ली पुलिस जांच कर रही है।

वारंगल में बाघ की आवाजाही से दहशत

वन अधिकारियों ने लोगों को किया सतर्क

वारंगल, 31 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। वन अधिकारियों द्वारा बाघ का पता लगाने में असमर्थता पूर्ववर्ती वारंगल जिले के ग्रामीणों में भय पैदा कर रही है। हाल ही में आदिलाबाद से वारंगल जिले में प्रवेश करने वाले बाघ को नल्लाबेली, खानपुरम और नरसंपेट एजेंसी के गांवों में घूमते देखा गया। तीन दिन पहले, नल्लाबेली मंडल में रुद्रगुडेम के पास जंगल में एक बाघ घूमता हुआ दिखाई दिया। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर, वन अधिकारियों ने बाघ के पैरों के निशानों की जांच की और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी।

रविवार को वन अधिकारियों ने पुष्टि की कि कोठागुडा के जंगलों में एक बाघ घुस आया है और महबूबाबाद के वन रेंज अधिकारी (एफआरओ) वजाहत के नेतृत्व में 5 टीमें बनाईं। हालांकि महबूबाबाद जिले के खानपुरम मंडल के किर्या थांडा तक बाघ के पैरों के निशान पाए गए, लेकिन वन अधिकारियों को यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि वह वहां से कहां गया। विशेष टीमों ने कोठागुडा रेंज में बड़ी बिल्ली की तलाश की, लेकिन उसका कोई निशान नहीं मिला। कोनापुरम गांव के वन क्षेत्र से खेतों में घुसे बाघों के पैरों के निशानों की पहचान के बाद जंगली जानवरों के विचरण वाले क्षेत्रों में कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं।

एफआरओ ने बताया कि हालांकि कैमरे उन इलाकों में लगाए गए थे जहां बाघ आमतौर पर घूमता है, लेकिन वह कहीं नहीं दिखा। उन्होंने बताया कि जिन इलाकों की उन्होंने जांच की, वहां बाघों के कोई निशान नहीं मिले। उन्होंने बताया कि खेतों में काम करने वाले मजदूरों और जंगल के पास के गांवों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

इस बीच, नरसंपेटा इंस्पेक्टर रमना मूर्ति ने चरवाहों से कहा कि वे अपने मवेशियों, भेड़ों और बकरियों को कुछ दिनों के लिए जंगल के बजाय मैदानी इलाकों में चराने ले जाएं। इसी तरह, उन्होंने खेती के काम पर जाने वाले किसानों को भी सतर्क रहने और समूह में चलने, अपना काम जल्दी खत्म करने और शाम से पहले अपने घर पहुंचने की सलाह दी। वन अधिकारी कथित तौर पर बाघ का पता लगाने के लिए ड्रोन कैमरों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

साधुवाद/धन्यवाद

डुगर सिंह राजपूत

(गोत्र दाहिया) सदस्य (केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट) बनने व 5 गज भूमि दान करने हेतु साधुवाद/धन्यवाद

जितेन्द्र कछावा

(गोत्र कश्यप) सदस्य (केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट) बनने व 5 गज भूमि दान करने हेतु साधुवाद/धन्यवाद

पेप सिंह जगमाल सिंह

सुपुत्र नरपत सिंह राजपूत (गोत्र राठौड) सदस्य (केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट) बनने व 5 गज भूमि दान करने हेतु साधुवाद/धन्यवाद

श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट एवं नंदीशाला, यल्मपेट, मेडचल (भाग्यनगर) तेलंगाना। सहयोग करने हेतु संपर्क करें : 9849702915

।। श्री गणेशाय नमः ।।

राम जी राम ग्रूप हैदराबाद, सिकंदराबाद तेलंगाना के तत्वावधान मे

एक शाम संत श्री सेवानाथजी महाराज के नाम विशाल जागरण

: भजन गायकार :

प्रह्लाद देवासी
खेजड़ला

आज बुधवार 01 जनवरी 2025 रात्रि 9.15 बजे

: शुभस्थल : देवासी समाज मंदिर प्लॉट, बन्डलागुडा, कीसरा, हैदराबाद

भोजन-प्रसादी सायं 7 बजे से

: निवेदन : समाज बन्धुओं व सभी भक्तों से निवेदन है सपरिवार समय पर पधारकर दर्शन, भजनों व प्रसादी का लाभ लेवे

विनित: देवासी समाज संघ हैदराबाद सिकंदराबाद तेलंगाना, श्री महादेव देवासी सेवा ट्रस्ट शमशाबाद, श्री देवासी समाज संस्था ट्रस्ट मेड़चल एवं समस्त देवासी

✽ निवेदक ✽

राम जी राम ग्रूप हैदराबाद, सिकंदराबाद तेलंगाना

सम्पर्क सूत्र : ✽ रामस्वरूपजी: 9949982448 ✽ रामूजी: 9912345648 ✽ रामदयालजी: 7093000719 ✽ संग्रामजी: 8374619169 ✽ भरतजी: 9000041057 ✽ महेन्द्रजी: 9640603543 ✽

P.Solankey

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: इंसान की आदत है, नहीं मिले तो सब्र नहीं करता और मिल जाए तो क़द्र नहीं करता।

ऑटोमोबाइल चोर पकड़े गए

हैदराबाद, 31 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। चैतन्यपुरी पुलिस ने मंगलवार को करीब 30 अपराधों में शामिल दो वाहन चोरों को पकड़ा। अधिकारियों ने उनके पास से 30 दोपहिया वाहन बरामद किए, जिनकी कुल कीमत 46 लाख रुपये है। गिरफ्तार किए गए लोगों में मोहम्मद शेख (21), एक एसी तकनीशियन और मोहम्मद इमरान (23), एक ऑटो चालक हैं, दोनों गोलकुंडा के निवासी हैं। फरार व्यक्ति का नाम इमरान है। पुलिस के अनुसार, संदिग्ध लोग रिहायशी कॉलोनियों में खड़ी बाइकों को निशाना बनाते थे और उन्हें चुरा लेते थे। वे इन वाहनों को बेचकर आसानी से पैसे कमाते थे। संदिग्ध हैदराबाद, साइबराबाद, राचकोंडा, विकाराबाद, निजामाबाद और संगारेड्डी में हुए मामलों में संलिप्त हैं। दोनों को मोहन नगर में वाहन जांच के दौरान गिरफ्तार किया गया, जब वे चैतन्यपुरी 'एक्स' रोड पर चोरी की मोटरसाइकिल बेच रहे थे। उनके कबूलनामे के अनुसार, पुलिस ने कुल 30 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। फरार व्यक्ति को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

बेहतर सेवाओं के लिए उप-पंजीयक कार्यालयों का पुनर्गठन : पोंगुलेटी

मंत्री ने जिला रजिस्ट्रारों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 31 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास, सूचना और नागरिक संबंध मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने घोषणा की है कि लोगों को अधिक कुशल और पारदर्शी सरकारी सेवाएं प्रदान करने के लिए उप-पंजीयक कार्यालयों के पुनर्गठन के साथ-साथ उप-पंजीयक कार्यालयों का निर्माण किया जाएगा। मंगलवार को मंत्री ने रंगारेड्डी हैदराबाद, मेडचल-मलकजगिरी, संगारेड्डी जिला कलेक्टरों और जिला रजिस्ट्रारों के साथ-साथ खम्मम के संसद सदस्यों, रामसहायम रघुराम रेड्डी के साथ बैठक की। इस बैठक में राजस्व प्रमुख सचिव नवीन मित्तल, स्टाम्प एवं पंजीयन आईजी ज्योति बुद्धप्रकाश एवं अन्य शामिल हुए। अधिकारियों को लोगों की सेवा करने और उन्हें बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से उप-पंजीयक कार्यालयों को पुनर्गठित करने और नए भवनों का निर्माण करने की सलाह दी गई। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि निबंधन के लिए आने वाले

लोगों को घंटों पेड़ के नीचे इंतजार करने की स्थिति से मुक्ति दिलाते हुए स्थायी रूप से अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त उप निबंधक कार्यालय का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने जिला कलक्टरों को आवश्यक भूमि चिन्हित करने का निर्देश दिया। वर्तमान में राज्य में 144 उप-पंजीयक कार्यालय हैं, जिनमें से केवल 37 अपने स्वयं के भवन में हैं और बाकी किराए के भवनों में हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए, हम सभी उप-पंजीयक कार्यालयों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाएंगे। पहले चरण में, संगारेड्डी, संगारेड्डी जिले में पाटन चेरुवु, मेडचल, कुतुबुल्लापुर, मेडचल मल्काजगिरी जिले में उप्पल, रंगारेड्डी जिले के लिए चौथे शहर में कंदुकुरु उप-पंजीयक कार्यालय, गांडीपेट, सेरिलिंगमपल्ली, रंगारेड्डी जिला रजिस्ट्रार कार्यालय, तीन उप-पंजीयक कार्यालय गच्चीबोवली, तेलंगाना भूमि सूचना और प्रबंधन अकादमी (तालीम) के कार्यालय में एक एकीकृत उप-रजिस्ट्रार कार्यालय का निर्माण किया जा रहा है और इस महीने के भीतर इसके लिए आधारशिला रखने के लिए कदम उठाने का आदेश दिया गया है। यह एकीकृत उप-पंजीयक कार्यालय एक मॉडल होगा। हैदराबाद जिले के संबंध में, शेखपेट क्षेत्र में एक ही स्थान पर बंजाराहिल्स, एसआर नगर और गोलकुंडा के तीन उप-पंजीयक कार्यालय बनाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में बनने वाले उप-पंजीयक कार्यालय कम से कम तीन एकड़ में बनाए जाएंगे और भवन दस से पंद्रह हजार वर्ग फुट का होगा और डिजाइन में मुख्य रूप से वेटिंग हॉल, पीने के पानी की सुविधा और पर्याप्त पार्किंग को शामिल किया जाना चाहिए। अधिकारियों को लोगों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से उप-पंजीयक कार्यालयों का पुनर्गठन करने की सलाह दी गई। उच्च मांग वाले क्षेत्रों में नए उप-पंजीयक कार्यालय स्थापित करने से लोगों को कुशल सेवाएं प्रदान की जाएंगी। उन्होंने कहा कि घर पर ग्रिडयुक्त उप-रजिस्ट्रार कार्यालयों से न केवल प्रदर्शन में सुधार होगा, बल्कि निगरानी में भी आसानी होगी और भ्रष्टाचार कम होगा, कार्यालयों के बीच काम का बोझ बराबर होगा और फाइलों के प्रसंस्करण में तेजी आएगी।

इस अवसर पर अधिकारियों को सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग करने की सलाह दी गई। अधिकारियों को तत्काल संबंधित गतिविधि तैयार करने का आदेश दिया गया।

नशीली दवाओं के खिलाफ हाई अलर्ट पर पुलिस

हैदराबाद, 31 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मंगलवार को वर्ष 2024 को अलविदा कहने और नए साल का स्वागत करने की तैयारी कर रहा है, वहीं नशे के संभावित उपयोग के लिए मौज-मस्ती करने वालों पर अधिकारियों की कड़ी नजर है। तेलंगाना पुलिस ने शहर के मनोरंजन केंद्रों में नए साल की पार्टियों के दौरान नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के लिए कमर कस ली है। तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो ने निषेध और आबकारी विभाग और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर पब, बार, होटल, फार्म हाउस और नए साल के आयोजनों वाले स्थानों पर जाँच करने के लिए 19 टीमें बनाई हैं।

तेलंगाना पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि संदेश स्पष्ट है। मौज-मस्ती करें, लेकिन नशे से दूर रहें। पुलिस ने नशीली दवाओं के आदी लोगों और तस्करों द्वारा गुप्त स्थानों पर छिपाए गए पदार्थों को खोजने में उनकी सहायता के लिए खोजी कुत्तों को तैनात किया है। अधिकारी ने कहा

कि खुफिया नेटवर्क सक्रिय है और इनपुट के आधार पर विशेष टीमें पार्टियों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग की जांच के लिए छापे या तलाशी अभियान चलाएँगी।

पिछले तीन दिनों में पुलिस ने पब, बार, रिसॉर्ट, फार्म हाउस और उन जगहों पर जांच तेज कर दी है, जहां कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अगर उन्हें नशे का सेवन करने वालों के बारे में कोई सूचना मिलती है, तो वे गेटेड समुदायों में होने वाले कार्यक्रमों की जांच करने में संकोच नहीं करेंगे।

तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो (टीजीएएनबी) और साइबराबाद पुलिस ने रविवार को एक पार्टी पर छापा मारा और 14 लोगों को एडवांस ड्रग टेस्ट के लिए भेजा, जिनमें से 8 का टेस्ट पॉजिटिव आया। उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस बीच, यातायात पुलिस की टीमें दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए रात 8 बजे से लेकर अगले दिन तड़के तक शराब पीकर वाहन चलाने वालों की जांच करेंगी। राज्य भर में यातायात पुलिस ने इस अभियान के लिए विशेष टीमें बनाई हैं।

रक्षा सम्पदा कार्यालय
तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश अंचल
सिटी सिविल कोर्ट परिसर
सरदार पटेल मार्ग
सिकंदराबाद – 500 003

Defence Estates Office
Telangana & AP Circle
City Civil Court Compound
Sardar Patel Road
Secunderabad – 500 003

(दूरभाष नं: 040-27801250 / 27800503 फैक्स: 040-27800601 ई-मेल: deosecu-stats@nic.in)

सार्वजनिक नीलामी सूचना

ई-नीलामी सूचना-सिकंदराबाद छावनी में विभिन्न रक्षा भूमि क्षेत्रों पर विज्ञापन होर्डिंग्स का निर्माण व प्रदर्शन

इसके द्वारा आम जनता को अधिसूचित किया जाता है कि, दि. 27.01.2025 के सु.11.00 बजे, ई-नीलामी के माध्यम से, सिकंदराबाद कैंटोनमेंट के विभिन्न जीएलआर सर्वे नं. स्थित विज्ञापन होर्डिंग्स के निर्माण एवं प्रदर्शन से जुडे, 4(चार) साइट्स का निपटान किया जा रहा है। ठेकेदारों को, दि.10-**01-2025 एवं दि.16-01-2025** के सु.11 से दोप.02 बजे तक तत्संबंधित साइट्स दिखाई जायेगी। संबंधित साइट के सौंपने की तिथि से लेकर 2 वर्षों की अवधि के लिए, लाइसेंस दिया जायेगा। इच्छुक बोलीदाताओं को इस बात की अनुमति दी जाती है कि, वे, संबंधित कार्यालय प्रतिनिधि की उपस्थिति में, उपरोक्त साइट्स विजिट या निरीक्षण कर सकते हैं। ई-नीलामी दस्तावेजों को, सरकारी ई-नीलामी सिस्टम आनलाईन पोर्टल **वेब:** https://eauction.gov.in/eAuction/app पर, अपलोड किया जाना चाहिए।

क्रम सं.	साइट नं.	जीएलआर सर्वे नं.	स्थान
1	34	627	बोइनपल्ली मार्केट से डायमण्ड पाइंट, दिल्ली पब्लिक स्कूल बोइनपल्ली के पास, सिकंदराबाद कैंटोनमेंट की तरफ ट्राफिक
2	73	653	सिख विलेज रोड, मडफोर्ट, मस्ताना होटल के सामने, सिकंदराबाद कैंटोनमेंट
3	45	669	बोईनपल्ली से ताडबन क्रास रोड, ताडबन, सिकंदराबाद कैंटोनमेंट की तरफ ट्राफिक
4	46	669	कारखाना से जेबीएस रोड, क्लब रोड, सिकंदराबाद कैंटोनमेंट की तरफ ट्राफिक

हस्ता./-
(सी. दिनेश कुमार रेड्डी)
रक्षा संपदा अधिकारी, टी एण्ड एपी सर्किल, सिकंदराबाद

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

'ई' नीलामी पट्टे द्वारा गैर-किराया राजस्व अनुबंध प्रदान हेतु गुंटूर डिवीजन की संयुक्त मासिक सूची

PUB/1290

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे(दमरे), गुंटूर डिवीजन, गुंटूर द्वारा आयआरइपीएस वेब पोर्टल के ई-नीलामी लीजिंग मोड्यूल के माध्यम से ई-बोलियां आमंत्रित हैं। तत्संबंधित कैटलाग्स का विवरण निम्न प्रकार प्रकाशित है।

वाणिज्यिक प्रचारः-

क्रम सं.	अनुबंध का प्रकारः	स्टेशन/स्थान रेक लिंक	प्रस्तावित क्षेत्र	अनुबंध अवधि	पूधरा मूल्य रु.	नीलामी प्रारंभ तिथि व समय -
1	आरडीएन स्थानों (प्लाटफाम्स तथा कानकोर्सेस) पर बोडर्स द्वारा एडवर्टाइजमेन्ट्स या विज्ञापनों की व्यवस्था।	गुंटूर रेलवे स्टेशन(पैकेज नं.4)	2055 स्के. फीट	5 वर्ष	बोली मूल्य का 5%	20-01-2025 के 11.00 बजे
2		मंगलगिरी-रेपल्ले सेक्शन के स्टेशनों पर	792 स्के. फीट			
3		सत्तेनपल्ले-नलगोंडा सेक्शन के स्टेशनों पर	2,870 स्के. फीट			
4		मरकापुर रोड-नंद्याल सेक्शन के स्टेशनों पर	2,140 स्के. फीट			
5	पहचाने गए ओओएच स्थानों पर होर्डिंग्स तथा लाल्लीपाप बोडर्स द्वारा विज्ञापनों की व्यवस्था।	मरकापुर रोड-नंद्याल सेक्शन के स्टेशनों पर	3,900 स्के. फीट			
6	विनिल रैपिंग द्वारा रेलों(ट्रेन) के बाहरी ओर तथा लैमिनेटेड बोडर्स द्वारा अंदरूनी ओर(ट्रेन), विज्ञापन अधिकार या एडवर्टाइजमेंट राइट्स।	रेल सं.17261/17262(रेक्स की सं. 2)	1410.18 स्के. फीट			

निविदाकर्ता का उत्तरदायित्व है कि, वे डिजीटल सर्टिफिकेट प्राप्त करें तथा ई-निविदाओं में सहभागिता के लिए आयआरइपीएस 'ई' नीलामी लीजींग में तत्संबंधित अपना पंजीकरण करें। आयआरइपीएस पोर्टल www.ireps.gov.in के मैन्युएल तथा दिशा- निर्देशों के तहत 'ई' नीलामी लीजींग में भाग लेने एवं पंजीकरण के प्रति पूर्व आवश्यकताएं उपलब्ध हैं। अधोहस्ताक्षरी कार्यालय की ओर से, जब कभी भी बुलाए जाने पर, निविदाकर्ता द्वारा तत्संबंधित आवश्यक दस्तावेजों को प्रस्तुत करना होगा। आयआरइपीएस पोर्टल पर, इस निविदा से संबंधित भुगतान तथा आवश्यक दस्तावेजों की अपलोडिंग के दौरान, घटित किसी भी बाधा के लिए, रेल प्रशासन कतई जिम्मेदार नहीं होगा। इस निविदा प्रपत्र से जुडे सभी शर्तों को यथावत रूप से पूरा न कर, इस कार्यालय में प्रेषित निविदाओं को, सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा। उपरोक्त निविदा का संपूर्ण विवरण, ई नीलामी लीजिंग माड्यूल www.ireps.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध है।

A1657 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्य प्रबंधक, गुंटूर

सिंचाई टैंक के पास फिर दिखा बाघ

कुमराम भीम आसिफाबाद, 31 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। पेंचिकलपेट मंडल के कोंडापल्ली गांव में एक सिंचाई टैंक के पास मंगलवार को दूसरे दिन भी एक बाघ घूमता रहा। पेंचिकलपेट एफआरओ अनिल ने बताया कि पिछले कुछ हफ्तों से कोंडापल्ली के जंगलों में एक स्थानीय बाघ घूम रहा था। उन्होंने बताया कि जानवरों के ट्रैकर का इस्तेमाल करके बाघ की गतिविधियों पर नज़र रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि बाघ का पीछा करने के लिए दो टीमें बनाई गई हैं। स्थानीय लोगों को भी बड़ी बिल्ली की मौजूदगी के बारे में चेतावनी दी गई है।

वन अधिकारियों ने ग्रामीणों को सतर्क रहने और बाघ से अचानक टकराव से बचने की सलाह दी है। उन्होंने किसानों से आग्रह किया है कि वे जंगली जानवरों द्वारा फसलों को नुकसान पहुँचाने से रोकने के लिए बनाई गई बिजली की बाड़ न लगाएँ। हालांकि, बाघ की हरकतों के बाद किसानों ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि बाघ के हमले के डर से उन्होंने कपास की फसल की कटाई और कई अन्य कृषि कार्य बंद कर दिए हैं। इसी गांव की पसुला निर्मला को 2020 में एक बाघ ने मार डाला था।

किसान ने की आत्महत्या की कोशिश

कांग्रेस नेता पर उत्पीड़न का आरोप

खम्मम, 31 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। सथुपल्ली मंडल के रेजरला गांव के एक किसान श्रीनिवास रेड्डी ने कथित तौर पर कांग्रेस नेताओं द्वारा परेशान किए जाने के कारण कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने का प्रयास किया, जिन्होंने उनके घर की जमीन पर अतिक्रमण कर लिया था। जब श्रीनिवास रेड्डी अस्पताल में जीवन के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब पुलिस ने उनकी पत्नी को जबरन पुलिस स्टेशन ले जाकर जमीन पर अतिक्रमण और अतिक्रमणकारी द्वारा बनाए गए फर्जी दस्तावेजों को चुनौती दी थी।

आत्महत्या की कोशिश के बाद श्रीनिवास रेड्डी की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कांग्रेस विधायक रागामयी के पति मट्टा दयानंद के अनुयायी सुब्बा रेड्डी द्वारा कथित तौर पर उन्हें परेशान किया जा रहा था। सुब्बा रेड्डी ने कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज तैयार किए थे और श्रीनिवास रेड्डी के घर की जमीन पर कब्जा करके सड़क बनवाई थी।

सुब्बा रेड्डी कथित तौर पर पिछले कुछ समय से श्रीनिवास रेड्डी के परिवार को धमका रहा था और परेशान कर रहा था। छह महीने पहले पुलिस ने भूमि विवाद के सिलसिले में श्रीनिवास रेड्डी की पत्नी को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए श्रीनिवास रेड्डी ने कोर्ट में केस दायर किया। रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट में चल रहे केस के बावजूद पुलिस ने श्रीनिवास रेड्डी की पत्नी को फिर से गिरफ्तार कर लिया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, PRABHAVATI DEVI , M/o: NK MOHITE V S , Resident of GANDHI NAGAR POST, KASHIL, SATARA, MAHARASHTRA - 415519, have changed my name from PRABHAVATI DEVI to PRABHAVATI SHRIRANG MOHITE and my DOB : 13-06-1965 vide Affidavit dt.30-12-2024 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

I, VIJAYALAKSHMI , Legally Wedded Spouse of SURG.CDR M V RAO , R/O: E-30, ARMED FORCES OFFICERS CO OP HOUSING SOCIETY LTD, SAINIKPURI, HYDERABAD -500094 , TG have changed my name from VIJAYALAKSHMI to MANUBALLA VIJAYALAKSHMI vide Affidavit dt.30-12-2024.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

फंदे से लटका मिला इंटर प्रथम वर्ष का छात्र

खम्मम, 31 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मधिरा मंडल के कृष्णपुरम स्थित बीसी गुरुकुल कॉलेज में इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष की एक छात्रा की कथित तौर पर आत्महत्या कर ली गई। पुलिस के अनुसार, मृतक साई वर्धन, मुदिगोंडा का रहने वाला था और चार दिन की छुट्टी के बाद सोमवार को कॉलेज वापस आया था। घर से लौटने के बाद वह काफी उदास था और आधी रात को उसने अपने दोस्तों से कहा कि वह ऊपर की मंजिल पर स्थित छात्रावास में जाएगा, लेकिन वह अपने छात्रावास के कमरे में वापस नहीं लौटा।

मंगलवार की सुबह जब कॉलेज के छात्रों ने छात्रावास का दरवाजा खोलने की कोशिश की तो पाया कि दरवाजा अंदर से बंद है। कुछ देर बाद उन्होंने खिड़की के दरवाजे खोले और पाया कि साईं वर्धन छात्रावास में पंखे से लटका हुआ था। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटना के संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साई वर्धन की मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 1 जनवरी - 2025

हवाई हादसों पर सवाल?

वर्ष 2024 ने जाते-जाते दो भीषण विमान दुर्घटनाओं ने जो दर्द दिया है उसे भुलाया नहीं जा सकता। इसके साथ ही अब तक सबसे सुरक्षित माने जाने वाली हवाई यात्रा की सुरक्षा पर भी सवाल उठाए जाने लगे हैं। कजाकिस्तान में अजरबैजान के विमान और दक्षिण कोरिया में दुर्घटनाग्रस्त विमान ने क्रमशः 38 और 179 लोगों की जान ले ली। इन दो घटनाओं से जहां दुनिया भर में शोक की लहर है, वहीं इस वजह से हवाई यात्रा की सुरक्षा से जुड़े सवाल भी केंद्र में आ गए हैं। साउथ कोरिया के मुआन में जिस तरह से लैंडिंग का प्रयास करते हुए विमान कुछ सेकंड के अंदर ही लपटों से घिरा राख में तब्दील हो गया, वह किसी का भी दिल दहलाने के लिए काफी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लैंडिंग से कुछ ही समय पहले विमान के पिछले हिस्से से एक पक्षी को टकराते देखा गया था। शायद इसी वजह से लैंडिंग गियर में खराबी आ गई। लेकिन एक्सपर्ट इस तरह की दलील से सहमत नहीं हैं। संभव है कि हादसे की जांच से कुछ और तथ्य सामने आने के बाद इस पहलू को बल मिले। इस बीच अजरबैजान विमान हादसे को लेकर हो रहे अलग-अलग दावों के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन की माफी ने संदेहों को और गहरा कर दिया है। पूतिन ने अपने माफीनामे में यह तो कहा कि जब वह विमान कजाकिस्तान में लैंड कर रहा था तब यूक्रेनी ड्रोन हमलों के मद्देनजर रूसी डिफेंस सिस्टम एक्टिव था, लेकिन यह स्वीकार नहीं किया कि वह विमान इसी सिस्टम का टारगेट बना। विमान किसी तकनीकी गड़बड़ी का शिकार हुआ या गलती से चली किसी मिसाइल का, इस पर अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। लेकिन इस सच से इनकार नहीं किया जा सकता कि इसमें सवार यात्रियों को जान गंवानी पड़ी। एविएशन इंडस्ट्री की ज्यादा चिंता साउथ कोरियाई विमान हादसे को लेकर है क्योंकि उसे यात्रियों की बढ़ती आशंकाओं का सामना करना है। हवाई दुर्घटनाओं के मामले में साउथ कोरिया का का साख पूरी दुनिया में सबसे अच्छा माना जाता रहा है। यह पिछले एक दशक में हुई साउथ कोरियन एयरलाइन की पहली बड़ी दुर्घटना है। पिछली दुर्घटना 2013 में हुई थी जब एशियाना एयरलाइंस की एक फ्लाइट सैन फ्रांसिस्को में दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। उसमें तीन लोग मारे गए थे। बहरहाल, ऐसी दुर्घटनाएं निश्चित रूप से लोगों के मन में डर पैदा करती हैं। इसके बावजूद हकीकत तो यही है कि आज भी हवाई यात्राएं सबसे सेफ मानी जा रही हैं। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च के मुताबिक, विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने का अनुपात 12 लाख में एक बैठता है। अगर हादसे में मौत का अनुपात देखा जाए तो वह 1.1 करोड़ यात्रियों में एक है, जबकि कार दुर्घटनाओं में मौत का अनुपात 5000 में एक पाया गया है। आए दिन हो रही सडक दुर्घटनाओं का रिकार्ड तो बहुत ही खराब माना जाता है।

नववर्ष भविष्य को बुनने का स्वर्णिम अवसर है

ललित गर्ग

नववर्ष, मुड़कर एक बार अतीत को देख लेने एवं भविष्य को बुनने का स्वर्णिम अवसर। क्या खोया और क्या पाया, इस गणित को विश्लेषित करने एवं आने वाले कल की रचनात्मक तस्वीर के रेखांकन का प्रेरक क्षण। क्या बनाना है और क्या मिटाना है, इस अन्वेषणा में संकल्पों की सुरक्षा पंक्तियों का निर्माण करने के लिये अभिप्रेरित करने की चौखट है- नववर्ष। 'आज', 'अभी', 'इसी क्षण' को पूर्णता के साथ जी लेने के जागृति का शंखनाद है नववर्ष। बीते कल का अनुभव और आज का पुरुषार्थ ही भविष्य का भाग्य रच सकता है इसीलिये नववर्ष के उत्सव की प्रासंगिकता को नकारा नहीं जा सकता। इसीलिये वर्ष 2024 की निराशाओं, असफलताओं एवं नाउम्मीदों पर पश्चाताप करने की बजाय उम्मीद, आशा एवं जिजीविषा को जीवंत करें। भले ही पछतावा जीवन का एक ऐसा सत्य है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। हालांकि हमें यह सलाह दी जाती है कि अतीत में क्या हुआ, क्या खोया एवं क्यों संकल्प पूरे नहीं हुए, इस पर पछताना ठीक नहीं। बीती बातों को याद करके दुखी होने से केवल मानसिक तनाव, निराशा एवं असंतोष ही उत्पन्न होगा। फिर भी, हम पछतावे को हमारी जीवन यात्रा का अहम हिस्सा मानते हुए नववर्ष का स्वागत नये उजालों से करते हुए इसे प्रेरणा पर्व बनाये। नए की स्वीकृति के साथ पुराने को अलविदा कहने की इस संधिबेला में किंपलिंग की विश्व प्रसिद्ध पंक्ति याद आ रही है-'पूर्व और पश्चिम कभी नहीं मिलते।' पर मैं देख रहा हूं कि पुराना और नया मिलकर संवाद स्थापित कर रहे हैं। जाता हुआ पुराना वर्ष नये वर्ष के कान में कह रहा है, 'मैंने आंधियाँ अपने सीने पर झेली हैं, तू तूफान झेल लेना, पर मन के विश्वास को टूटने मत देना, संकल्प के दीपक को बुझने मत देना।' नये भारत के इक्कीसवीं शताब्दी के इस रजत जयन्ती वर्ष में इसी विश्वास को जीवंतता देने के लिये अपनी अनुकरणीय योजनाओं के साथ देश एवं दुनिया में सक्रिय होना है और अनूठा करना है। उसके लिये विश्वास एवं संकल्प वे छोटी-सी किरणें हैं, जो सूर्य का प्रकाश भी देती है और चन्द्रमा की ठण्डक भी। और सबसे बड़ी बात, वह यह कहती है कि 'अभी सभी कुछ समाप्त नहीं हुआ। अभी भी सब कुछ ठीक हो सकता है।' मनुष्य मन का यह विश्वास कोई स्वप्न नहीं, जो कभी पूरा नहीं होता। इस तरह का संकल्प कोई रणनीति नहीं है, जिसे कोई वाद स्थापित कर शासन चलाना है। यह तो इंसान को इन्सान बनाने के लिए ताजी हवा की खिड़की है। जाते हुए वर्ष को अलविदा कहते हुए नए वर्ष की दस्तक आह्वान कर रही है कि अतीत की भूलों से हम सीख लें और भविष्य के प्रति नए सपने, नए संकल्प बुनें। अतीत में जो खो दिया उसका मातम न मनाएं। हमारे भीतर अनन्त शक्ति का स्रोत बह रहा है। समय का हर टुकड़ा विकास एवं सार्थक जीवन का आईना बन सकता है। हम फिर से वह सब कुछ पा सकते हैं, जिसे अपनी दुर्बलताओं, विसंगतियों, प्रमाद या आलस्यवश पा नहीं सकते थे। मन में संकल्प एवं संकल्पना जीवंत बनी रहना जरूरी है। हर बार संकल्प पूरे हों, यह बिल्कुल जरूरी नहीं, क्योंकि जज्बा तब तक लोहा भर है, जब तक मन में दृढ़ता का बसेरा न हो। दृढ़ता आए तो यही जज्बा इस्पात बन जाता है। इसी जज्बे के साथ नये भारत के निर्माता समस्त विश्व के लोगों में एक दूसरे के प्रति विश्वास की भावना उत्पन्न करने, अच्छे नागरिकों का निर्माण करने, समस्त मानवता को मित्रता, भाई-चारे और विश्वास में बांधने के लिये तत्पर है। नैतिक एवं सौम्य गुणों को बढ़ावा देना, परोपकार, जनसेवा एवं समाज उत्थान के लिये व्यापक योजनाओं को आकार देने के लिये अग्रसर हैं, जिन्हें नये वर्ष में आसमानी ऊंचाई देने की प्रतिबद्धता है। दुनिया में कुछ ही ऐसे भाग्यशाली लोग होते हैं, जिनके जीवन में पछतावा नहीं होता या बहुत कम होता है क्योंकि वे जीवन को अपने तरीके से जीते हैं। युवावस्था में जीवन की गति तेज होती है। तब इतनी सारी चुनौतियां सामने होती हैं और इतने सारे विकल्प कि आगे बढ़ने की कोशिश में पछताने का वक्त नहीं मिलता।

मुफ्त की रेवड़ी से सरकारें फंस रही हैं कर्ज में

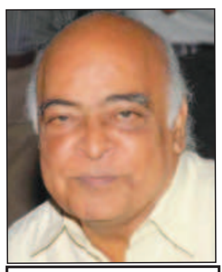

अशोक भाटिया

अब रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने मुफ्त की रेवड़ी बांटने वाले राज्यों को एक बार फिर चेतावनी दी है। भारतीय रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट में राज्यों को चेतावनी देते हुए कहा गया है कि कृषि ऋण माफी, मुफ्त बिजली एवं परिवहन जैसी छूट देने से सामाजिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे के लिए उनके महत्वपूर्ण संसाधन खत्म हो सकते हैं। कुछ समय पूर्व स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि मुफ्त का 'रेवड़ी कल्चर' देश के लिए बहुत घातक है। उन्होंने इस पर जोर दिया था कि देश के विकास पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाली सभी बातों से दूर रहने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री का इशारा चुनाव के समय राजनीतिक दलों की ओर से मतदाताओं को लुभाने के तरह-तरह के तरीकों की ओर था। अब देश के सर्वोच्च न्यायालय ने इसी तरह की टिप्पणी की है। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस एनवी रमना, जस्टिस कृष्ण मुरारी और जस्टिस हिमा कोहली की बेंच ने कहा कि नीति आयोग, वित्त आयोग, सत्ताधारी दल और विपक्षी पार्टियों, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया और अन्य संस्थाओं को भी इस मामले में सुझाव देने चाहिए कि आखिर इस 'रेवड़ी कल्चर' को कैसे रोका जा सकता है। सवाल है कि देश के चुने हुए सर्वोच्च प्रतिनिधि से लेकर सबसे बड़ी अदालत तक इस कल्चर से क्षुब्ध क्यों है? सामान्य तौर पर हम सीधे कह सकते हैं कि सरकारें मुफ्त का कुछ भी नहीं देतीं। हमारा-आपका दिया हुआ टैक्स ही सरकारों के खर्चे के काम आता है। उसका एक बड़ा हिस्सा देश के लोगों पर खर्च कर सरकारें गलत कहां करती हैं? आखिर लोक कल्याणकारी राज्य की परिकल्पना भी तो यही है। हालांकि यहां थोड़ा रुककर समझने की जरूरत है। लोक कल्याण का अर्थ क्या लोगों को कर्तव्यहीन बना देना है। जो चीजें सामान्य नौकरी पेशा, छोटे व्यवसाय अथवा खेती की आय से प्राप्त की जा सकती है, उसके लिए सरकार के आसरे रहा जाए? राजनीतिक दलों के चुनाव जीतने की महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए मुफ्तखोरी के वादे से संकट पैदा होते रहे हैं। सरकारों के 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त देने और किसानों के कर्जे माफ कर देने की घोषणाओं पर अमल ने यह हालत बना दी है कि जिन घरों में पहले से ही बिजली की खपत कम है, वहां भी निश्चिंततापूर्वक 200 यूनिट बिजली खर्च करने की लापरवाही बढ़ी है। लगातार कर्ज लेने वाले किसान मान कर चलने लगे हैं कि चुनाव बाद ये कर्जे माफ कर दिए जाएंगे। इससे राज्य सरकारों के बजट पर असर पड़ा है। आज हालत यह है कि देश के 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 27 में वित्त वर्ष उनके ऋण अनुपात में 0.5 से 7.2 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। पंजाब तो अपने जीडीपी का करीब 53.3 प्रतिशत तक कर्ज ले चुका है। राजस्थान का यह अनुपात 39.8, पश्चिम बंगाल का 38.8, केरल का 38.3 और आंध्र प्रदेश का 37.6 प्रतिशत है। ये सभी राज्य राजस्व घाटा पूरा करने के लिए केंद्र सरकार से अनुदान लेते हैं। महाराष्ट्र और गुजरात जैसे आर्थिक रूप से मजबूत राज्य भी कर्ज-जीएसडीपी अनुपात 23 फीसदी और 20 फीसदी से गुजर रहे हैं।

राज्यों के आर्थिक हालात बताने के पीछे एक और तथ्य है कि केंद्र से मिलने वाली राशि का उचित उपयोग नहीं होता। प्राथमिक खर्चों की जगह कर्ज माफी की घोषणा पर अमल से इन राज्यों के आर्थिक हालात बदतर ही हुए हैं। अस्पताल और चिकित्सा के उपकरण, दवाइयों के अलावा स्कूली और स्वास्थ्य व तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र उपेक्षित हो रहे हैं। ऐसे में सरकारों को चाहिए कि इस दिशा में केंद्र और न्यायालयों के कठोर रुख पर बेरुखी दिखाने की जगह स्वयं ही सकारात्मक सोच अपनाएं। आज बदतर होते आर्थिक हालात पर लोग श्रीलंका जैसी स्थिति उत्पन्न होने की आशंका जता रहे हैं।

श्रीलंका में 2019 के चुनाव के पहले लोगों से वादा किया गया था कि उनके टैक्स आधे कर दिए जाएंगे। इस पर अमल से विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो गया। श्रीलंका के हालात खराब होने के पीछे खेती की पद्धति में अचानक बदलाव जैसे दूसरे कारण भी हैं। फिर भी टैक्स अचानक आधा कर देने से त्वरित प्रभाव पड़ा। श्रीलंका के विपरीत स्विट्जरलैंड का उदाहरण भी है। वहां एक सर्वे में लोगों को न्यूनतम आय के रूप में भारतीय मुद्रा में करीब डेढ़ लाख रुपये देने की पेशकश की गयी। इसे स्विट्जरलैंड के लोगों ने नकार दिया। उन्होंने रोजगार की जगह बेरोजगारी भत्ता जैसी सुविधा के प्रति भी नकारात्मक रुख दिखाया। ऐसा रुख दिखाने वाले करीब 77 फीसदी लोग थे। वहां के लोग सरकार की दीर्घकालीन आर्थिक नीति के सुदृढ़ होने के बारे में सोच रहे हैं। उसके विपरीत हम यहां सब कुछ मुफ्त मिलने की इच्छा को और अधिक बलवान बना रहे हैं। निश्चित ही इससे भविष्य संकट की ओर ही जाएगा। मुफ्त की घोषणाओं और चुनाव जीतने के बाद उस पर अमल से हमारे देश की संवैधानिक संस्थाएं पहले भी चिंतित हुईं।

स्वयं सुप्रीम कोर्ट ने 05 जुलाई, 2013 के एक अहम फैसले में चुनाव आयोग से कहा था कि वह राजनीतिक दलों से बात कर घोषणापत्रों के बारे में एक कानूनी गाइडलाइन तैयार करे। तब तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त वीएस संपत के नेतृत्व में राजनीतिक दलों की बैठक भी हुई। परंतु छह राष्ट्रीय दलों के साथ 24 क्षेत्रीय दलों में से सभी ने एक स्वर से घोषणापत्र पर अंकुश संबंधी योजना का विरोध किया। बाद में भी निर्वाचन आयोग ने चुनाव सुधार से जुड़े प्रस्तावों में घोषणापत्र को आदर्श आचार संहिता के दायरे में लाने की सिफारिश की। चुनावों में छह महीना रह जाने पर किसी भी सरकार की ओर से नई योजनाओं का ऐलान नहीं करने की राय भी दी गयी। यह भी सुझाव आया कि आयोग ऐसे घोषणापत्रों पर अंकुश लगा सकता है, जो निराधार हों और उन्हें पूरा करना संभव नहीं हो। राजनीतिक पार्टियां चुनाव जीतने के लिए वादों की बौछार तो कर देती हैं, लेकिन इसका बोझ सरकारी खजाने पर पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा था कि टैक्सपेयर के पैसे का इस्तेमाल कर बांटी जा रहीं फ्रीबीज सरकार को 'दिवालियेपन' की ओर धकेल सकती हैं।इतना ही नहीं, पिछले साल आरबीआई की भी एक रिपोर्ट आई थी। इसमें कहा गया था कि राज्य सरकारें मुफ्त की योजनाओं पर जमकर खर्च कर रही हैं, जिससे वो कर्ज के जाल में फंसती जा रही हैं।'स्टेट फाइनेंसेसः अ रिस्क एनालिसिस' नाम से आई आरबीआई की इस रिपोर्ट में उन पांच राज्यों के नाम दिए गए हैं, जिनकी स्थिति बिगड़ रही है।

इनमें पंजाब, राजस्थान, बिहार, केरल और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। दरअसल, संवैधानिक संस्थाएं देश की आर्थिक हालात के साथ नागरिकों की मुफ्तखोरी के बढ़ते स्वभाव से चिंतित होती रही हैं। हाल के दिनों में चुनाव और चुनाव बाद की ऐसी प्रवृत्ति में बढ़ोतरी चिंताजनक है। माना कि नागरिकों की ओर से दिया जाने वाला टैक्स जनता पर खर्च होना चाहिए। यहां अपने देश के पारंपरिक विचार को ध्यान में रखना होगा। सूरज के समुद्र, नदियों और जल संग्रह वाली इकाइयों से भाप के रूप में उनका अंश लेकर बादल और फिर बरसात के रूप में धरती को इसलिए दिया जाता है कि किसान खेती कर सकें, लोग पीने का पानी संग्रह कर सकें। यह निरंतर चलने वाली प्रक्रिया होती है।

एक ही बार जरूरत से ज्यादा बारिश भी कहर बरपा करती है। साइकिल, स्कूटी, मोबाइल फोन, लैपटॉप और टीवी जैसी वस्तुएं मुफ्त में देने और कर्जे माफ कर हम पीढ़ी-दर पीढ़ी लोगों को नकारा तो बना ही रहे हैं। साथ ही एक ऐसी व्यवस्था बना रहे हैं जहां से लौटना मुश्किल हो सकता है।

क्या अब दिल्ली भी चलेगी देश के साथ?

डा. विनोद बब्बर

दिल्ली एक बार फिर अपने भाग्य विधाताओं के द्वार पर पहुंच रही है। लोकतंत्र में मतदाता मशीन का बटन दबाने तक ही सही लेकिन निर्णायक होता है। यह भी सत्य है कि अगले पांच वर्षें तक उसकी सुनी जाए या न सुनी जाए लेकिन तकनीकी रूप से उसे भाग्य विधाता का दर्जा दिया जाता है। दिल्ली भारत का दिल है तो उसे मिनी भारत भी कहा जाता है परंतु पिछले दो विधानसभा चुनावों में दिल्ली ने शेष भारत से बिल्कुल भिन्न फैसला देकर अद्वितीय हलचल उत्पन्न करते हुए मुख्य राजनैतिक दलों को जोरदार झटका दिया था। एक बिल्कुल नई कार्यसंस्कृति का दावा करने वाले केजरीवाल से देश की जनता को बहुत आशाएं थी। इसीलिए दिल्ली के बादपंजाब में भी आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो गुजरात और गोवा में भी उसका प्रदर्शन अपेक्षा से बढ़कर रहा लेकिन दिल्ली में अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान परिवर्तन के नायक बने केजरीवाल और उनकी टीम के सदस्यों ने जिस तरह मर्यादाओं को ताक पर रखा, उससे दिल्ली वालों को भारी निराशा का सामना करना पड़ रहा है । शराब घोटाले जैसे मामलों में अरविंद केजरीवाल उनके अभिन्न सहयोगी मनीष सिसोदिया, संजय सिंह तथा सत्येंद्र जैन को लंबे समय तक जेल में रहना पड़ा। बार-बार जमानत की याचिका रद्द होने के बाद उच्चतम न्यायालय ने लोकसभा चुनाव के अवसर पर सशर्त जमानत दी जिसमें सचिवालय जाने तथा मुख्यमंत्री के रूप में किसी भी फाइल को देखने अथवा हस्ताक्षर करने पर रोक थी । केजरीवाल और उनकी पार्टी ने अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए लोकसभा चुनाव में जनता से अपना भारी समर्थन देने की अपील की परंतु कांग्रेस के साथ गठबंधन के बावजूद सभी सातों सीटों पर बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा। अदालत में सुनवाई के लंबे समय तक चलने के तर्क पर उन्हें तकनीकी आधार पर नियमित जमानत प्राप्त हुई, सशर्त । ऐसे में अरविंद केजरीवाल के लिए मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करना लगभग असंभव था। तेज तर्रार केजरीवाल ने यहाँ फिर दाँव खेलते हुए त्याग बलिदान की बातें करते हुए पद छोड़ आतिशी को डमी मुख्यमंत्री बनाया। वह लगातार इस बात पर जोर देते रहे कि चुनाव के बाद वह ही मुख्यमंत्री बनेंगे। चुनाव के निकट उन्होंने महिलाओं को 2100 प्रति मास देने का वादा करते हुए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का अभियान चलाया लेकिन दिल्ली की जागरूक महिलाओं ने उनसे यह जानना चाहा कि पिछले बजट में उन्होंने प्रति मास 1000 देने की जो घोषणा की थी, उसका क्या हुआ ? पंजाब में भी मई 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में भी इसी प्रकार का वादा अब तक लागू क्यों नहीं किया गया? अपनी सरकार होते हुए भी चुनाव के बाद स्वयं मुख्यमंत्री बनने पर पानी के बिल घटाने की बातें कर केजरीवाल उपवास का पात्र बन गए। पिछले कुछ समय से दिल्ली की सड़कों, नालियों तथा साफ सफाई की दशा बहुत खराब है। दिल्ली नगर निगम चुनाव में उन्होंने कूड़े के पहाड़ हटाने का वादा तो किया लेकिन अब लगभग हर कॉलोनी में कूड़े के ढेर दिखाई दे रहे हैं। विशेष रूप से अनधिकृत कॉलोनी में नारकीय स्थिति बनी हुई है। मुफ्त बिजली पानी की तस्वीर भी पूरी तरह से बदली हुई है क्योंकि बिजली पर तरह-तरह के सरचार्ज लगाए गए जिससे लगभग प्रत्येक व्यक्ति का बिल भी कई गुना बढ़ गया। वास्तविकता यह है कि केजरीवाल जी के तेवर में कोई कमी नहीं है लेकिन धरातल पर स्थित पूरी तरह से भिन्न होने के कारण उनके विधायकों को जनता का सामना करना भारी पड़ रहा है । हर छोटी-बड़ी बात पर जनता से राय लेने का दिखावा करने वाला वह कथित नायक अपने व्यवहार में जिस तरह की मनमानी दिखाता रहा, उससे उसके अपने निष्ठावान कार्यकर्ता तक स्तब्ध है। इस बार भी चुनाव में जिस तरह का टिकटों का वितरण हुआ है वह उनकी तथाकथित कट्टर ईमानदार की छवि पर प्रश्न चिन्ह लगता है। यह देश का दुर्भाग्य था कि राजनैतिक भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए निकला यह रथ नए प्रकार के भ्रष्ट आचरण का शिकार बनकर फुस हो गया। इतिहास ने जो मौका उन्हें दिया था उसे उन्होंने 'ऐतिहासिक भूलों' का बंधक बना दिया। जनलोकपाल की कसमें खाकर भूल जाना उनकी विश्वसनीयता को प्रभावित करता है। आशाएं जगाकर अपने ही अभियान की भ्रूणहत्या का 'श्रेय' किसी बाहरी शक्ति की बजाय उसके नायक को दिया जाना उचित ही है। अपनी अयोग्यता से अधिक अपने अस्थिर स्वभाव के कारण पद छोड़कर 'शहीद ' बनने का प्रयास आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान कसौटी पर कसा जाएगा । लोकसभा चुनाव में सहयोगी रही कांग्रेस भी लगातार उन पर तंज कस रही है । शीला दीक्षित के सुपुत्र और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित केजरीवाल के विरुद्ध नई दिल्ली से ताल ठोक चुके हैं तो कांग्रेस महासचिव अजय माकन ने तो केजरीवाल को देशद्रोही तक कह डाला, इसलिए इस बार का मुकाबला निश्चित रूप से पूर्व से भिन्न होने जा रहा है। नित्य नए मुद्दे घड़ने और अपनी असफलता दूसरों पर थोपने में माहिर केजरीवाल जी को इस बात का जवाब देना ही पड़ेगा कि वे सादगी की बात करते - करते शीशमहल निवासी होकर करोड़ों की बर्बादी वाले कैसे हुए? महिला सम्मान योजना और संजीवनी के नाम पर एक बार फिर वोट पाने की चाह लिए केजरीवाल जी की स्वयं की सरकार द्वारा विभिन्न समाचार पत्रों में यह सूचना प्रकाशित कराई है कि इस प्रकार की कोई योजना सरकार द्वारा अधिसूचित नहीं है अतः पंजीकरण और कार्ड जारी करने का अभियान अवैध है। लोगों को अपना डेटा देते हुए सावधानी बरतनी चाहिए। अब जबकि विधान सभा चुनावों का बिगुल बज चुका है।

ऐसे में प्रश्न यह है कि दिल्ली इस बार किस ओर जाएगी। देश में बह रही हवा जो अप्रत्याशित रूप से दिल्ली के पड़ोस तक पहुंच चुकी है. क्या दिल्ली की जनता के दिल-दिमाग में भी दस्तक देगी? क्या दिल्ली परिवर्तन के भटके नायक को अपनी भूल सुधारने का एक मौका देगी? क्या कांग्रेस को प्राणदान मिलगा? क्या फिर से दिल्ली का फैसला बंटा हुआ होगा? क्या देश का दिल कहे जानी वाली दिल्ली देश की धड़कन बनी रहेगी?

संभावनाएं अनेक हो सकती है। अंतिम निर्णय चूंकि दिल्ली के प्रबुद्ध मतदाता को करना है इसलिए उससे विवेकपूर्ण फैसले की आपेक्षा सारा देश करता है।

मनुष्य और डिजिटल तकनीक से उभरती चिंताएं

प्रियंका सौरभ

वर्ष 2025 के बारे में चाहे किसी ने आशावादी या निराशावादी विचार व्यक्त किए हों, मगर ये सच है कि इन चिंतकों ने मनुष्यों और डिजिटल तकनीकों के निकट भविष्य के लिए अपनी चिंताओं को भी व्यक्त किया है। उनकी ज़्यादातर चिंताएँ प्रौद्योगिकी कंपनियों की बढ़ती शक्ति पर केंद्रित हैं जो लोगों के जीवन में सूचना प्रवाह को नियंत्रित करती हैं और व्यक्तियों की गोपनीयता और स्वायत्तता से समझौता करने की उनकी क्षमता पर केंद्रित हैं। यह बहुत कम संभावना है कि बाज़ार पूंजीवाद और मुनाफ़ा कमाने को प्राथमिक प्राथमिकता बनाने की प्रतिस्पर्धी अनिवार्यता को बदलने के लिए जल्द ही कोई सफल आंदोलन होगा। इस समस्या के समाधान में दोधारी गुण हैं क्योंकि अवसर और चुनौती समान रूप से मौजूद हैं। सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए झूठ का प्रसार सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था को नुक़सान पहुँचाएगा। कुछ संभावित उपाय नागरिक स्वतंत्रता में बाधा डाल सकते हैं। ऑनलाइन झूठ, ग़लत सूचना और ग़लत सूचना का अजेय प्रवाह विभाजनकारी, खतरनाक और विनाशकारी है। स्वास्थ्य-निगरानी, कार्य-निगरानी और सुरक्षा समाधान जो लागू किए जा सकते हैं, वे बड़े पैमाने पर निगरानी का विस्तार करेंगे, मानवाधिकारों को ख़तरे में डालेंगे और दुनिया के ज़्यादा से ज़्यादा क्षेत्रों को ज़्यादा सत्तावादी बना देंगे। टेलीवर्क के कारण अधिक व्यावसायिक प्रणालियों और प्रक्रियाओं के तेज़ स्वचालन से मनुष्यों के लिए उपलब्ध नौकरियों की संख्या कम हो रही है। इसके अतिरिक्त इतने ज़्यादा अलगाव के समय में लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ा हैं। इन सभी स्पष्ट मुद्दों से निपटने के लिए आवश्यक सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कौन कार्यवाही करेगा। मुझे लगता है कि बिगड़ती आर्थिक स्थिति, नागरिक अशांति, अनिश्चित दीर्घकालिक महामारी परिणामों के संगम से प्रौद्योगिकी से सम्बंधित नुक़सान और दुरुपयोग की संभावना अधिक है, विशेष रूप से तब जब उत्पाद, जोखिम मूल्यांकन आदि पर कम कठोरता के साथ बाज़ार में आते हैं। तकनीक हमारे जीवन में और भी व्यापक हो जाएगी, हर पहलू में। यह काम, ज्यादा विकल्प और बेहतर सेवा को सक्षम करेगा, लेकिन इसकी बहुत अधिक क़ीमत चुकानी पड़ेगी। निगरानी में वृद्धि, गोपनीयता की हानि, अधिक जोखिम-व्यक्तियों और राजनीतिक प्रणालियों दोनों के लिए घातक होगा। बिगड़ती आर्थिक स्थिति, नागरिक अशांति, अनिश्चित दीर्घकालिक महामारी के परिणामों का संगम मुझे प्रौद्योगिकी से सम्बंधित नुक़सान और दुरुपयोग की ओर ले जाने की अधिक संभावना के रूप में लगता है, खासकर जब उत्पाद खतरे के मॉडलिंग, जोखिम मूल्यांकन आदि पर कम कठोरता के साथ बाज़ार में आते हैं। बहुत कम या बिना किसी पारदर्शिता, जवाबदेही या निगरानी के साथ काम करने वाली प्रौद्योगिकी कंपनियों की विशाल और काफ़ी हद तक अनियमित शक्ति मुझे चिंतित करती है। इन कंपनियों का हर जगह सत्तावादी और लोकतंत्र विरोधी ताकतों के साथ गठबंधन मुझे चिंतित करता है। 2025 आर्थिक, स्वास्थ्य और कल्याण कारकों के आधार पर औसत व्यक्ति के लिए बदतर होगा जिसके परिणामस्वरूप बढ़े हुए कर्ज, कम बचत, कम वेतन वृद्धि जैसे प्रभाव होंगे। बच्चों वाली महिलाओं को कार्यबल से बाहर निकलने या अंशकालिक काम करने के लिए काफ़ी दबाव का सामना करना पड़ा है, ताकि बच्चों की देखभाल के अंतर को पूरा किया जा सके, जो कि स्कूल बंद होने और उनके पुरुष साथी द्वारा अपने बच्चों की 50 / 50 जिम्मेदारी नहीं लेने के कारण हुआ है। इसका परिणाम आजीवन वित्तीय प्रभाव और निराशा की भावना होगा। कोरोनावायरस संक्रमण के बाद चल रही विकलांगता की एक महत्त्वपूर्ण संभावना है, यह देखते हुए कि मध्यम और दीर्घकालिक फेफड़ों की क्षति और क्रोनिक पोस्ट-वायरल थकान के बारे में क्या सामने आ रहा है। लोगों के पास काफ़ी कम दोस्त होंगे, क्योंकि नियमित रूप से व्यक्तिगत संपर्क की कमी के कारण रिश्ते कम होते जा रहे हैं। मुझे लगता है कि युगल और एकल परिवार पर कुछ हद तक नव-परंपरावादी गहन ध्यान केंद्रित होगा जो कि काफ़ी हद तक दमघोंटू होगा। प्रौद्योगिकी कंपनियों के एकाधिकार और बढ़ेंगे, बहुत सारी गतिविधियाँ चार या पाँच मेगाकॉरपोरेशनों में केंद्रित हैं। व्यापक खुदरा क्षेत्र पर अमेज़न के नकारात्मक प्रभाव को देखें। इन कंपनियों के प्लेटफ़ॉर्म पर बहुत अधिक निर्भरता केंद्रित है, हर चीज़ के लिए स्क्रीन-केंद्रितता होगी चाहे वह सामाजिक जीवन, मनोरंजन, काम, कला कुछ भी हो।

गाँव की राजनीति और स्मार्ट नेताओं की नासमझी

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

किसी भी गाँव में सियासत का खेल कुछ ऐसा होता है जैसे किसी चूल्हे में आग लगाना। जितनी देर तक आग सुलगती है, उतनी ही देर तक सब अच्छे से पकते हैं। गाँव में राजनीति का एक अलग ही तरीका है। जब बात आती है वोटों की, तो कोई भी नेता अपने आपको ही सबसे बड़ा नायक समझता है। इस बार गाँव में पंचायत चुनाव हो रहे थे। पाटीदार, रावत, यादव, और जाटव सभी जातियां एकजुट थीं – बस उन्हें चाहिए था एक नेता, जो उनका प्रतिनिधित्व करे। और उस नेता का चुनाव भी गांव के हर एक आदमी ने मिलकर किया था – जो सबसे ज्यादा समझदार हो, वही हमारा नेता होगा। लेकिन इस बार राजनीति के हालात कुछ अलग थे। इस बार, गाँव के शरारती और चालाक नेता घनश्याम जी थे। जो आमतौर पर गाँव के हलवाई का काम करते थे, लेकिन इस बार उन्होंने पंचायत चुनाव में उम्मीदवार बनने का फैसला लिया था। घनश्याम जी ने अपने चुनावी प्रचार के लिए एक नया तरीका अपनाया। वे सुबह-सुबह सभी घरों में सस्ता राशन मिल रहा है के पोस्टर चिपकाते थे। बिना किसी की अनुमति के। बस, यह चिठ्ठियाँ लगाने से उन्हें एक बड़ा वोट बैंक मिल गया था। अब गाँव के लोग घनश्याम जी को अपने दिल से 'समाजसेवी' मानने लगे थे। वह आदमी कितना अच्छा है! बिना मांगे मुफ्त में राशन बांटने आया है। – यह बात गाँव के छोटे से बच्चे तक की जुबान पर थी। एक दिन गाँव में किसी काम से उपेन्द्र और महेन्द्र भाई आए थे। उन्होंने देखा कि घनश्याम जी एक बड़े माइक पर सस्ता राशन और मुफ्त सौगातों का प्रचार कर रहे थे। उपेन्द्र भाई, जो गाँव के स्कूल में पढ़ाते थे, मन ही मन मुस्कराए और बोले, घनश्याम भाई, बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। इनकी मेहनत को देखकर तो मुझे लगता है कि इन्हें 'महात्मा' का खिताब मिलना चाहिए। घनश्याम जी हंसी-हंसी में बोले, बिलकुल! आपको तो पता ही है कि जो नेता अपना काम करता है, वही असली नेता होता है। और मैं तो जनसेवा के लिए ही हूँ, और जो मुफ्त में सेवा करता है, वही सबसे बड़ा देवता होता है। महेन्द्र भाई बोले, पर भाई, तुमने राशन तो बाँटा है, लेकिन यह बताओ कि अगला चुनाव जीतने के बाद क्या तुम सिर्फ राशन बांटने से गाँव के विकास की दिशा बदलोगे? घनश्याम जी ने पलट कर कहा, यह राशन बांटना, यही असली विकास है। बेशक आप लोग स्कूल की बातें करते रहो, लेकिन मेरे काम से गाँव की समृद्धि बढ़ेगी, क्योंकि अगले साल यहाँ खेतों में उगने वाले धान और गेहूं के साथ-साथ वोट भी बढ़ेंगे। इतना सुनते ही उपेन्द्र भाई चुप हो गए। लेकिन महेन्द्र भाई तो जैसे सारा खेल समझ गए थे। उन्होंने एक सवाल दागा, क्यों भाई, यह जो तुम्हारे प्रचार-प्रसार के लिए साधन हैं, क्या ये गाँव के आम लोगों के पैसे से नहीं आते? घनश्याम जी ने बड़े ही गर्व से कहा, हां! और यही तो मेरी विशेषता है, कि मैं आम आदमी के पैसे से ही उनके बीच आता हूँ और उन्हें दिखाता हूँ कि मैं उनका नेता हूँ। इस बात को सुनकर महेन्द्र भाई हंसे, अरे, तुम तो सचमुच स्मार्ट हो! बिना मेहनत किए तुमने इस गाँव के हर आदमी को अपना दीवाना बना लिया है। लेकिन तुम्हारे 'मुफ्त राशन' का क्या होगा जब लोग तुम्हारे जादू से बाहर आकर असलियत में आएंगे?

धार्मिक ग्रंथों की सीख से करें नए साल की शुरुआत

जीवन में जल्द मिलेगी सफलता

2025: आज के समय हर कोई व्यक्ति चाहता है कि आने वाला नया साल सुख-समृद्धि से भरा रहे। साथ ही उसके सोचे काम पूरे हो। ऐसे में व्यक्ति कई तरह के उपाय की मदद लेता है। इससे व्यक्ति को नववर्ष में सफलता प्राप्त होती है। साथ ही कई लोग नए साल के दिन कुछ कामों को लेकर नए संकल्प लेते हैं। अगर आप भी चाहते हैं कि आने वाले नए साल में जीवन में सफलता मिले, तो धार्मिक ग्रंथ रामायण और महाभारत की सीख को जीवन में जरूर अपनाएं।

माता-पिता की आज्ञा का करें पालन

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम राजा दशरथ के पुत्र थे। इसी वजह से उन्हें अध्योया की राजगद्दी सौंपी जानी थी, लेकिन माता कैकेयी के कहने पर भगवान श्री राम ने राजगद्दी न लेने का फैसला लिया और वनवास के बारे में सोचा। इससे यह सीख मिलती है कि व्यक्ति को जीवन में हमेशा माता-पिता की आज्ञा का पालन करना चाहिए, क्योंकि उनके आदेश का पालन करना ही सबसे पहला धर्म है। ऐसे में नए साल में इस बात का विशेष ध्यान रखें कि माता-पिता के आदेश का पालन करें।

भगवन श्रीकृष्ण ने गीता का दिया था उपदेश

महाभारत में युद्ध की शुरुआत होने वाली थी। वहीं, अर्जुन मोह के जंजाल में फंसे थे, जिसकी वजह से उन्होंने युद्ध न करने का विचार छोड़ दिया था। ऐसे में जगत के पालनहार भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था।

हतो वा प्राप्यसि स्वर्गम, जित्वा वा भोक्ष्यसे महिम

तस्मात उत्तिष्ठ कौन्तेय युद्धाय कृतनिश्चयः॥ (द्वितीय अध्याय, श्लोक 37)
इस श्लोक का अर्थ यह है कि अगर अर्जुन युद्ध में वीरगति को प्राप्त होते हो, तो तुम्हें स्वर्ग मिलेगा और युद्ध में सफलता प्राप्त होती है, तो धरती का सुख पा जाओगे। इसलिए उठो, हे कौन्तेय (अर्जुन), और निश्चय करके युद्ध करो।

कौरवों को करना पड़ा हार का सामना

महाभारत में कौरव राजा कुरु के वंशज थे। उन्होंने अपने जीवन के दौरान कई तरह की गलतियां कीं। इसके बाद किसी ने भी उनकी गलतियों से सीख नहीं ली। यही कारण था कि कौरवों को पांडवों का से हार का सामना करना पड़ा, जिसकी वजह से उनके वंश का नाश हो गया। इससे यह सीख मिलती है कि गलती करने पर उस काम में सुधार जरूर करना चाहिए।

सुग्रीव ने राम जी से मांगी माफी

भगवान लक्ष्मण की बातों को सुनकर सुग्रीव को अपनी गलती महसूस हुई थी। इसके बाद उन्होंने अपने गलती में सुधार करने के लिए भगवन श्रीराम से माफी मांगी, जिसके बाद माता सीता की खोज के लिए सुग्रीव ने वानर सेना को भेजा था।

चाणक्य नीति: लाइफ पार्टनर चुनते वक्त इन 5 बातों का रखें ध्यान

आचार्य चाणक्य ने अपने नीतिशास्त्र में सफल जीवन की नीतियों के साथ गृहस्थ्य जीवन से जुड़ी भी कई अहम बातें बताई हैं। जो व्यक्ति चाणक्य नीति के अनुसार अपने लिए कुछ फैसले लेते हैं तो आपका जीवन सरल बन सकता है। क्योंकि आचार्य चाणक्य की नीतियां जीवन के हर पहलुओं पर मार्गदर्शन करती हैं। इसी तरह एक अच्छे जीवनसाथी चुनने के लिए भी कई महत्वपूर्ण बातें बताई हैं। क्योंकि एक अच्छा जीवनसाथी आपका जीवन सुखी कर देता है, तो दूसरी तरफ बुरा जीवनसाथी मिल जाने से जिंदगी बर्बाद भी हो सकती है। अगर आप सुखद वैवाहिक जीवन व्यतीत करना चाहते हैं तो अपना लाइफ पार्टनर चुनने से पहले आचार्य चाणक्य की कुछ बातों को जरुर ध्यान में रखना चाहिए। इससे आपको एक अच्छा जीवनसाथी चुनने में मदद मिल सकती है। तो आइए पंडित रमाकांत मिश्रा से जानते हैं कि चाणक्य नीति द्वारा बताई गई कौन सी हैं बातें जिन्हें हमें पार्टनर चुनते समय ध्यान में रखना चाहिए।

मन विचार देखकर करें शादी

आचार्य चाणक्य का कहना है कि, आप जिसे अपना जीवनसाथी चुन रहे हैं उसका मन, विचार देखकर चुनें। तो आप जीवनभर सुखी रहेंगे। क्योंकि कई लोग खूबसूरती को देखकर अपना पार्टनर चुन लेते हैं। लेकिन जरुरी नहीं है कि जो बाहर से खूबसूरत हो वह असल में अच्छा हो।

धैर्यवान व्यक्ति

आचार्य चाणक्य के अनुसार, जिस व्यक्ति में धीरज होता है वह व्यक्ति हर परिस्थिति को संभालने में सक्षम होते हैं। ऐसे लोग कठिन से कठिन परिस्थिति में भी नहीं डगमगाते और धैर्य से सबकुछ संभाल लेते हैं।

संस्कारवान पार्टनर

चाणक्य नीति के अनुसार, जो व्यक्ति संस्कारवान है वह सब को सम्मान देता है। इसलिए अपने पार्टनर को चुनते वक्त ये जांच ले कि उसमें अच्छे संस्कार हों, क्योंकि संस्कारों का अभाव व्यक्ति को अकड़ू बनाता है और वह कभी अपने पार्टनर को सम्मान भी नहीं देता है।

गुस्सैल न हो जीवनसाथी

जिन लोगों को अपना पार्टनर चुनना है वे लोग सुनिश्चित करें कि उनका पार्टनर गुस्सैल प्रवृत्ति का तो नहीं है। क्योंकि आचार्य चाणक्य के अनुसार, गुस्सैल प्रवृत्ति का जीवनसाथी चुनने से आपका वैवाहिक जीवन खुशहाल नहीं रह पाता, इसमें क्लेश बना रहता है।

दयालु व सहनशील व्यक्ति

आचार्य चाणक्य के अनुसार, जो व्यक्ति दयालु प्रवृत्ति का होगा वह दूसरों की भावनाओं के समझ सकता है और अपने पार्टनर की भावनाओं की भी कद्र करता है। इसके साथ ही एक सहनशील व्यक्ति जीवन के उतार-चढ़ावों का सामना कर सकता है। इसलिए आपके पार्टनर के अंदर ये गुण जरुर होने चाहिए।

नये साल पर जरूर करें यह काम

पूरे साल रहेंगे खुशहाल, नहीं होगी कोई भी समस्या

नया साल आते ही हर कोई बेहतर भविष्य की उम्मीद करता है, जहां कुछ लोग नए साल का स्वागत पिकनिक और पार्टी के जरिए करते हैं, वहीं कई लोग मंदिर जाकर भगवान का आशीर्वाद लेकर इसकी शुरुआत करना पसंद करते हैं। अगर आप चाहते हैं कि अंग्रेजी नव वर्ष 2025 आपके लिए खुशहाली और सफलता लेकर आए, तो कुछ विशेष उपाय जरूर अपनाएं।

नये साल को खास बनाने के उपाय

नव वर्ष 2025 बेहद शुभ और फलदायक हो सकता है, यदि इसकी शुरुआत सही तरीके से की जाए। उनका कहना है कि इस बार नया साल बुधवार से शुरू हो रहा है, जो भगवान गणेश के पूजन के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। गणेश जी की पूजा के साथ नया साल शुरू करने से जीवन में सुख-समृद्धि और बाधाओं से मुक्ति मिल सकती है।

गणेश जी की पूजा के विशेष तरीके

नए साल के पहले दिन सुबह स्नान के बाद भगवान गणेश की पूजा करें। गणेश जी को मोतीचूर के लड्डू का भोग लगाएं और 108 दूर्वा (हरी घास) को पीले चंदन से सजाकर उनके चरणों में अर्पित करें। पूजा के दौरान 'ओम गण गणपतये नमः' या 'जय श्री गणेशाय नमः' मंत्र का जाप करें। यह उपाय न केवल दिन को शुभ बनाएगा, बल्कि पूरा साल सुख-समृद्धि से भरपूर रहेगा।

2025 को बनाएं विशेष और यादगार

शास्त्रों के अनुसार गणेश जी को सभी देवताओं में प्रथम पूज्य माना गया है। कोई भी शुभ कार्य उनकी पूजा के बिना पूरा नहीं होता। नए साल के दिन उनकी पूजा से आपके जीवन में आने वाली बाधाएं समाप्त हो सकती हैं और लक्ष्मी की कृपा हमेशा बनी रहेगी। नए साल का स्वागत करने के तरीके भले ही अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन दिन की शुरुआत एक सकारात्मक और शुभ कार्य से करें। चाहे आप दोस्तों के साथ समय बिताएं या मंदिर जाएं, यह सुनिश्चित करें कि आपके मन में नए साल को लेकर उम्मीदें और ऊर्जा बनी रहे।

नए साल की शुरुआत में ध्यान दें इन बातों पर

सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और भगवान का आशीर्वाद लें।

किसी जरूरतमंद को भोजन या वस्त्र दान करें।

परिवार और मित्रों के साथ समय बिताएं और उनके साथ खुशियां बांटें।

पुरानी गलतियों से सीख लें और नए संकल्पों के साथ साल की शुरुआत करें।

नये साल को बनाएं यादगार।

सपने में देखा हाथी!

क्या यह जीवन में आने वाली ढेर सारी खुशियों का है संकेत

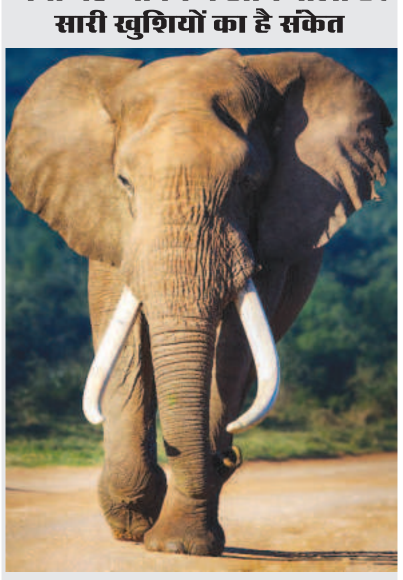

सपनों में दिखने वाली चीजें हमारी जिंदगी पर असर डाल सकती हैं। कई बार हम सपने में किसी जानवर जैसे हाथी को देखते हैं। जिसके बाद मन में सवाल आता है कि उसका क्या मतलब हो सकता है? वैसे तो हाथी का सपना शुभ माना जाता है और यह जीवन में खुशियों, शांति और समृद्धि का संकेत देता है। हालांकि हाथी पर सवारी, हाथियों का जोड़ा, झूलता हुआ हाथी या हाथियों का झुंड देखना का अलग-अलग मतलब होता है,

धन और सौभाग्य का प्रतीक: बता दें कि हाथी का सपना आमतौर पर शुभ माना जाता है। यह संकेत देता है कि जल्द ही आपके जीवन में खुशियां और शांति आने वाली हैं।

हाथी पर सवारी करना: यह आपके करियर में प्रमोशन या व्यापार में सफलता का संकेत है। यह जीवन में ऊंचे पद को दर्शाता है।

एरावत हाथी को देखना: बता दें कि इस तरह का सपना देखना महत्वपूर्ण उपलब्धियों और सामाजिक सम्मान का प्रतीक है। यह आपके क्षेत्र या काम में उन्नति का संकेत देता है।

हाथियों का जोड़ा देखना: यह शादीशुदा जीवन में खुशी और शुभ संकेत है। बता दें कि यह रिश्तों में संतुलन और आपसी समझ को दर्शाता है।

गर्भवती महिला का हाथी देखना: यह संकेत देता है कि बच्चा भाग्यशाली होगा और सौभाग्य लाएगा।

झूलता हुआ हाथी: अगर आपने झूलता हुआ हाथी देखा तो इसका मतलब हो सकता है कि आपकी वर्तमान समस्या और चुनौतियों का शीघ्र समाधान हो सकता है।

हाथियों का झुंड देखना: अगर आपने हाथियों का झुंड देखा है तो इसका मतलब हो सकता है कि आपको आर्थिक रूप से फायता हो सकता है।

खड़ा हुआ हाथी: यह आपके प्रयासों में संभावित अड़चनों के बारे में चेतावनी देता है। यह कठिन समय में अकेला महसूस करने का भी संकेत हो सकता है।

हथेली के बीच दिखने वाले ये निशान व्यक्ति को बनाते हैं भाग्यशाली, कैसा पड़ता है प्रभाव

हाथों में हथेलियों पर बनी उल्टी सीधी लाइनों के बीच कई ऐसे निशान मौजूद होते हैं, जो व्यक्ति के भाग्य को दर्शातें हैं। रेखाओं के बीच स्थित ये निशान शुभ और अशुभ से लेकर भाग्यशाली होने का संकेत देते हैं। कई निशान ऐसे होते हैं, जो कुछ ही लोगों की हथेली के बीच में होते हैं। ये व्यक्ति को भाग्यशाली होने का संकेत देते हैं। अगर आपके भी हथेली के बीच ये निशान मौजूद हैं तो समझ लें कि आपके पास धन की कमी नहीं होगी। ये लोग निश्चित रूप से धनवान और भाग्यवान होते हैं। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, हथेलियों की रेखा के बीच बने निशान कई शुभ योग बनाते हैं। अगर किसी व्यक्ति के हाथ में गज का निशान है तो ऐसे व्यक्ति बहुत ही बुद्धिमान होते हैं। ऐसे लोग किस्मत के धनी होते हैं। ये खूब पैसा कमाते हैं। आइए जानते हैं हथेलियों में मिलने वाले निशान और इनसे मिलने वाला संकेत

मछली का निशान

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसान, अगर किसी व्यक्ति की हथेली में मछली का निशान मौजूद हैं तो इसे बेहद शुभ माना जाता है। इसका अर्थ है कि व्यक्ति अलग अलग देशों में यात्रा करेगा। ऐसे व्यक्ति के पास जीवन में धन की कभी कमी नहीं होती। यह लोग जीवन में सुख संपत्ति पाते हैं।

पालकी का निशान

जिन लोगों की हथेली के बीच पालकी का निशान होता है। वह बहुत ही भाग्यशाली माने जाते हैं। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, ये लोग जीवन में हर ऐश्वर्य को प्राप्त करते हैं। इनके पास सभी तरह की सुख सुविधाएं होती हैं। इनके पास अपार धन संपत्ति होती है। जीवन में कभी भी पैसों की परेशानी नहीं झेलनी पड़ती।

हथेलियों में स्वास्तिक का निशान

हथेलियों के बीच स्थिति स्वास्तिक का निशान बेहद शुभ होता है। ऐसे व्यक्ति बहुत ही भाग्यशाली होते हैं। ये एक अच्छे शिक्षक और बहुत ही बुद्धिमान होते हैं। इन्हें समाज में मान सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त होती है। यह जीवन में कोई बड़ा पद प्राप्त करते हैं।

कलश का निशान

किसी भी व्यक्ति के हथेलियों के बीच कलश का निशान भी बेहद शुभ होता है। ऐसे लोग धार्मिक प्रवृत्ति के होते हैं। ये खूब पूजा पाठ करने वाले होते हैं। ऐसे लोगों का धर्म अध्यात्म में काफी ध्यान होता है। धार्मिक यात्राएं करते हैं।

हथेलियों में जहाज का निशान

अगर किसी व्यक्ति के हाथ में जहाज का निशान होता है तो ऐसा व्यक्ति बहुत ही भाग्यवान होता है। इनके पास धन धान्य की कमी नहीं होगी। ऐसे लोगों का समुद्र पार देशों में काफी अच्छा व्यापार होगा।

पावरफुल हैं इन 3 तरह के आटे से बने दीए

दरिद्रता दूर करने में कारगर, किस समस्या के लिए कौन सा दीपक जलाएं

सनातन धर्म में किसी भी देवी-देवता की पूजा के समय दीया बेहद जरूरी है। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ता है। इसलिए ज्यादातर लोग मिट्टी के दीया जलाते हैं। लेकिन, आपको बता दें कि, आटे से बने दीपक अधिक शुभ माने जाते हैं। आटे के दीपक को बेहद पवित्र और शुद्ध माना गया है। लेकिन, इससे भी ज्यादा जरूरी जानना ये है कि आप किस समस्या के लिए किस चीज से बना दीया जला रहे हैं। क्योंकि, मिट्टी-आटा इन दोनों प्रकार के दीपक जलाने का अलग-अलग महत्व है। अब सवाल है कि कौन से आटे का दीपक जलाना सबसे उत्तम होता है? क्या है दीपक जलाने का महत्व है?

किस समस्या में जलाएं गेहूं के आटे से बना दीया

यदि आप किसी वाद विवाद जैसी समस्याओं में उलझ जाते हैं, या उलझे हुए हैं, और इससे छुटकारा पाना चाहते हैं। तो पूजा करने के दौरान गेहूं के आटे का दीपक जलाना आपके लिए बेहद शुभ होगा। ऐसा करने से आपको वाद विवाद जैसी समस्याओं से छुटकारा मिल जाएगा।

किस समस्या में जलाएं मूंग के आटे से बना दीया

ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, घर की सुख शांति को बनाए रखने और घर से दरिद्रता को दूर करने के लिए पूजन के दौरान मूंग के आटे का दीपक जलाना चाहिए। ऐसा करने से घर में सुख शांति आती है और दरिद्रता दूर होती है। साथ ही घर में सामंजस्य पैदा होता है।

किस समस्या में जलाएं उड़द के आटे से बना दीया

विद्वानों की मानें तो, यदि आप अपने शत्रुओं से परेशान हैं, और उनसे छुटकारा पाना चाहते हैं। तो पूजा पाठ के दौरान उड़द के आटे का दीपक जलाना आपके लिए बेहद शुभ होगा। ऐसा करने से आप अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर सकते हैं।

दीपक जलाने के नियम और विधि

ज्योतिषाचार्य बताते हैं, यदि आपकी कोई मनोकामना है, और आप उसे पूरा करना चाहते हैं। तो आटे का दीपक बढ़ते क्रम या फिर घटते क्रम में जलाएं। इसे आप एक से 11 दिन तक जला सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार एक दीपक से शुरुआत करते हुए 11 दीपक तक जला सकते हैं। अगर आप घटते क्रम में दीपक जला रहे हैं तो पहले दिन 11 दीपक जलाएं और फिर ऐसा करते हुए आख़िरी दिन एक दीपक जलाएं।

हमेशा धन-दौलत में होगी वृद्धि, जान लें करेंसी नोटों का भी वास्तु शास्त्र

पैसे से जुड़ी हर चीज़ का अपना एक विशेष महत्व है। अगर आप चाहते हैं कि आपकी धन-संपत्ति में लगातार बढ़ोत्तरी हो, तो सिर्फ काम में मेहनत ही नहीं, बल्कि वास्तु शास्त्र के कुछ सरल नियमों का पालन करना भी जरूरी है। खासकर, करेंसी नोटों को सही तरीके से रखना और उनका इस्तेमाल सही दिशा में करना आपकी आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकता है। इसके लिए कुछ खास उपाय आपकी मदद कर सकते हैं,

दिशा का रखें ध्यान

वास्तु शास्त्र के अनुसार, जब भी आप नए करेंसी नोट घर लाएं, तो उन्हें उत्तर दिशा की ओर रखें। उत्तर दिशा को कुबेर की दिशा माना जाता है और कुबेर देव को धन के देवता के रूप में पूजा जाता है। यदि आप अपने पैसे को इस दिशा में रखेंगे, तो यह आपके धन-संचय को बढ़ाएगा और आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। साथ ही, यह भी ध्यान रखें कि करेंसी नोटों को किसी प्रकार के विवाद, बीमारी या कोर्ट के कागजात के साथ न रखें, क्योंकि इससे धन की ऊर्जा नकारात्मक हो सकती है और पैसे की कमी हो सकती है।

भूलकर भी न करें ये गलती

पैसे को लेकर कुछ और जरूरी बातें भी हैं जिन्हें वास्तु शास्त्र में बताया गया है। उदाहरण के लिए, कभी भी नोटों को गिनते समय थूक का इस्तेमाल न करें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी का अपमान होता है और धन का प्रवाह रुक सकता है। इसी तरह, पैसों को पैंट की पिछली जेब में रखने से भी बचना चाहिए, क्योंकि इससे धन का अपमान होता है।

यहां न रखें पैसे

कभी भी गद्दे के नीचे पैसे न रखें और न ही उस पर सोने का प्रयास करें। साथ ही, यदि आपको किसी से कर्ज लेना पड़े, तो रविवार और मंगलवार जैसे दिन से बचें। इन दिनों ऋण लेने से व्यक्ति हमेशा कर्ज में फंसा रहता है। वहीं, बुधवार को कर्ज लेने से अच्छा होता है, क्योंकि यह दिन वित्तीय मामलों के लिए शुभ माना जाता है।

गेम चेंजर से कियारा की साउथ डेब्यू पर सबकी निगाहें

ग्लोबल स्टार राम चरण की फिल्म 'गेम चेंजर' ने प्रशंसकों को लंबे समय तक इंतजार कराया है। फिल्म निर्माण और रिलीज की तारीखों में कई देरी के बाद, फैंस 10 जनवरी, 2024 को संक्रांति के मौके पर बिग स्क्रीन पर देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म को सेंसर बोर्ड से हरी झंडी भी मिल गई है। इसके साथ ही फैंस का उत्साह भी सातवें आसमान पर पहुंच गया है।

इस दिन रिलीज होगा ट्रेलर

फिल्म का ट्रेलर आज रिलीज होने वाला है। यह घोषणा निर्माता दिल राजू ने अमेरिका में आयोजित एक प्री-रिलीज इवेंट के दौरान की, जहां उन्होंने फिल्म के आगामी लॉन्च के बारे में उत्साह साझा किया। ट्रेलर लगभग 2 मिनट और 45 सेकंड लंबा होने की उम्मीद है। दिल राजू ने कहा, "अमेरिका में सफल आयोजन करने के बाद, हम तेलुगु राज्यों में एक बड़ा आयोजन करना चाहते थे, जिसमें आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण गरु मुख्य अतिथि हों।" उन्होंने यह भी कहा कि राम चरण की फिल्म में यह आयोजन इतिहास रच सकता है।

सेंसर बोर्ड से मिली हरी झंडी

रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म ने अपनी सेंसरशिप औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं, और फैंस को फिल्म का दूसरा भाग और एक्साइटेड करता सकता है। इसमें इंटरवल के दौरान एक हाई-ऑक्टेन ट्रेन सीक्वेंस शामिल है। सेंसर बोर्ड ने फिल्म को U/A सर्टिफिकेट दिया है, जिसकी अवधि लगभग 2 घंटे और 45 मिनट है। निर्माताओं की ओर से आधिकारिक घोषणा का बेसब्री से इंतजार है।

इन सितारों से सजी है फिल्म

फिल्म में राम चरण और कियारा आडवाणी के अलावा एसजे सूर्या, अंजलि, समुथिरकानी, श्रीकांत और जयराम मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा राम चरण RC16 नाम की एक और फिल्म पर भी काम कर रहे हैं। इसका निर्देशन बुची बाबू सना कर रहे हैं। इस फिल्म में अभिनेता के साथ जान्हवी कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

'मैं प्यार को लेकर किसी की नहीं सुनती' कृति सेनन

कुछ दिन पहले कृति सेनन को बिजनेस मैन कबीर बहिया के साथ क्रिसमस सेलिब्रेट करते हुए देखा गया। सेलिब्रेशन की ये तस्वीरें कृति ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर भी साझा कीं। हाल ही में एक कृति रणवीर इलाहाबादिया के पॉडकास्ट पर नजर आईं। इस पॉडकास्ट में उन्होंने करियर, पर्सनल लाइफ पर काफी सारी बातें कीं। साथ ही प्यार को लेकर भी काफी कुछ कहा।

कृति का प्यार को लेकर नजरिया

रणवीर इलाहाबादिया ने अपने पॉडकास्ट में कृति सेनन से पहले क्रश के बारे में सवाल किया? तो वह बोली- 'प्यार को लेकर मैं सिर्फ अपनी सुनती हूं, इस मामले में मैं किसी की नहीं सुनती हूं।' वह पॉडकास्ट में आगे अपने पहले स्कूल क्रश के बारे में भी बताती हैं।

जब पहली बार हुआ प्यार

कृति सेनन बताती हैं कि जब ग्यारहवीं क्लास में रही होंगी, तब उन्हें पहला क्रश हुआ था। वह लड़का काफी लंबा था, उस पर अकसर ही कृति की नजर चली जाती थी। दोनों एक-दूसरे को पसंद करते थे। वह लड़का कृति की मम्मी के फोन पर कॉल किया करता था। इस बात को मम्मी से छुपाना कृति के लिए काफी मुश्किल होता था। अपने पहले क्रश को याद करके, कृति सेनन पॉडकास्ट पर काफी मुस्कुरा भी रही थीं।

फिर जब टूट गया दिल

आगे चलकर कृति का पहले क्रश के साथ रिलेशनशिप टूट गया। पॉडकास्ट में कृति ने यह भी बताया कि ब्रेकअप होने पर वह रोई भी थी। बाद में उन्हें अहसास हुआ कि यह प्यार नहीं था, बस एक क्रश जैसा था।

एक्टिंग के साथ प्रोडक्शन में उतर चुकी हैं

कृति सेनन ने इस साल तीन फिल्मों में अभिनय किया, जिसमें 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया', 'क्रू' और 'दो पत्ती' शामिल रहीं। फिल्म 'दो पत्ती' में एक्टिंग करने के साथ कृति सेनन ने इसे प्रोड्यूस भी किया। आगे भी वह अपने प्रोडक्शन हाउस तले अलग-अलग तरह की फिल्में प्रोड्यूस करना चाहती हैं।

अपने प्रोडक्शन हाउस तले अलग-अलग तरह की फिल्में प्रोड्यूस करना चाहती हैं कृति

'साल 2024, मैं तुमसे नफरत नहीं करती लेकिन तुम बहुत मुश्किल रहे', मलाइका अरोड़ा ने बीते साल को लेकर कही अपनी बात

मलाइका अरोड़ा साल 2024 में अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहीं। पहले उनका अर्जुन कपूर से ब्रेकअप हुआ फिर अभिनेत्री के पिता का निधन हो गया। सोशल मीडिया पर मलाइका ने एक पोस्ट कर बताया कि उनका साल काफी कठिन रहा।

साल 2024 को लेकर साझा किए अपने विचार

अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से मलाइका अरोड़ा ने पोस्ट साझा की है। उन्होंने बताया कि ये साल उनके लिए कितना मुश्किल रहा। पोस्ट साझा कर मलाइका ने लिखा- साल 2024, मैं तुमसे नफरत नहीं करती लेकिन तुम बहुत मुश्किल रहे। बहुत सी चुनौतियां, बहुत सारे बदलाव और बहुत सारी सीख। तुमने मुझे दिखाया कि जीवन कैसे बदलता है। पलक झपकते ही जीवन में कितने बदलाव आ जाते हैं। मुझे लगता है मुझे खुद पर और भरोसा करना चाहिए। इस साल ने मुझे बताया कि मेरी मानसिक, शारीरिक और इमोशनल हेल्थ मेरे लिए कितनी जरूरी है।

ऐसा सोचती हैं मलाइका

पोस्ट में लिखा, इस दौरान और भी बहुत सारी चीजें हैं, जिन्हें मुझे समझना होगा लेकिन मुझे लगता है, समय के साथ चीजें और समझ में आने लगेंगी। चीजों के होने की कुछ न कुछ वजह होती है, मैं इस बात को पूरी तरह से मानती हूं।

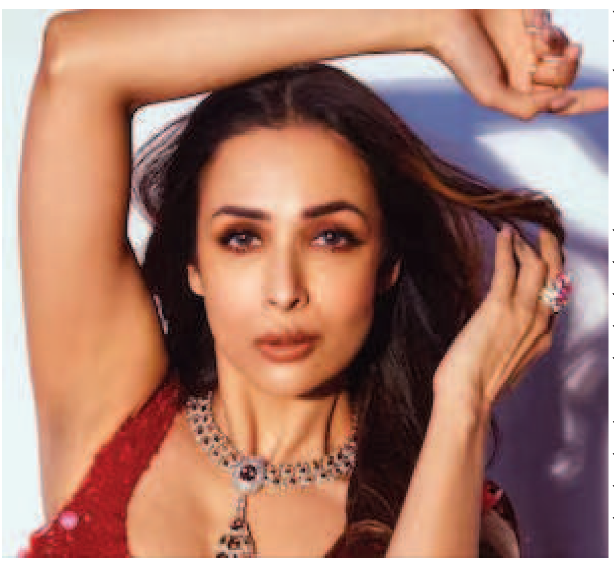

उतार-चढ़ाव भरा रहा साल 2024

बता दें कि मलाइका और अर्जुन कपूर ने काफी समय तक एक दूसरे को डेट किया। दोनों ने साथ में कई सारी तस्वीरें भी साझा की। वहीं, मई में खबरें आईं कि दोनों ने अपने रास्ते बदल लिए हैं। वे नहीं चाहते थे कि उनके रिश्ते को लेकर कोई बात करे। ब्रेकअप की खबरों के बीच ही अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा के पिता अनिल मेहता का निधन हो गया। इस दौरान बॉलीवुड के कई बड़े सितारों को मलाइका के घर जाकर उनसे मिलते देखा गया।

इन शो में नजर आई मलाइका

मलाइका अरोड़ा की वर्कफ्रंट की बात करें तो वे रियलिटी शो 'मूविंग इन विद मलाइका' में देखा गया था। वहीं, अर्जुन कपूर को सिंघम अगेन में डेंजर लंका के किरदार में देखा जाएगा।

शाहरुख-सुहाना-नव्या-शनाया के साथ जश्न पर बोलीं अनन्या पांडे, मन्नत में पार्टियों की बात ही निराली

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे ने बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान के घर मन्नत में उनकी बेटी सुहाना खान, नव्या नंदा और शनाया कपूर के साथ आफ्टर पार्टियों के बारे में खुलकर बात की और बताया क्यों खास हैं मन्नत की पार्टियां।

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे, शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान के साथ बहुत अच्छी बॉन्डिंग शेयर करती हैं। दरअसल, अनन्या, सुहाना, नव्या नवेली नंदा और शनाया कपूर बचपन की दोस्त हैं और अक्सर साथ में समय बिताते और पार्टी करती रहती हैं। अब, हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अनन्या ने शाहरुख खान के घर मन्नत में होने वाली पार्टियों की झलक दिखाई, जिसमें उन्होंने खुलासा किया कि सबसे अच्छी पार्टियां वो होती हैं जो मन्नत में उनकी बेस्ट फ्रेंड सुहाना, नव्या और शनाया के साथ वह एंजॉय करती हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान चंकी पांडे की बेटी और बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे से जब शाहरुख खान के मुंबई स्थित आलीशान घर मन्नत में हुई

पार्टियों के बारे में पूछा गया तो इस पर उन्होंने कहा कि सुहाना, शाहरुख, शनाया और नव्या के साथ मन्नत में पार्टी के बाद के पलों को वह कभी भुला नहीं सकतीं, जहां वे अक्सर साथ-साथ घूमते थे, बर्गर खाते थे और गॉसिप करते थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आगे अनन्या ने कहा, "सबसे अच्छी पार्टियां वो होती हैं जो मन्नत में खत्म होती हैं, जब पार्टी के बाद मैं, सुहाना, शाहरुख सर, शनाया और नव्या, हम वापस जाते हैं, बैठते हैं, अपने बर्गर खाते हैं और रात भर जो कुछ हुआ उस पर चर्चा करते हैं और कभी-कभी हम नाचना जारी रखते हैं और वो सबसे अच्छी पार्टियां होती हैं। आफ्टर पार्टिया। अनन्या ने इस दौरान किंग खान की भी तारीफ की और कहा, वह (एसआरके) जिस तरह के हैं और जिस तरह से वह अपने आस-पास के लोगों को महसूस कराते हैं। सिर्फ परिवार ही नहीं बल्कि वह जिस किसी व्यक्ति के संपर्क में आते हैं। मुझे लगता है कि यह बहुत ही अनोखा अनुभव है। मैं एक दिन उनका एक प्रतिशत भी बन जाऊं तो काफी है। काम की बात करें तो अनन्या पांडे को आखिरी बार विक्रमादित्य मोटवानी की स्क्रीनलाइफ थ्रिलर 'CTRL' में विहान सामत के साथ देखा गया था। अनन्या के पास 2025 के लिए कई रोमांचक प्रोजेक्ट हैं। उनमें से एक सी. शंकरन नायर के जीवन पर आधारित एक अनटाइटल्ड फिल्म है, जिसमें वह अक्षय कुमार और आर. माधवन के साथ नजर आएंगी।

इसके अलावा, धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित लक्ष्य के साथ रोमांटिक ड्रामा चांद मेरा दिल का भी उनकी आगामी फिल्मों में शामिल है। वहीं, शाहरुख खान अपनी बेटी सुहाना खान के साथ सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित फिल्म 'किंग' में स्क्रीन स्पेस करेंगे। इस फिल्म में किंग और सुहाना के अलावा अभिषेक बच्चन भी नजर आएंगे।

नए साल में हनी सिंह का धमाका शहनाज के साथ लेकर आएंगे नये गाने में

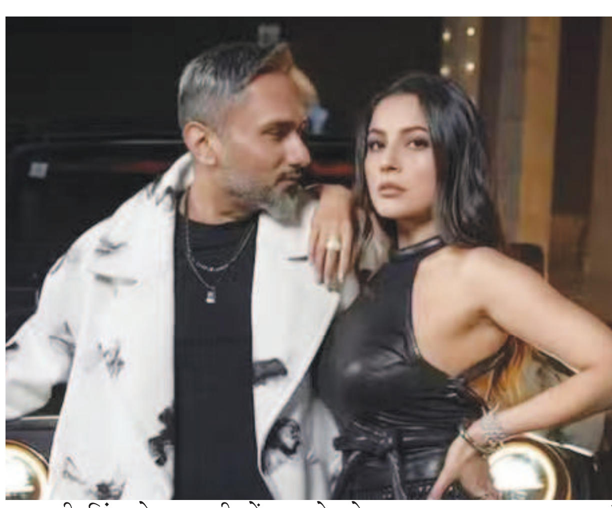

इसके साथ रैपर ने कहा कि शीशे वाली चुन्नी, फैंस की मांग पर जल्द ही आने वाली है। इसमें टैलेंट्स अभिनेत्री शहनाज गिल भी होने वाली हैं। एक ब्लॉकबस्टर हरियाणवी गाने के लिए पूरी तरह से तैयार हो जाएं। हनी सिंह के फैंस ने उनके आगामी गाने को लेकर काफी उत्साह दिखाया और कमेंट सेक्शन में खूब सारी तारीफें भी कर दी। एक यूजर ने लिखा, 'कौन कह रहा है कि कमबैक नहीं हो रहा है।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'हनी पाजी आपके गाने सुनकर दिन बन जाता है।' एक और यूजर ने लिखा, 'यह सच में एपिक होने वाला है।'

हनी सिंह ने हाल ही में, अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक तस्वीर साझा की है। इसके साथ रैपर ने कहा कि शीशे वाली चुन्नी, फैंस की मांग पर जल्द ही आने वाली है। हनी सिंह ने हाल ही में, अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक तस्वीर साझा की है। इसके साथ रैपर ने कहा कि शीशे वाली चुन्नी, फैंस की मांग पर जल्द ही आने वाली है।

हनी सिंह किसी भी परिचय के मोहताज नहीं हैं। वह देश के मशहूर रैपर, गायक और संगीत निर्माता हैं। उन्होंने अपने गानों से लगातार लोगों का मनोरंजन किया है। भारतीय संगीत की दुनिया में रैप को लाने में उनका एक अहम योगदान रहा है। अब बनी सिंह पंजाब की कैटरीना शहनाज गिल के साथ एक नया गाना लाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। रैपर के फैंस भी उनके इस गाने को लेकर काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं।

हनी सिंह ने हाल ही में, अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक तस्वीर साझा की है।

शहनाज का दिखा जलवा

शहनाज गिल के फैंस इस खबर को सुनकर काफी ज्यादा एक्साइटेड हो गए हैं। कई लोगों का कहना है कि शहनाज अब धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपनी जगह बना रही हैं। पिछले दिनों शहनाज का गाना 'सात समंदर' भी काफी हिट हुआ था। अभिनेत्री ने यह आइटम सॉन्ग राजकुमार राव की फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' के लिए किया था, जिसके लिए उनकी खूब प्रशंसा भी हुई थी। बता दें कि 'किसी का भाई किसी की जान' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली अभिनेत्री शहनाज गिल ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'इक कुड़ी' की घोषणा की है। यह फिल्म 13 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कीर्ति सुरेश को 'बेबी जॉन' के लिए सामंथा ने की थी सिफारिश

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन और साउथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश पहली बार फिल्म बेबी जॉन में स्क्रीन शेयर करते नजर आए। वैसे तो यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पा रही है, लेकिन इस फिल्म को जिसकी रीमेक बनाया गया यानी थेरी ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की थी। बेबी जॉन की अभिनेत्री कीर्ति ने खुलासा किया की उन्हें इस फिल्म के लिए किसी खास शख्स ने रिकमेंड किया था और इस फिल्म को लेकर वह डरी हुई थीं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान, कीर्ति सुरेश ने खुलासा किया है कि सामंथा रूथ प्रभु ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म बेबी जॉन के लिए उनकी सिफारिश की थी। यह फिल्म एटली की तमिल ब्लॉकबस्टर थेरी की रीमेक है, जिसमें मूल रूप से दलपति विजय और सामंथा रुथ प्रभु ने मुख्य भूमिका निभाई थी। बेबी जॉन में, कीर्ति ने वह भूमिका निभाई जो मूल रूप से सामंथा ने निभाई थी।

एक इंटरव्यू के दौरान बेबी जॉन के लिए कीर्ति ने उनका नाम सुझाने के लिए सामंथा के प्रति आभार व्यक्त किया। कीर्ति ने कहा, ₹जब यह हो रहा था, तब शायद वह मेरे बारे में सोच रही थी। यही बात वरुण धवन ने मुझे बताई थी। मैं इसके लिए जितना भी आभारी रहूं, कम है। सामंथा ने कहा कि 'कीर्ति इस किरदार को बखूबी निभा पाएगी।' आगे कीर्ति ने कहा, "तमिल में थेरी में उनका अभिनय मेरे पसंदीदा में से एक है। ईमानदारी से कहूं तो मैं इस फिल्म को लेकर बहुत डरी हुई थी।

आगे कीर्ति ने कहा, मुझे याद है कि उन्होंने जब बेबी जॉन का ट्रेलर देखने के बाद इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की थी, जिसमें उन्होंने लिखा था, 'मैं इसे किसी और के साथ शेयर नहीं करती, लेकिन आपके साथ करती।' यह बहुत प्यारा था और मेरे लिए बहुत मायने रखता था। मैं इससे बेहतर बॉलीवुड डेब्यू की उम्मीद नहीं कर सकती थी। यह उन किरदारों में से एक है, जिन्हें मैं वाकई पसंद करती हूं और मुझे खुशी है कि मुझे इसे हिंदी में निभाने का मौका मिला।

बेबी जॉन कीर्ति सुरेश की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म है। भले ही फिल्म दर्शकों को प्रभावित करने में विफल रही हो, लेकिन कलीज निर्देशित इस फिल्म में कीर्ति सुरेश के अभिनय को कई लोगों ने काफी पसंद किया है। फिल्म में कीर्ति ने मीरा का किरदार निभाया है।

इस बीच, निजी जीवन की बात करें तो कीर्ति सुरेश ने हाल ही में अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड एंटनी से शादी की है। 12 दिसंबर को दोनों ने गोवा में पारंपरिक दक्षिण भारतीय तरीके से शादी की। समारोह की तस्वीरें और वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए। एंटनी एक व्यवसायी हैं जो दुबई और अपने गृहनगर कोच्चि, केरल से काम करते हैं। इन दोनों की शादी में दलपति विजय भी शामिल हुए थे।

2025 से शादीशुदा जीवन में आएंगी दोगुनी खुशियां, नए साल पर पार्टनर से करें ये वादे

नया साल उम्मीदों का साल होता है। हर कोई उम्मीद करता है कि आने वाला साल खुशियां लाएगा और उन्नति के मार्ग खोलेगा। इसके लिए लोग भी नए साल में ज्यादा मेहनत करने, बेहतर स्वास्थ्य, सफल करियर और खुशहाल जीवन के लिए प्रयास करने का संकल्प करते हैं। नए साल की शुरुआत में लोग कुछ संकल्प लेते हैं जो उन्हें अपने लक्ष्य को पाने के लिए प्रेरित करते हैं। हालांकि नया साल सिर्फ संकल्पों का नहीं, बल्कि रिश्तों को और मजबूत करने का समय होता है।

किसी भी व्यक्ति के जीवन में खुशहाली तब ही संभव है जो उनके रिश्तों या पारिवारिक जीवन में प्यार व विश्वास बना रहें। शादीशुदा जीवन में तो प्यार व विश्वास को बनाए रखना अधिक जरूरी होता है, जिसके लिए दोनों पार्टनर को कुछ प्रयास करने होते हैं। शादीशुदा जीवन में विवाद चल रहा हो, पार्टनर से अक्सर लड़ाई झगड़े होते हों या फिर शादीशुदा जीवन में खुशियों को दोगुना करना हो, पार्टनर के साथ कुछ खास वादे नए साल की शुरुआत में ही कर लें। ये वादे आपके रिश्ते में प्यार, भरोसे और सम्मान को मजबूत बनाएं।

एक-दूसरे को समय देने का वादा

भागदौड़ भरी जिंदगी में अक्सर कपल्स एक-दूसरे के लिए समय निकालना भूल जाते हैं। वह इतना व्यस्त हो जाते हैं कि पार्टनर के साथ पर्याप्त समय नहीं बिताते। जिससे उनके बीच संवाद की कमी होती है और आपका साथी रिश्ते में अकेलापन महसूस करने लगता है। 2025 में रिश्ते को मजबूत और खुशहाल बनाना चाहते हैं तो एक-दूसरे से वादा करें कि चाहे आप कितना भी व्यस्त क्यों न हों, हर दिन कम से कम 30 मिनट एक-दूसरे के साथ बिताएंगे। ये यम सिर्फ आपके पार्टनर का होगा। इस दौरान मोबाइल, टीवी या दफ्तर की टेंशन को दूर रखेंगे। अब चाहे वो सुबह की चाय हो या रात की सैर, साथ में बिताया गया ये समय रिश्ते में ताजगी ला सकता है।

संवाद और समझ बढ़ाने का वादा

जब रिश्ते में छोटी-छोटी गलतफहमियां बड़ी होने लगती हैं तो कपल के बीच मनमुटाव होने लगते हैं। दो लोगों के बीच गलतफहमी होने का कारण होता है कि संवाद की कमी और भावनाओं को अपने पार्टनर से छुपाना। ऐसे में सामने वाला साथी समझ ही नहीं पाता कि आप क्या चाहते हैं और वह गलतफहमी का शिकार हो जाता है। कई बार पार्टनर की भावनाओं को नजरअंदाज करने से भी गलतफहमी बढ़ जाती है। नए साल में यह वादा करें कि आप एक दूसरे की भावनाओं को खुलकर समझेंगे और अपने दिल की बात बिना किसी झिझक के साझा करेंगे। साथ ही ये भी वादा करें कि आप साथी की बात भी ध्यान से सुनेंगे और हर समस्या का मिलकर हल निकालेंगे। पार्टनर की कही गई बातों को शिकायत न समझकर परेशानी समझेंगे ताकि उसे मिलकर सुलझा सकें। खुलकर बात करना किसी भी रिश्ते की नींव को मजबूत करता है।

सेहत और खुशहाली का वादा

परिवार की खुशियां अच्छी सेहत पर भी निर्भर करती है। 2025 में एक दूसरे की सेहत का ख्याल रखने का वादा करें। स्वस्थ मन और शरीर रिश्ते को भी स्वस्थ बनाते हैं। अपने और पार्टनर के लिए मिलकर फिटनेस गोल सेट करें। साथ में टहलने जाएं, एक्सरसाइज करें। पौष्टिक खाना खाएं और एक दूसरे को स्वस्थ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करें। हालांकि ये मिलकर तय करें। पार्टनर को प्रोत्साहित करें, उन पर दबाव न बनाएं। यह न सिर्फ आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाएगा बल्कि आपसी प्यार को भी बढ़ाएगा।

एक दूसरे की ग्रोथ या सपनों के समर्थन का वादा

व्यक्तिगत तौर पर पार्टनर का खुश और संतुष्ट होना जरूरी है। ऐसा संभव है अगर रिश्ते में व्यक्तिगत स्पेस और सम्मान बना हो। आपके साथी के कुछ सपने हो सकते हैं। शादी के बाद पार्टनर के सपनों को अपना सपना बनाएं। उनके करियर और सपनों को सपोर्ट करें। नए साल में वादा करें कि आप अपने साथी के फैसलों का सम्मान करेंगे। उनकी व्यक्तिगत रुचियों, शौक और सपनों को पूरा करने से रोकेंगे नहीं, बल्कि साथ देंगे। पार्टनर की सफलता में उनकी ताकत बनेगें।

छोटी-छोटी खुशियां सेलिब्रेट करने का वादा

रिश्ते में रोमांस बनाए रखने के लिए बड़े अवसरों के साथ ही रोजमर्रा की छोटी खुशियों को सेलिब्रेट करना भी जरूरी है। आपके छोटे- छोटे प्रयास पार्टनर को महसूस कराएंगे कि आप इस रिश्ते में खुश हैं और साथी को भी खुश करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए कोई बड़ा तोहफा देने की जरूरत नहीं, बल्कि छोटी सी तारीफ, एक प्यारा सा नोट या मैसेज, कभी-कभी पार्टनर की पसंदीदा चीज लाकर देना, बीच-बीच में बाहर घूमने जाना या एक दूसरे को सरप्राइज देना है।

इससे आपका रिश्ता बोरिंग और निरस नहीं होता, बल्कि आपके बीच वही प्यार बना रहता है जो शादी के शुरुआती दिनों में अक्सर कपल्स के बीच देखने को मिल जाता है। इसलिए पार्टनर से वादा करें कि आप रिश्ते में खुशियां बनाए रखने के लिए ऐसे प्रयास करते रहेंगे।

हर माता-पिता को साल 2025 में खुद से करने चाहिए ये पांच वादे, संवरेगा बच्चे का भविष्य

नया साल आ गया है। साल की शुरुआत जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की उम्मीद लेकर आती है। लोग नए साल पर संकल्प लेते हैं। नववर्ष पर संकल्प लेने की परंपरा आत्म विकास, आत्मचिंतन और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है। ऐसे में खुद से किए गए वादे आपको अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं। आप अपने करियर, स्वास्थ्य, जीवन में बेहतर करने के साथ ही परिवार की खुशहाली के लिए खुद से कुछ वादे कर सकते हैं।

यह माता-पिता के लिए भी खास मौका है कि वे अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए कुछ सकारात्मक संकल्प लें। बच्चों की परवरिश में माता-पिता की भूमिका सबसे अहम होती है। नए साल के साथ ही माता-पिता की जिम्मेदारी भी ज्यादा हो गई है। बच्चे परवरिश को लेकर हर माता-पिता को कुछ वादे खुद से करने चाहिए ताकि उनका बच्चा बेहतर इंसान बन सके।

बच्चों को वक्त देंगे

हर बच्चे को अच्छे संस्कार, शिक्षा के लिए माता-पिता के ध्यान और परवाह की जरूरत होती है। हालांकि आज के दौर में एकल परिवार और माता व पिता दोनों के वर्किंग होने के कारण बच्चों को अभिभावकों का उतना वक्त नहीं मिल पाता, जितना उन्हें मिलना चाहिए। अभिभावक बच्चों का परवरिश के लिए ज्यादा समय नहीं दे पाते। साल 2025 में बच्चे के जीवन में सकारात्मक बदलाव की चाह रखते हैं तो अभिभावक खुद से वादा करें कि इस साल आप बच्चों के साथ अधिक समय बिताएंगे। बच्चों को आपके साथ की जरूरत होती है। उनके साथ खेलें, पढ़ाई में मदद करें और उनके विचारों को सुनें। इससे आपके और बच्चों के बीच मजबूत रिश्ता बनेगा और वे ज्यादा आत्मविश्वासी बनेंगे।

सकारात्मक उदाहरण पेश करेंगे

आमतौर पर बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने माता-पिता को करते हुए देखते हैं। इस साल संकल्प लें कि आप बच्चों के सामने एक अच्छा उदाहरण पेश करेंगे। अनुशासन, ईमानदारी और दया जैसे गुणों को अपने व्यवहार में शामिल करें ताकि आपका बच्चा भी देखादेखी इन गुणों को अपनाएं और बेहतर इंसान बन सकें।

डिजिटल समय सीमित करेंगे

आजकल बच्चे स्क्रीन यानी टीवी, मोबाइल या लैपटॉप के सामने ज्यादा समय बिताते हैं। खुद अभिभावक दिन का अधिकतम वक्त मोबाइल के इस्तेमाल में व्यय करते हैं। इस वर्ष की शुरुआत इस वादे से करें कि आप खुद भी फोन और टीवी का कम इस्तेमाल करेंगे और बच्चों को भी सीमित समय के लिए डिजिटल डिवाइस का उपयोग करने देंगे। उन्हें आउटडोर एक्टिविटी और किताबों की ओर प्रोत्साहित करें।

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखेंगे

अभिभावक 2025 के लिए संकल्प लें कि बच्चे को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। नियमित व्यायाम, योग और संतुलित आहार को दिनचर्या का हिस्सा बनाएंगे। बच्चे के शारीरीक विकास के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देंगे। इन वादों को निभाकर न सिर्फ आप बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएंगे, बल्कि परिवार के साथ आपके रिश्ते भी मजबूत होंगे।

बच्चों की भावनाओं को समझेंगे

बच्चों की भावनाओं को समझना और उनका सम्मान करना बहुत जरूरी है। इस साल वादा करें कि आप उनके विचारों और भावनाओं को समझने की कोशिश करेंगे। इससे बच्चे खुलकर आपसे बात करेंगे और उनके मानसिक विकास में मदद मिलेगी।

सर्दियों में आसानी से बनाएं आलू कचालू चाट

जो लोग पढ़ाई या नौकरी के लिए घर से दूर किसी दूसरे शहर में रहते हैं, जिन लोगों को खाना बनाना नहीं आता है, वो आसान कई ऐसी डिश बना सकते हैं जो काफी आसानी से तैयार हो सकती हैं। हालांकि सर्दियों में खाना बनाने में काफी आलस आता है।

सर्दियों में अधिक देर रसोई में समय बिताए बिना आसानी से लजीज डिश बनाना चाहते हैं तो यहां आपको एक स्वादिष्ट व्यंजन की रेसिपी बताई जा रही है। खास बात ये है कि इसे वो लोग भी बना सकते हैं, जिन्हें खाना बनाना बिल्कुल नहीं आता। आइए जानते हैं सर्दियों में मिनटों में बनने वाली आसान डिश और उसकी रेसिपी के बारे में।

सर्दियों में आसानी से बनाएं आलू कचालू चाट

आलू कचालू चाट एक झटपट बनने वाली डिश है जिसका स्वाद में लाजवाब होता है। इसे बनाने के लिए बहुत ही कम सामग्री की जरूरत होती है। साथ ही समय और मेहनत भी कम लगती है। घर पर अकेले रहने वाले लोग या घर से दूर रहने वाले बैचलर्स के पास आलू जरूर होना चाहिए। सर्दियों में आलू उबालकर हमेशा रखें ताकि भूख लगने पर झटपट तैयार होने वाले स्नैक्स बनाए जा सकें। यहां आलू कचालू की रेसिपी दी जा रही है।

आलू कचालू चाट के लिए सामग्री

चार उबले हुए आलू, एक बारीक कटा टमाटर, एक बारीक कटा प्याज, एक बारीक कटी हरी मिर्च, एक चम्मच नींबू का रस, बारीक कटा हरा धनिया, एक छोटा चम्मच चाट मसाला, एक छोटा चम्मच भुना जीरा पाउडर, आधा छोटा चम्मच काली मिर्च, काला नमक स्वादानुसार। मीठी चटनी या हरी चटनी का उपयोग भी कर सकते हैं पर ये पूरी तरह से वैकल्पिक है।

आलू कचालू चाट बनाने की विधि

स्टेप 1- उबले हुए आलू को छीलकर उन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें।

स्टेप 2- कटे हुए आलू में बारीक कटा प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और हरा धनिया डालें।

स्टेप 3- ऊपर से चाट मसाला, भुना जीरा पाउडर, काली मिर्च पाउडर, काला नमक छिड़कें।

स्टेप 4- एक चम्मच नींबू का रस डालकर सभी सामग्रियों को अच्छी तरह से चाट में मिला लें।

स्टेप 5- अगर आपके पास हरी या मीठी चटनी है तो वो भी ऊपर से डालकर हल्के हाथ से मिलाएं ताकि आलू टूटे न या भरता ना बन पाएं।

चाट को परोसते समय ऊपर से कुरकुरे पापड़, मठरी डालें। इससे आलू कचालू चाट का स्वाद अधिक बढ़ जाता है। ये बच्चों से लेकर बड़ो तक सभी को पसंद आता है। आप इसे चाय के साथ भी खा सकते हैं। सेव या बूंदी भी मिला सकते हैं।

बच्चों को व्यस्त रखने के लिए अगर आप भी थमा देते हैं मोबाइल तो जान लीजिए इसके गंभीर नुकसान

मोबाइल-कंप्यूटर और टेलीविजन जैसे स्क्रीन्स से हम सभी दिनभर किसी न किसी तरह से घिरे ही रहते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि स्क्रीन पर बढ़ता आपका ये समय सेहत को कई प्रकार से गंभीर नुकसान पहुंचाने वाला हो सकता है? कई अध्ययन इसको लेकर गंभीर चिंता जताते रहे हैं कि बढ़ा हुआ स्क्रीन टाइम शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत को नुकसान पहुंचाने वाला हो सकता है। विशेषतौर पर बच्चों में बढ़ते स्क्रीन टाइम को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने गंभीर चिंता व्यक्त की है।

अगर आप भी अपने बच्चे को व्यस्त रखने के लिए मोबाइल थमा देते हैं तो सावधान हो जाइए। जाने-अनजाने आपकी ये एक आदत बच्चे की सेहत को बहुत नुकसान पहुंचाने वाली हो सकती है।

एक नए अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि जो माता-पिता अपने बच्चे को बिजी रखने के लिए डिजिटल डमी का उपयोग करते हैं, उन बच्चों में समय के साथ मानसिक और शारीरिक बीमारियों का खतरा अन्य बच्चों की तुलना में काफी अधिक हो सकता है।

प्रीस्कूल-आयु के बच्चों में देखे गए दुष्प्रभाव

वैज्ञानिकों की टीम ने एक हालिया अध्ययन में पाया है कि बहुत ज्यादा स्क्रीन टाइम प्रीस्कूल-आयु (3-4 साल) के बच्चों में नींद की गुणवत्ता को कम कर सकता है। शोध के अनुसार, लैपटॉप, टैबलेट या स्मार्टफोन के सामने बच्चों का बीतने वाला अधिक समय उनमें एकाग्रता की समस्या और अस्थिर मनोदशा जैसी दिक्कतों का भी कारण बन सकती है। इसके अलावा बढ़े हुए स्क्रीन टाइम के कारण बच्चों की संज्ञानात्मक क्षमता में कमी के भी मामले देखे जा रहे हैं जो उनके जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाली हो सकती है।

अर्ली चाइल्ड डेवलपमेंट एंड केयर जर्नल में प्रकाशित शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि बच्चों को स्वस्थ रखने और भविष्य में उन्हें कई प्रकार की गंभीर समस्याओं से बचाने के लिए स्क्रीन टाइम को कम करना सबसे जरूरी हो गया है।

अध्ययन में क्या पता चला?

बच्चों की सेहत पर बढ़े हुए स्क्रीनटाइम के दुष्प्रभावों को जानने के लिए कनाडा और चीन के वैज्ञानिकों ने विस्तृत शोध किया। वैज्ञानिकों ने पाया कि स्क्रीनटाइम बढ़ने के कारण नींद तो प्रभावित होती ही है साथ ही इसके कारण दीर्घकालिक तौर पर हाइपरएक्टिव अटेंशन प्रॉब्लम यानी एकाग्रता बनाए रखने में दिक्कत, संज्ञानात्मक समस्याओं के बढ़ने की दिक्कत देखी गई है।

शंघाई नॉर्मल यूनिवर्सिटी से प्रीस्कूल शिक्षा के विशेषज्ञ और अध्ययन के लेखक प्रोफेसर यान ली कहते हैं, हमारे परिणाम संकेत देते हैं कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम प्रीस्कूल बच्चों के दिमाग को उत्तेजित अवस्था में ले आता है जिससे नींद की गुणवत्ता और इसकी अवधि दोनों खराब हो सकती है।

संज्ञानात्मक कौशल में गिरावट

स्क्रीनटाइम का बढ़ना बच्चों के सोचने, समझने और समस्याओं को हल करने की क्षमता पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। नतीजतन किसी काम पर बच्चों का ध्यान लंबे समय तक केंद्रित नहीं रह पाता।

इसको लेकर जर्नल ऑफ अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन में प्रकाशित एक अन्य शोध से पता चलता है कि जिन बच्चों के दिन का 2 घंटे से अधिक समय स्क्रीन्स के सामने बीतता है उन बच्चों के भाषा और सोचने की क्षमता में कमी आ सकती है। कैनेडियन पब्लिक हेल्थ सर्वे की रिपोर्ट में ऐसे बच्चों में स्कूल के प्रदर्शन में गिरावट की भी दिक्कत देखी गई।

क्या है सलाह?

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के विशेषज्ञ 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए दिन में एक घंटे से अधिक स्क्रीनटाइम को हानिकारक बताया है। विशेषज्ञों ने कहा बढ़ा हुआ स्क्रीनटाइम बच्चों में अवसाद और चिंता की समस्या को भी बढ़ाता जा रहा है। सभी माता-पिता को सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चे का स्क्रीन पर समय कम से कम बीते।

स्क्रीन टाइम कम करने के लिए माता-पिता बच्चों के साथ गुणवत्ता समय बिताएं और उन्हें आउटडोर गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करें। भविष्य को स्वस्थ बनाने के लिए ये प्रयास मौजूदा समय की जरूरत हैं।

न ओवन-ना तंदूर, गैस पर इस तरह आसानी से बनाएं बाटी-चोखा

यहां आपको गैस-चूल्हे पर बाटी बनाने का आसान तरीका बताया जा रहा है। गैस पर बाटी बनाना काफी आसान है और इसका स्वाद भी तंदूरी बाटी जैसा ही होता है। आइए जानते हैं स्टेप-बाय-स्टेप बाटी बनाने की विधि।

लिट्टी चोखा बिहार और उत्तर प्रदेश का पारंपरिक व्यंजन है। इसे कुछ जगहों पर बाटी-चोखा भी कहा जाता है। ये झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी काफी लोकप्रिय है। भारत ही नहीं नेपाल में भी लिट्टी चोखा खाया जाता है।

बाटी या लिट्टी आटे की लोई होती है, जिसके अंदर सत्तू, बेसन आदि का भरावन होता है। इस गोलाकार लोई को चूल्हे पर, तंदूर पर बनाया जाता है। हालांकि अधिकतर घरों के आधुनिक किचन में चूल्हा या तंदूर नहीं मिलता है। ऐसे में बाटी को लोग ओवन या एयरफ्रायर में बनाते हैं। अगर आपके पास ओवन या एयरफ्रायर भी नहीं है तो घर के गैस चूल्हे पर भी बाटी बनाई जा सकती है। यहां आपको गैस-चूल्हे पर बाटी बनाने का आसान तरीका बताया जा रहा है। गैस पर बाटी बनाना काफी आसान है और इसका स्वाद भी तंदूरी बाटी जैसा ही होता है। आइए जानते हैं स्टेप-बाय-स्टेप बाटी बनाने की विधि।

सामग्री

दो कप गेहूं का आटा, दो बड़े चम्मच सूजी, चार चम्मच घी, नमक, बेकिंग पाउडर, हींग, जीरा, पानी, घी।

बाटी बनाने की आसान विधि

स्टेप 1- एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा, सूजी, नमक, हींग और जीरा डालकर मिला लें। चार बड़े चम्मच घी के डालकर अच्छी तरह से मिला लें।

स्टेप 2- थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए सख्त आटा गूथ लें और गूथे हुए आटे को 15-20 मिनट ढककर रख दें।

स्टेप 3- बाटी बनाने के लिए छोटे-छोटे आकार की लोइयां लेकर गोल बना लें। हल्के हाथों से गोलों को हल्का चपटा करें। ध्यान रखें कि इसमें कोई दरार न आए।

बाटी बनाने के लिए फिलिंग का तरीका वैसा ही रखें जैसे ओवन और तंदूर में होता है। आप सत्तू भी बाटी में भर सकते हैं। स्टेप 4- गैस पर बाटी सेंकने के लिए तवा या जाली (ग्रिल स्टैंड) का उपयोग करते हुए तवे को गैस पर रखकर गर्म करें। इसमें बाटियों को रखें और धीमी आंच पर सेंके।

स्टेप 5- तीन-चार मिनट में बाटियों को पलटते रहें ताकि वे चारों ओर से अच्छी तरह से सिक जाएं। जब बाटियां सुनहरी और क्रिस्पी हो जाएं तो हटा लें।

नये साल के दिन परिवारवालों को बनाकर खिलाएं गाजर का हलवा

नया साल आ गया है। इसलिए हर कोई इसके लिए काफी उत्साहित होता है। नए साल के स्वागत के लिए बहुत से लोग 1 जनवरी को पार्टी करते हैं, तो वहीं बहुत से लोग पार्टी का आयोजन करते हैं। परिवार के साथ रहने वाले ज्यादातर लोग अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करना पसंद करते हैं। ऐसे में यदि आपका भी कुछ ऐसा ही प्लान है तो अपने परिवार के लिए कुछ खास कर सकते हैं।

नये साल को खास बनाने के लिए अपने परिवार के लिए गाजर का हलवा तैयार करें। यहां हम आपको गाजर का हलवा बनाने की ऐसी विधि बताने जा रहे हैं, जिसको फॉलो करके आप एकदम हलवाई के जैसा हलवा बना सकते हैं।

हलवा बनाने का सामान

- गाजरः 1 किलो
- मावा (खोया): 200 ग्राम
- दूधः 1 लीटर
- घीः 4-5 बड़े चम्मच
- चीनीः 200-250 ग्राम
- इलायची पाउडरः 1 चम्मच
- सूखे मेवेः काजू, बादाम, किशमिश

हलवा बनाने की विधि

हलवा बनाने के लिए सबसे पहले गाजर को अच्छी तरह धोकर छील लें और उसे कद्दूकस कर लें। इसके बाद एक भारी तले वाली कड़ाही में कद्दूकस की हुई गाजर डालें। इसमें दूध मिलाएं और मध्यम आंच पर पकाएं। समय-समय पर हिलाते रहें ताकि गाजर तले में चिपके नहीं। जब दूध गाढ़ा होकर गाजर में समा जाए, तब तक पकाएं। इसके बाद इसमें घी डालें और अच्छी तरह मिलाते हुए गाजर को धीमी आंच पर भूनें। इसके बाद मावा (खोया) डालें और इसे अच्छी तरह गाजर के साथ मिक्स करें। आखिर में इस हलवे में चीनी डालें और इसे अच्छे से मिलाएं। चीनी डालने के बाद मिश्रण थोड़ा पतला हो जाएगा, लेकिन पकने पर यह फिर से गाढ़ा हो जाएगा।

इसके बाद इसमें इलायची पाउडर और सूखे मेवे (काजू, बादाम, किशमिश) डालकर हलवे को अच्छी तरह मिलाएं। गाजर का हलवा तब तक भूनें जब तक वह घी छोड़ने न लगे। हलवे को गर्मागर्म परोसें और ऊपर से सूखे मेवे से सजाएं।

कैसे बनेगा अमेरिका ग्रेट अगेन? डिफेंस और हेल्थ से ज्यादा ब्याज चुकाने में जा रहा पैसा

नई दिल्ली,31 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में फिर से राष्ट्रपति बनने जा रहे डोनाल्ड ट्रंप ने अपने देश को फिर से महान बनाने का वादा किया है। लेकिन देश का बढ़ता हुआ कर्ज इसमें सबसे बड़ी बाधा है। अभी अमेरिका की फेडरल गवर्नमेंट का कर्ज 36 ट्रिलियन डॉलर के पार चला गया है।

हालत यह हो गई है कि इस कर्ज का ब्याज चुकाने में जो पैसा जा रहा है, वह देश के डिफेंस और हेल्थ बजट से भी ज्यादा है। अब केवल सोशिल सिक्योरिटी का बजट ही इंटरेस्ट अमाउंट से ज्यादा रह गया है। यह हाल रहा तो अगले तीन साल में अमेरिकी सरकार की सबसे बड़ी लायबिलिटी इंटरेस्ट हो जाएगा। पिछले 12 महीनों के दौरान अमेरिका की इंटरेस्ट कॉस्ट 1.15 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया जो देश के डिफेंस और हेल्थ बजट से 300 अरब डॉलर अधिक है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक देश का कुल कर्ज 36 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच गया है जो देश की जीडीपी का करीब 125% है। ब्यूरो ऑफ इकनॉमिक एनालिसिस के आकंड़ों के मुताबिक अमेरिकी सरकार के रेवेन्यू का 18% हिस्सा केवल कर्ज का ब्याज चुकाने में जा रहा है। यह 30 साल में सबसे ज्यादा है। अमेरिका का कर्ज पिछले 24 साल में छह गुना बढ़ा है।

कैसे घटेगा खर्च?

अमेरिका सरकार का फेडरल बजट $6.75 ट्रिलियन है जिसमें सोशल सिक्योरिटी, मेडिकेयर और हेल्थकेयर की आधी हिस्सेदारी है। देश में कर्ज के ब्याज की राशि मेडिकेयर और डिफेंस स्पेंडिंग से ज्यादा हो चुका है। अब केवल सोशल सिक्योरिटी का बजट ही इससे अधिक रह गया है। अमेरिका में 7.3 करोड़ लोगों को सोशल सिक्योरिटी मिलती है। अगर देश का कर्ज रोजाना 6.3 अरब डॉलर बढ़ रहा है। अमेरिका के हर नागरिक पर 108,000 डॉलर का कर्ज है। ट्रंप ने सरकारी खर्चों में कटौती करने और सरकार की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए एक नया विभाग डिपार्टमेंट ऑफ गवर्मेंट एफिशिएंसी बनाने की घोषणा की है। इसकी कमान दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क और भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी को दी गई है। मस्क ने ट्रंप के लिए चुनाव प्रचार करते हुए कहा था कि वह सरकारी बजट में अरबों डॉलर की बचत कर सकते हैं। अब उन्होंने सरकारी खर्च में कटौती की बात कही है। इसमें पब्लिक ब्रॉडकास्टिंग और गर्भपात अधिकार समूहों को दी जाने वाली राशि शामिल है।

शेयर मार्केट से 1.21 लाख करोड़ रुपये निकालकर चीन भागे विदेशी निवेशक 10 साल में दूसरा सबसे खराब साल

नई दिल्ली,31 दिसंबर (एजेंसियां)। इस साल शेयर मार्केट में जबरदस्त गिरावट रही। ऐसे कई मौके आए जब सेंसेक्स 1000 अंक से ज्यादा गिरा। मार्केट में गिरावट का सबसे बड़ा कारण विदेशी निवेशकों की निकासी रही। इस साल विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर मार्केट से 1,20,598 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। इन विदेशी निवेशकों ने इस रकम को चीन की शेयर मार्केट में लगाया। दस साल में ऐसा दूसरी बार हुआ है जब विदेशी निवेशकों ने इतनी बड़ी मात्रा में भारतीय शेयर मार्केट से रकम निकाली है।

चीन की तरफ रुख करने का सबसे बड़ा कारण चीनी सरकार का आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज रहा। चीन ने अपनी धीमी होती अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए कई बार प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की थी। इससे विदेशी निवेशकों का चीन की अर्थव्यवस्था में विश्वास बढ़ा और उन्होंने भारतीय शेयर मार्केट से पैसा निकालकर चीन की मार्केट में लगा दिया।

ये कारण भी रहे निकासी के

चीन के प्रोत्साहन पैकेज के अलावा और भी कारणों से विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर मार्केट से पैसा निकाला।

इनमें भारतीय शेयर मार्केट की हाई वैल्यूएशन, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि और दूसरी तिमाही की आय में कमी प्रमुख कारण रहे।

घरेलू निवेशकों ने संभाली कुछ स्थिति

एक तरफ जहां विदेशी निवेशकों ने बड़ी मात्रा में पैसा निकाला तो वहीं घरेलू निवेशकों ने बड़ी रकम निवेश की। एक्सिस सिक्योरिटीज के फंडामेंटल और क्वांटिटेटिव रिसर्च के प्रमुख नीरज चड्डावर ने कहा कि साल 2024 में घरेलू निवेशकों ने 60 बिलियन डॉलर (करीब 5.13 लाख करोड़ रुपये) से अधिक का निवेश किया, जिससे बाजारों में तेजी आई।

सेंसेक्स 109 अंक गिरकर 78,139 पर बंद : निफ्टी 23,644 पर क्लोज, आईटी सेक्टर में सबसे ज्यादा बिकवाली

मुंबई,31 दिसंबर (एजेंसियां)। साल के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी 31 दिसंबर को सेंसेक्स 109 अंक की गिरावट के साथ 78,139 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी बिना किसी बदलाव के 23,644 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 16 में तेजी और 14 में गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 28 में तेजी और 22 में गिरावट रही। एनएसई सेक्टोरल इंडेक्स में आईटी सेक्टर सबसे ज्यादा 1.44% की गिरावट के साथ बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी गिरावट रही

इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस और एचडीएफसी बैंक ने बाजार को नीचे गिराया। जबकि, कोटक महिंद्रा, आईटीसी और रिलायंस ने सेंसेक्स को ऊपर खींचा। एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 0.96% और कोरिया के कोस्पी में 0.22% की गिरावट है। वहीं, चीन का शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स 1.63% की गिरावट के साथ बंद हुआ। एनएसई के डेटा के अनुसार, 30 दिसंबर को विदेशी निवेशकों (एफआईआईएस) ने 1,893.16 करोड़ के शेयर बेचे। इस दौरान घरेलू निवेशकों (डीआईआईएस) ने 2,173.86 करोड़ के शेयर खरीदे। 30 दिसंबर को अमेरिका का डाओ जोंस 0.97% गिरावट के साथ 42,573 पर बंद हुआ। एस एंड पी 500 इंडेक्स 1.07% की गिरावट के साथ 5,906 और नैस्डैक 1.19% गिरकर 19,486 के स्तर पर बंद हुआ। इंडो फार्म इक्विपमेंट का आईपीओ आज ओपन हुआ इंडो फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ आज ओपन हो गया है। निवेशक इस इश्यू के लिए 2 जनवरी तक बिडिंग कर सकते हैं। 7 जनवरी को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट होंगे।

कल गिरावट के साथ बंद हुआ था बाजार

इससे पहले कल यानी 30 दिसंबर को सेंसेक्स 450 अंक की गिरावट के साथ 78,248 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 168 अंक की गिरावट रही, ये 23,640 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 में गिरावट और 8 में तेजी थी। निफ्टी के 50 शेयरों में से 38 में गिरावट और 11 में तेजी थी। वहीं, एक शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ था। एनएसई सेक्टोरल इंडेक्स में मीडिया, ऑटो, मेटल और पीएसयू बैंक 1% से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद हुए थे।

वर्क-लाइफ बैंलेंस पर गौतम अडाणी ने कहा- 'बीवी भाग जाएगी'

घर पर 8 घंटे रहना काफी, नारायण मूर्ति ने कहा था- युवाओं को बहुत मेहनत करनी होगी

नई दिल्ली,31 दिसंबर (एजेंसियां)। वर्क-लाइफ बैलेंस पर गौतम अडाणी ने कहा है कि संतुलन तब महसूस होता है जब कोई व्यक्ति वह काम करता है जो उसे पसंद है। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति यह स्वीकार कर लेता है कि उसे कभी ना कभी जाना है, तो उसका जीवन आसान हो जाता है। एक न्यूज एजेंसी से बातचीत में अडानी ने कहा, 'आपका वर्क-लाइफ बैलेंस मेरे ऊपर थोपा नहीं जाना चाहिए और मेरा आप पर नहीं थोपा जाना चाहिए। मान लीजिए, कोई व्यक्ति अपने परिवार के साथ चार घंटे बिताता है और उसमें आनंद पाता है, या कोई अन्य व्यक्ति आठ घंटे बिताता है और उसमें आनंद लेता है, तो यह उसका बैलेंस है। 'अडाणी ने कहा कि वर्क लाइफ बैलेंस व्यक्ति और उसके चाहने वालों के ऊपर डिपेंड करता है। गौतम अडाणी का यह बयान इंफोसिस के फाउंडर नारायण मूर्ति के सप्ताह में 70 घंटे काम करने वाले डिबेट के बीच आया है।इंफोसिस के चेयरमैन नारायण मूर्ति ने हाल ही में 70 घंटे वर्क कल्चर पर कहा था, 'इंफोसिस में मैंने कहा था, हम दुनिया के टॉप कंपनियों के साथ अपनी तुलना करेंगे। मैं तो आपको बता सकता हूं कि हम भारतीयों के पास करने के लिए बहुत कुछ है। हमें अपने एस्पिरेशन ऊंची रखनी होंगी क्योंकि 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिलता है। इसका मतलब है कि 80 करोड़ भारतीय गरीबी में हैं। अगर हम कड़ी मेहनत करना नहीं चाहते, तो कौन करेगा कड़ी मेहनत?'इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति ने हफ्ते में 70 घंटे काम करने वाले अपने विवादास्पद बयान का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति के लिए कड़ी मेहनत बहुत जरूरी है। सीएनबीसी ग्लोबल लीडरशिप समिट में मूर्ति ने कहा - मुझे खेद है, मैंने अपना दृष्टिकोण नहीं बदला है। मैं इसे अपने साथ कब्र तक ले जाऊंगा। उन्होंने कहा कि वह 1986 में भारत के 6 दिन वर्किंग वीक से 5 दिन वीक के बदलाव से निराश थे। भारत के विकास के लिए त्याग की आवश्यकता है, न कि आराम की।

मुकेश अंबानी ने 5 साल में की 13 अरब डालर की खरीदारी

नई दिल्ली,31 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने पिछले 5 साल में न्यू एनर्जी, टेलीकॉम, रिटेल और मीडिया बिजनस में कई कंपनियों को खरीदा है। इन पर कंपनी ने कुल 13 अरब डॉलर यानी करीब 11,13,32,63,45,300 रुपये खर्च किए हैं। इसमें से रिलायंस ने 14% एक्विजिशन न्यू एनर्जी में, 48% टेक्नोलॉजी, मीडिया और टेलीकॉम में, 9 फीसदी रिटेल में और तेजी से बढ़ते हेल्थकेयर सेक्टर में किया है। टाटा ग्रुप के बाद रिलायंस देश का दूसरा सबसे बड़ा औद्योगिक घराना है। मॉर्गन स्टेनली की एक रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस ने पिछले 5 साल में 6 अरब डॉलर मीडिया और एजुकेशन बिजनस की कंपनियों और एसेट्स के अधिग्रहण में और 2.6 अरब डॉलर टेलीकॉम और इंटरनेट वर्टिकल में निवेश किया। रिलायंस ने न्यू एनर्जी अधिग्रहण पर 1.7 अरब डॉलर और रिटेल सेक्टर में 1.14 अरब डॉलर खर्च किए। पिछले 5 साल में आरआईएल का सबसे बड़ा अधिग्रहण हैथवे केबल और डेटाकॉम लिमिटेड का रहा। कंपनी ने इसे 98.1 करोड़ डॉलर में खरीदा।

डायनॉस्टिक्स पोर्टफोलियो

इसी तरह उसने नॉर्वे की सौर पैनल मेकर कंपनी आरईसी सोलर होल्डिंग्स को खरीदने पर 77.1 करोड़ डॉलर और सर्च और डेटाबेस फर्म जस्टडायल को खरीदने पर 76.7 करोड़ डॉलर खर्च किए। रिलायंस ने पिछले हफ्ते कार्किनोस हेल्थकेयर में 100% हिस्सेदारी हासिल की।

कंपनी इससे पहले एचएजीआई नेटमेड्स और स्ट्रैंड लाइफ साइंस में निवेश कर चुकी है। इस तरह रिलायंस ने अपने डायनॉस्टिक्स एंड हेल्थकेयर ईकोसिस्टम में अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया है।

खाने की चीजों से अधिक यहां पर खर्च कर रहा इंडिया

60 फीसदी के पार पहुंचा आंकड़ा

नई दिल्ली,31 दिसंबर (एजेंसियां)। खाने पीने यानी फूड आइटम्स से ज्यादा देश के लोग नॉन फूड आइटम्स पर ज्यादा खर्च हो रहा है। खासकर शहरों में नॉन फूड आइटम्स पर खर्च 60 फीसदी से ऊपर है। जबकि गांवों में ये आंकड़ा 50 फीसदी से ऊपर देखने को मिल रहा है।वास्तव में इस तरह के चौंकाने वाले आंकड़े घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षणः 2023-24 में देखने को मिले हैं। सरकार की इस रिपोर्ट में अगस्त 2023 से जुलाई 2024 तक के आंकड़े दिए गए हैं। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर इस रिपोर्ट में और किस तरह की जानकारी दी गई है। नॉन फूड प्रोडक्ट्स पर खर्च के तहत बेहद चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। भले ही शहर में नॉन फूड प्रोडक्ट्स पर खर्च 60 फीसदी से ज्यादा देखने को मिला है। लेकिन वो खर्च पिछले साल के मुकाबले मामूली रूप से कम है। आंकड़ों के अनुसार साल 2023-24 में शहरों में खर्च 60.32 फीसदी देखने को मिला जो साल 2022-2023 में 60.83 फीसदी देखने को मिला था। जबकि ग्रामीण इलाकों में भी मामूली गिरावट देखने को मिली है। गांवों में साल 2022-23 में जो खर्च 53.62 फीसदी देखने को मिला था वो साल 2023-24 में कम होकर 52.96 फीसदी पर आ गया। खास बात तो ये है कि नॉन फूड प्रोडक्ट्स पर गांव में एक व्यक्ति ने एक महीने में औसतन 2,183 रुपए खर्च किए हैं। जबकि शहर में रहने एक व्यक्ति का महीने का खर्च 4,220 रुपए देखने को मिला।ग्रामीण भारत में, जिन नॉन फूड आइटम्स पर ज्यादा खर्च हो रहा है उसमें ट्रांसपोर्ट (7.59 फीसदी) सबसे ज्यादा है। वहीं मेडिकल में 6.83 फीसदी देखने को मिला है। कपड़े, बिस्तर और जूते पर गांव के लोग 6.63 फीसदी खर्च कर रहे हैं। जबकि टिकाऊ सामान पर गांवों के लोग 6.48 फीसदी खर्च कर रहे हैं। विविध सामान और मनोरंजन पर 6.22 फीसदी गांवों में खर्च किया जा रहा है।

अफगानिस्तान में किसी के पास नहीं है क्रेडिट कार्ड

कनाडा में 83% लोग करते हैं यूज, भारत में 4.62 फीसदी

नई दिल्ली,31 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में क्रेडिट कार्ड का यूज करने वालों की तादाद बढ़ती जा रही है लेकिन अब भी हमारे यहां करीब 5 फीसदी आबादी ही इसका इस्तेमाल करती है। क्रेडिट कार्ड यूजर्स के हिसाब से भारत दुनिया के कई देशों से पीछे है। लेकिन दुनिया में एक ऐसा भी देश है जहां कोई भी क्रेडिट कार्ड का यूज नहीं करता है। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक तालिबान के शासन वाले देश अफगानिस्तान में कोई भी क्रेडिट कार्ड का यूज नहीं करता है। वहीं पाकिस्तान में 0.22%, बांग्लादेश में 0.62%, इंडोनेशिया में 1.6%, नाइजीरिया में 1.61% और मिस्र में 2.80% लोग क्रेडिट कार्ड का यूज करते हैं। भारत में 4.62 फीसदी लोग क्रेडिट कार्ड का यूज करते हैं। कनाडा में सबसे ज्यादा 82.74 फीसदी लोग क्रेडिट कार्ड का यूज करते हैं। इसके बाद इजरायल (79.05%), आइसलैंड (74%), हॉन्ग कॉन्ग (71.63%), जापान (69.66%), स्विट्जरलैंड (69.21%), साउथ कोरिया (68.44%), नॉर्वे (66.74%), अमेरिका (66.7%) और फिनलैंड (65.74%) का नंबर है। ताइवान में 63.77 फीसदी, यूके में 62.11 फीसदी, ऑस्ट्रिया में 58.99 फीसदी, डेनमार्क में 58.5 फीसदी, इटली में 57.88 फीसदी और स्पेन में 56.61 फीसदी लोग क्रेडिट कार्ड का यूज करते हैं।जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया में 50% से अधिक लोग क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। ईरान, फिलीपींस, साउथ अफ्रीका, कोलंबिया हंगरी, वेनेजुएला, कजाकस्तान, थाईलैंड, पोलैंड, रूस, सऊदी अरब, यूएई, अर्जेंटीना, तुर्की, यूक्रेन नीदरलैंड, चीन, पुर्तगाल, फ्रांस, ब्राजील, सिंगापुर और स्वीडन में 50% से कम लोग क्रेडिट कार्ड का यूज करते हैं। अमेरिका में इस साल के पहले नौ महीनों के दौरान क्रेडिट कार्ड डिफॉल्ट 46 अरब डॉलर पहुंच चुका है जो साल 2010 के बाद सबसे ज्यादा है।पिछले साल की तुलना में इसमें 50 फीसदी तेजी आई है।

एलपीजी से लेकर यूपीआई तक आज से बदल जाएंगे 10 नियम, आपकी जेब पर क्या पड़ेगा असर

नई दिल्ली,31 दिसंबर (एजेंसियां)। कल एक जनवरी है। कल से साल 2025 शुरू हो जाएगा। इसी के साथ कई नियम भी बदल जाएंगे। इसमें एलपीजी से लेकर जीएसटी और यूपीआई तक शामिल हैं। इन नियमों के बारे में आपको पता होना चाहिए। क्योंकि इन नियमों में बदलाव सीधे आपकी जेब पर असर डालेंगे। हालांकि कई नियम हर महीने की पहली तारीख को बदलते हैं। लेकिन इस बार पहली तारीख से कुछ और नियमों में बदलाव हो रहा है। जानें एक जनवरी से हो रहे 10 प्रमुख बदलावों के बारे में:

एलपीजी सिलेंडर की कीमत

हर महीने की पहली तारीख को ऑयल कंपनियां एलपीजी सिलेंडर की कीमतों को रिवाइज्ड करती हैं। इसमें घरेलू और कमर्शियल दोनों तरह के सिलेंडर शामिल होते हैं। इस दौरान कंपनियां एलपीजी सिलेंडर की कीमत बढ़ा भी सकती हैं और कम भी कर सकती हैं। कई बार कंपनियों कीमत में कोई बदलाव भी नहीं करतीं।

जीएसटी नियम में बदलाव

एक जनवरी से जीएसटी से जुड़े कई नियमों में बदलाव होने जा रहा है। इसमें मल्टी फैक्टर ऑथेंटिकेशन भी शामिल है। यह प्रक्रिया उन सभी टैक्सपेयर्स पर लागू होगी जो जीएसटी फाइल करते हैं। इसका उद्देश्य जीएसटी फाइलिंग प्रक्रिया को और सुरक्षित बनाना है।

किसी भी बैंक से पेंशन

ईपीएफओ ने एक जनवरी से पेंशन का नियम आसान बना दिया है। एक जनवरी से कर्मचारी अपनी पेंशन की रकम किसी भी बैंक से निकाल सकेंगे। इसके लिए उन्हें किसी भी अतिरिक्त सत्यापन की जरूरत नहीं होगी। इस नए नियम से पेंशन की रकम निकालना काफी आसान होगा।

यूपीआई 123वेतन पर बढ़ी लिमिट

वे यूजर्स जो स्मार्टफोन इस्तेमाल नहीं करते, वे अपने बेसिक या फीचर फोन से भी बैंक अकाउंट से पैसा ट्रांसफर कर सकते हैं। इसकी लिमिट पहले 5 हजार रुपये थी। एक जनवरी से इसे बढ़ाकर 10 हजार रुपये कर दिया गया है। अब लोग ज्यादा रकम का ट्रांजेक्शन कर सकेंगे।

किसानों को मिलेगा ज्यादा लोन

एक जनवरी से किसानों को अब बिना गारंटी के दो लाख रुपये तक का लोन मिल सकेगा। रिजर्व बैंक ने हाल ही में इसके बारे में घोषणा की थी। रिजर्व बैंक ने कहा था कि किसानों दिए जाने वाले लोन की सीमा को 1.60 लाख रुपये से बढ़ाकर 2 लाख रुपये किया जाता है।

बढ़ेंगी कार की कीमतें

एक जनवरी से कार खरीदना महंगा हो सकता है। कार कंपनियां जैसे मारुति सुजुकी, हुंडई, महिंद्रा, होंडा, बीएमडब्ल्यू आदि कीमत बढ़ाने पर विचार कर रही हैं। माना जा रहा है कि एक जनवरी से कार की कीमत फीसदी तक ज्यादा हो सकती है।

साल के आखिरी दिन सोने-चांदी में गिरावट

सोना 159 रुपए कम होकर 76045 रुपए पर आया, चांदी 85680 रुपए किलो बिक रही

नई दिल्ली,31 दिसंबर (एजेंसियां)। साल के आखिरी दिन यानी आज, 31 दिसंबर को सोने-चांदी के दाम में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 159 रुपए घटकर 76,045 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोने की कीमत 76,194 रुपए प्रति दस ग्राम थी। चांदी का भाव भी आज 1,495 रुपए कम होकर 85,680 रुपए पर आ गया है। इससे पहले चांदी 87,175 रुपए प्रति किलोग्राम थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,710 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,560 रुपए है।

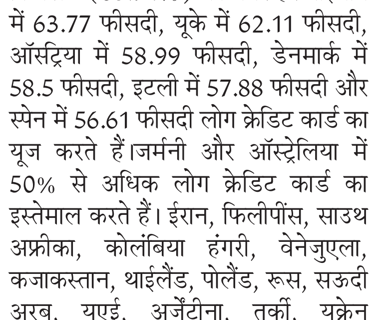

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 71,100 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,560 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,560 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,610 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 77,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 71,100 रुपये है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	धनु	मे
चंद्र-	मकर	मे
मंगल	कर्क	मे
बुध-	वृश्चिक	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	कुंभ	मे
शनि-	कुंभ	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय	
धनु----	05-37 बजे
मकर...	07-43 बजे
कुंभ -	09-34 बजे
मीन-	11-12 बजे
मेष---	12-48 बजे
वृष---	14-33 बजे
मिथुन	16-34 बजे
कर्क...	18-46 बजे
सिंह---	20-58 बजे
कन्या---	23-05 बजे
तुला----	01-10 बजे
वृश्चिक...	03-20 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायणे • ऋतु • शिशिर
महावीर निर्वाण संवत •2051,हिजरी सन् •1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-50
सूर्यास्त. - 17-49
कलियुग संवत् •5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् •1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल •• उत्तर • धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया . 02-24 तक उपरान्त तृतीया
मास • पौष शुक्ल ,बुधवार 01 January
नक्षत्र • उत्तराषाढ़ा 23-45 तक उपरान्त श्रवण
योग • व्याघात 17-06 तक उप हर्षण
करण- बालव 14-55 तक उप कौलव
विशेष:-
व्रत •त्योहार • नूतन ईस्वी सन 2025 प्रा.

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:20 से 13:43 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06:50 - 08:11	शुभ	उत्पात	17:49 - 19:29	अशुभ
अमृत	08:11 - 09:34	शुभ	शुभ.	19:29 - 21:06	शुभ
काल	09:34 - 10:57	अशुभ	अमृत	21:06 - 22:43	शुभ
शुभ	10:57 - 12:20	शुभ	चंचल.	22:43 - 00:20	शुभ
रोग.	12:20 - 13:43	अशुभ	रोग.	00:20 - 01:57	अशुभ
उत्पात	13:43 - 15:06	अशुभ	काल.	01:57 - 03:34	अशुभ
चंचल	15:06 - 16:29	शुभ	लाभ.	03:34 - 05:11	शुभ
लाभ	16:29 - 17:49	शुभ	उत्पात	05:11 - 06:40	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है । आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है । लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपके सामने इन दिनों कुछ नई चीजें आई हैं । अपने सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहें । पूछे गये प्रश्नों का जवाब दें । आपको अभी और भी प्रयास करने हैं और इससे आपकी तरक्की की मजबूत नींव पड़ेगी । इन सबके बीच खुद को तरोताजा करना और खुश रखना न भूलें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आपके भावनाओं में बहने की उम्मीद थोड़ी ज्यादा है । किसी छोटी सी बात पर भी आप उदास हो जायेंगे या पुराने बेह्तर समय को याद करने लगेंगे । किसी पुराने दोस्त से संपर्क साधने की कोशिश कर सकते हैं । आज आप अपनी वर्त्तमान समस्या को सुलझाने के लिए कोई संतोषजनक समाधान खोजने या किसी की तरफ दोस्ती का हाथ बढाने के मूड में हैं ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
संचार कुशलता आपकी विशेषता है,आप किसी दोस्त या करीबी से आज कोई ऐसी बात बांटना चाहेंगे जो आप काफी लम्बे समय से सोच रहे हैं । आज अपने गुस्से और निराशा को बाहर निकलने दें । बात करते हुए कोई समाधान भी मिल सकता है ,लेकिन बातें दिल खोलकर करें । दिन के अंत में कोई चोंकाने वाली खबर मिल सकती है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपका अत्यधिक भावनात्मक होना और लोगों के लिए तो मददगार है लेकिन इससे आप कई बार मुश्किल में फँस जाते हैं । ऐसी स्थिति से बाहर आने में अपने पार्टनर की मदद लें । यह कुछ निजी और गुप्त बातचीत करने का समय है । वित्तीय लाभ होने की उम्मीद है लेकिन अधिक जोखिम से बचें । बोलने से पहले सोच लें ,कहीं किसी करीबी को नाराज ना कर दें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा । लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे । यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप उन बदलावों के बारे में सोच रहे हैं जो शायद आपके काम और आपकी सेहत के बीच संतुलन ला सकते हैं । आप अपने किसी करीबी दोस्त से इस सम्बन्ध में मेल करके समाधान पूछ सकते हैं । इन बदलावों से आपको आराम मिलेगा । आप अपने आप को फ़िलहाल सही आदमियों के साथ पायेंगे जो आपको आपके विभिन्न लक्ष्यों का उद्देश्य निर्धारित करने में मदद करेंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
ग्रहों की स्थिति आपके पक्ष में है,दिन की शुरुआत अच्छी होगी ,विशेषत दोपहर से पहले । अपने ऑफिस सम्बन्धी कामों की योजना अगर हो सके तो दोपहर से पहले ही बनाएं,सफलता की सम्भावना अधिक है । शाम को या तो कुछ न करें या कोई हल्का –फुल्का काम करें । कोई अप्रत्याशित व्यक्ति आपसे मिलने आ सकता है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपको आज बहुत सारी चीजों से जुड़े अपने वादों को निभाना है । अपनी सामजिक,वित्तीय तथा निजी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार रहें । आपके परिजनों ,दोस्तों और सहकर्मियों ,सभी को आपसे मदद की अपेक्षा रहेगी और आप इस दबाव को सह पाने में बिलकुल समर्थ हैं । आज अपने शब्दों और कामों,दोनों ही तरीको से लोगों की मदद करेंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
अपने जैसी रुचियों और सत्तासीन व्यक्तियों से साझेदारी बनाने की कोशिश करें । कुछ आदमी आपको झूठी आशाएं देने की कोशिशें कर रहे हैं लेकिन आपको उनकी बातों पर ध्यान नही देना है । अपने आप से फैसले लें और उनपर जमे रहें । आप काफी समय से घर खरीदने की सोच रहें हैं,अब आप ऐसा कर सकते हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है ।आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है ।आपके लिए अच्छा यही होगा कि आप पहले शांति से बैठकर सही समय तक का इन्तजार करें और अच्छे से सोच लें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है । आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं । आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी ।अपने नए-पुराने दोस्तों के साथ समय बितायें और मजे करें । खरीदारी में विशेष आनंद आएगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

एच1बी वीजा को लेकर केंद्र सरकार चिंतित

आईटी मंत्रालय ने अमेरिकी कंपनियों से पूछा- वहां हालात कैसे, मस्क ने कहा था- प्रोग्राम खत्म जैसा

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। अमेरिका में भारतीय एच-1बी वीजा होल्डर के खिलाफ हो रहे विरोध को लेकर केंद्र सरकार अलर्ट हो गई है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, विदेश मंत्रालय, आईटी मंत्रालय और कॉमर्स डिपार्टमेंट अमेरिका में वैध रूप से काम करने वाले भारतीय प्रोफेशनल्स की स्थिति पर नजर रख रही है।

सरकार के एक सूत्र ने बताया कि ऐसी स्थिति नहीं होनी चाहिए, जहां हमारे भारतीय प्रोफेशनल्स को अमेरिका में रहने की दिक्कत हो। सरकार इस बारे में चिंतित है। आईटी मंत्रालय भी स्थिति को समझने के लिए बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनियों से फीडबैक ले रहा है। आईटी मंत्रालय ने कंपनियों से पूछा है कि ग्राउंड पर इस वीजा को लेकर क्या हालात हैं।

सरकार के सूत्र ने कहा कि हम नहीं चाहते की भारत-अमेरिका के बीच कानूनी ढांचे में कोई बाहरी कारण की चलते दिक्कतें आएं। अमेरिका की ओर से भी यह नहीं होना चाहिए।

दरअसल, अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड इस वीजा के विरोध में रहे हैं। उनके समर्थक उद्योगपति मस्क ने भी सोमवार को कहा था कि एच1बी वीजा खत्म जैसा है। उन्होंने एक पोस्ट के जवाब में कहा कि इस प्रोग्राम में न्यूनतम सैलरी और मेंटेनेंस को बढ़ाकर इसमें सुधार किया जाना चाहिए। हालांकि, ट्रम्प ने कई मौकों पर वीजा के समर्थन में भी बयान दिए हैं।

एच1बी नॉन-इमीग्रेंट वीजा होता हैं, जिसके तहत अमेरिकी कंपनियां विदेशी प्रोफेशनल्स को नियुक्त करने की अनुमति होती है। इसके तहत हर साल करीब 45 हजार भारतीय अमेरिका जाते हैं।

केंद्र सरकार वीजा पॉलिसी में प्रतिबंध नहीं देखना चाहती

सरकार इस बात पर भी नजर रख रही है कि डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में वापसी के बाद आईटी और मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स के लिए अमेरिकी वीजा पॉलिसी किस रूप में बदल सकती है। सूत्र ने कहा कि हम इस पॉलिसी में और प्रतिबंध नहीं देखना चाहते हैं।

इसके अलावा केंद्र सरकार यह भी देखना चाहती है कि मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय प्रोफेशनल्स की नियुक्ति में कितनी रुची रख रहे हैं। इसके लिए कंपनियां भारत में कितने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) स्थापित कर रही है।

भारत में फिलहाल 1800 से अधिक जीसीसी हैं। स्थिति पर बेहतर पकड़ बनाने के लिए विदेश मंत्रालय अमेरिका में भारतीय मिशन से अपडेट ले रहा है।

वीजा पर ट्रम्प समर्थकों की राय भी आपस में बंटी

एच1बी वीजा को लेकर ट्रम्प समर्थकों की राय भी आपस में बंटी हुई है। लॉरा लूमर, मैट गेट्ज और एन कूल्टर जैसे ट्रम्प समर्थक खुलकर इस वीजा का विरोध कर रहे हैं। इन लोगों का कहना है कि एच1बी वीजा से विदेशी लोगों को अमेरिका में नौकरी मिलेगी और अमेरिकी लोगों की नौकरियां छिन जाएगी।

दूसरी तरफ जल्द ही ट्रम्प सरकार में डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) संभालने वाले इलॉन मस्क और विवेक रामास्वामी ने एच1बी वीजा का समर्थन किया है। इनका कहना है कि अमेरिका को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए दुनिया के टॉप लोगों को नौकरियों पर रखनी चाहिए।

एच1बी वीजा क्या होता है?

एच1बी नॉन-इमीग्रेंट वीजा होता हैं, जिसके तहत अमेरिकी कंपनियों को स्पेशल टेक्निकल स्किल्स वाले पदों पर विदेशी प्रोफेशनल्स को नियुक्त करने की अनुमति होती है। इस वीजा के जरिए टेक्नोलॉजी सेक्टर की कंपनियां हर साल भारत और चीन जैसे देशों से हजारों वर्कर्स की नियुक्ति करती है।

एच1बी वीजा आमतौर पर उन लोगों के लिए जारी किया जाता है,जो किसी खास पेशे (जैसे- आईटी प्रोफेशनल, आर्किट्रेक्टचर, हेल्थ प्रोफेशनल आदि) से जुड़े होते हैं। ऐसे प्रोफेशनल्स जिन्हें जॉब ऑफर होता है उन्हें ही ये वीजा मिल सकता है। यह पूरी तरह से एम्पलॉयर पर डिपेंड करता है। यानी अगर एम्पलॉयर नौकरी से निकाल दे और दूसरा एम्पलॉयर ऑफर न करे तो वीजा खत्म हो जाएगा।

10 में से 7 एच1बी वीजा भारतीयों को ही मिलता है

बता दें कि अमेरिका हर साल 65,000 लोगों को एच1बी वीजा देता है। इसकी समयसीमा 3 साल के लिए होती है। जरूरत पड़ने पर इसे 3 साल के लिए और बढ़ाया जा सकता है।

अमेरिका में 10 में से 7 एच1बी वीजा भारतीय लोगों को मिलती है। इसके बाद चीन, कनाडा, साउथ कोरिया का नंबर आता है।

भारत की सीमा से सटे नेपाल के इटहरी में बम धमाके

राजावादी संगठन की धमकी, नया साल पर जाने वाले हो जाएं सावधान

काठमांडू, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। नए साल पर जश्न मनाने के लिए नेपाल की वादियों की सैर करने की चाहत बना रखने वाले लोगों को मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है। इसकी वजह नेपाल के राजावादी नाम के संगठन की बम धमाका करने की धमकी है। संगठन ने धमकी देने के साथ ही मंगलवार सुबह तीन स्थानों पर धमाके भी किए हैं। भारत नेपाल सीमा से महज तीस किलोमीटर की दूरी पर हुए बम धमाके से इटहरी का इलाका गूंज उठा। बम धमाके के बाद नेपाली पुलिस के साथ सेना भी सुरक्षा के लिए उतर गई है। इटहरी मुख्य सड़क राजमार्ग को नेपाली सेना ने सील कर विभिन्न स्थानों से बम बरामदगी और उसको निष्क्रिय करने के कार्य में जुट गई है।

नए साल के मौके पर नेपाल में बड़ी संख्या में सीमावर्ती क्षेत्र सहित दूरदराज क्षेत्र से हजारों की संख्या में भारतीय पर्यटक नेपाल की हसीन वादियों में पहुंचकर साल के पहले दिन का जश्न मनाते हैं। नेपाल के विराटनगर, धरान, इटहरी, धनकुटा, भेटेटार, भारदह, हिले, भीमनगर बैरेज, जनकपुर आदि स्थानों पर नववर्ष के पहले दिन भारतीय पर्यटकों का जमावड़ा रहता है। नेपाल पर्यटन विभाग और कला संस्कृति विभाग की ओर से भी नववर्ष के पहले दिन के लिए पर्यटकों के लिए विशेष इंतजाम और सुरक्षा रखी जाती है। ऐसे में ये धमाके चिंता बढ़ाने वाले हैं।

संगठन ने पहले दी धमकी, फिर किए धमाके

भारत नेपाल सीमा पर अवस्थित जोगबनी से 30 किलोमीटर की दूरी पर तीन सीरियल बम धमाके से नेपाल के सुनसरी जिला का इटहरी बम धमाके से दहल उठा। नेपाल की राजावादी नामक संगठन ने सुनसरी एसपी को मैसेज के माध्यम से नववर्ष पर बम धमाका करने की धमकी दी थी। मैसेज में इटहरी को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। मैसेज और धमकी को लेकर नेपाल पुलिस जांच में ही जुटी थी कि इटहरी के तीन स्थानों पर बम मिलने की सूचना सुनसरी जिला पुलिस को मिली।

नेपाल की सुनसरी जिला पुलिस को पहला बम इटहरी राजमार्ग मे रहे बुढी नदी के पुल के नीचे होने की सूचना मिली। मिली सूचना के तहत राजमार्ग को सील कर नेपाली सेना की बम डिस्पोजल टीम बम को निष्क्रिय कार्य में लगी ही थी कि बम विस्फोट हो गया। उसके बाद दूसरा बम इटहरी उप महानगरपालिका के कार्यालय के सामने मिला। सेना की टीम यहां भी बम डिफ्यूज कर रही थी की बम विस्फोट हो गया।

जिला पुलिस कार्यालय सुनसरी के एसपी सुमन तिमिस्ना के अनुसार, सुबह में इलाका पुलिस कार्यालय इटहरी और पकली मे राजावादी समूह के नाम से भोटेपुल, बुढी खोला और उपमहानगरपालिका के आगे काला झोला मे बम रख देने का मैसेज आया था। सुनसरी एसपी ने बताया कि बम दस्ता टीम को सर्च अभियान में लगाया गया है। नेपाल सेना, पुलिस के साथ दूसरी सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित किया जा रहा है। मोरंग एसपी नारायण प्रशाद चिमारिया ने सुनसरी जिला में सीरियल बम धमाके के बाद भारत नेपाल सीमा की सुरक्षा को तेज कर दिया है।

जेएमएम लड़ेगी बिहार विधानसभा का चुनाव

जनवरी में कांग्रेस-राजद से होगी बात, 12 सीटों पर दावा, पार्टी को गठबंधन से उम्मीद

रांची, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड की सबसे बड़ी सत्तारूढ़ पार्टी जेएमएम 2025 में बिहार में होने वाले विधानसभा में किस्मत आजमाएगी। बिहार की 12 सीटों पर उम्मीदवार उतारे जाने को लेकर राजद-कांग्रेस गठबंधन से दावेदारी करेगी।

इसके लिए पार्टी बहुत जल्द कांग्रेस और राजद से बातचीत करेगी। बिहार में चुनाव लड़े जाने के पीछे पार्टी का तर्क है कि सीमावर्ती विधानसभा क्षेत्रों में न केवल जेएमएम का जनाधार है बल्कि पहले भी वहां से विधायक रहे हैं। पार्टी सूत्रों की माने तो जेएमएम जिन सीटों को लेकर अपनी दावेदारी करेगी उनमें तारापुर, कटोरिया, मनिहारी, झाझा, बांका, ठाकुरगंज, रूपौली, रामपुर, बनमखनी, जमालपुर, पीरपैंती और चकाई है।

ऐसा नहीं है कि जेएमएम पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ने जा रही है। पार्टी इससे पहले भी चुनाव लड़ चुकी है। 2020 में तीन चरण में हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी ने अपने उम्मीदवार भी उतारे थे।

यह दूसरी बात है कि एक भी उम्मीदवार चुनाव नहीं जीत सका। 2020 के चुनाव में जिन उम्मीदवारों को उतारा था, उनमें चकाई से एलीजाबेथ सोरेन, झाझा से अजीत कुमार, कटोरिया से अंजेला हांसदा, मनीहारी से फूलमणी हेम्ब्रम और धमदाहा से आशोक कुमार हांसदा शामिल हैं।

चुनाव लड़े जाने की बात को लेकर पार्टी महासचिव विनोद पांडेय का कहना है कि राजद और कांग्रेस से जल्द ही बातचीत की जाएगी। उनका मानना है कि बिहार में हमारी पार्टी का जनाधार भी है और इस लिहाज से पार्टी दावा भी करेगी। विनोद पांडेय के मुताबिक हम जल्द ही गठबंधन से भी बात करेंगे। उन्हें इस बात की उम्मीद भी है कि महागठबंधन के सहयोगी भी हमारी बातों पर ध्यान देंगे। चुनाव और सीटों को लेकर जनवरी में बात होने की संभावना है। वहीं उनकी पार्टी के कार्यकर्ता चुनाव लड़ने की तैयारी भी कर रहे हैं। बिहार विधानसभा में जेएमएम की दावेदारी के पीछे झारखंड विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे का भी आधार है। बिहार के पिछले चुनाव में जेएमएम ने राजद पर कई आरोप लगाते हुए अकेले दम पर चुनाव लड़ा था। यह दूसरी बात की कोई जीता नहीं। झारखंड में गठबंधन दल के साथी राष्ट्रीय जनता दल को छह विधानसभा सीटें मिली। इन विधानसभा सीटों में देवघर, गोड्डा, कोडरमा, चतरा, विश्रामपुर व हुसैनाबाद सीट राजद की झोली में थे। ऐसे में जेएमएम को उम्मीद है कि बिहार में भी राजद-कांग्रेस गठबंधन धर्म का पालन करेगी। राजद और झामुमो के बीच तालमेल कितना होगा यह तो समय तय करेगा।

लेकिन, दोनों दलों के अध्यक्ष के बीच पुराना तालमेल हैं। कभी झामुमो प्रमुख शिबू सोरेन की बदौलत लालू प्रसाद बिहार में सत्तारूढ़ हुए थे। लालू प्रसाद और शिबू सोरेन की जोड़ी मशहूर थी। मोर्चा से सहायता मिलने के बाद तात्कालिक मजबूरी के चलते लालू ने झारखंड स्वायत्तशासी पर्षद की मंजूरी दी थी।

कांकेर सांसद बोले- मैं तेरा बाप बोल रहा हूं

भोजराज नाग के बिगड़े बोल, फोन पर ठेकेदार से की गाली-गलौज

कांकेर, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर से बीजेपी सांसद भोजराज नाग के बिगड़े बोल सामने आए हैं। उन्होंने फोन पर ठेकेदार से बातचीत करते हुए गाली-गलौज की। सांसद ने कहा कि, मुझे गाली दी, इसलिए कहा मैं तेरा बाप बोल रहा हूं। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

दरअसल, सोमवार को सांसद भोजराज रावघाट माइंस के कार्यक्रम में भैंसगाव पहुंचे थे। सांसद से ग्रामीणों ने सरकारी काम के पैसे नहीं मिलने की शिकायत की। ग्रामीणों ने शिकायत में बताया कि, करीब एक साल पहले लोक निर्माण विभाग का काम हुआ है। जिसमें ट्रैक्टर से हुए कार्य का पैसा अब तक बकाया है। ठेकेदार अजय साहू से बात करने पर उल्टा सीधा बात करता है। ग्रामीणों की शिकायत पर सांसद ने फोन लगाकर बात कराने कहा और अचानक सांसद गुस्से में आकर गाली-गलौज करने लगे।

अमरकंटक से लौट रहे 13 लोगों को ट्रक ने कुचला

2 बच्चों की मौत, गाड़ी खराब हुई, तो सड़क पर बैठा था धमतरी का परिवार

रायपुर, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर में ट्रक ने सड़क किनारे खड़े 13 लोगों को कुचल दिया। जिससे 2 बच्चों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हो गए हैं। इनमें से तीन लोगों की हालत गंभीर है। बताया जा रहा है कि, सिलतरा के पास गाड़ी खराब होने पर रिपेयरिंग कर रहे थे। घटना धरसींवा थाना क्षेत्र के सिलतरा चौकी की है।

जानकारी के मुताबिक, यह हादसा सोमवार रात करीब 1:30 बजे हुआ है। धमतरी जिले का साहू परिवार नए साल से पहले अमरकंटक दर्शन करने गया था। रात में अमरकंटक से धमतरी लौट रहे थे। तूफान गाड़ी में महिलाओं और बच्चों को मिलाकर 13 लोग सवार थे।

इसी दौरान सिलतरा ओवर ब्रिज के ऊपर गाड़ी में खराबी आ गई। तभी पीछे से तेज रफ्तार में रायपुर की तरफ आ रहे ट्रक ने तूफान गाड़ी और लोगों को पीछे से टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि, गाड़ी की रिपेयरिंग करने के

दौरान कुछ लोग सड़क के किनारे बैठे थे। कुछ गाड़ी के अंदर थे।

हादसे में दो बच्चे आरध्य साहू (12) और मोनिका साहू (14) ट्रक के टायर के नीचे बुरी तरह कुचला गए। वहीं, करीब 11 लोग घायल हो गए। इनमें से तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में लिना साहू, मोनिका साहू, माही साहू, निर्मल साहू, निशा साहू, प्रार्थना साहू, ओम प्रकाश साहू, गीतांजली साहू, प्रेरणा साहू, दीक्षा साहू, कृतेश साहू और ड्राइवर नरोत्तम साहू शामिल है। सिलतरा चौकी प्रभारी बालेश्वर लहर के मुताबिक, पीड़ित परिवार की गाड़ी खराब होने की वजह से सड़क किनारे गाड़ी की रिपेयरिंग कर रहे थे। तूफान गाड़ी के ड्राइवर ने एहतियात बरतने के लिए पार्किंग लाइट और हेडलाइट भी जला रखी थी। लेकिन तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से जानबूझकर खड़ी गाड़ी पर टक्कर मारी है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

छात्रा ने जीभ काटकर शिवलिंग पर चढ़ाया

सक्ती के मंदिर में साधना में बैठी, दुर्ग में पत्नी के लिए शिवभक्त ने काट ली थी जीभ

जांजगीर-चांपा, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में 11वीं की छात्रा आरुषि चौहान (16) ने अपनी जीभ काटकर भगवान शिव को चढ़ा दिया है। मंदिर परिसर में खून ही खून फैला हुआ है। जीभ काटने के बाद छात्रा ने मंदिर में खुद को बंद कर लिया है और साधना करने बैठ गई है। ठीक इसी तरह दुर्ग में भी ऐसी घटना सामने आई थी जहां मूकबधिर पत्नी के लिए शिवभक्त पति ने जीभ काट ली थी। छात्रा ने एक नोट भी छोड़ा है, जिसमें उसने लिखा है कि अगर मैं उठ जाऊंगी तो मर्डर हो जाएगा। घरवालों का कहना है कि छात्रा 2 दिनों तक साधना में लीन रहेगी। परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस वालों को मंदिर के अंदर जाने नहीं दिया है।

मामला डभरा थाना क्षेत्र के ग्राम देवरघटा के अचरीपाली का है। जानकारी अनुसार सोमवार की सुबह 7 बजे छात्रा घर के पास तालाब के किनारे बने भोले बाबा के मंदिर पहुंची थी। छात्रा ने एक पेज में छत्तीसगढ़ी में नोट भी लिखा है, जिसमें कहा है 'काकरों आवाज नहीं आना चाहिए, गाड़ी या आदमी काकरो नहीं' और दूसरे पेज में लिखा कि 'अगर मैं उठ जहा तो सब के मर्डर हो जाही, चाहे मोर पापा या मम्मी या कोई अधिकारी समझ में नहीं आ रहा है आप सभी को'। इन शब्दों का मतलब है कि किसी की आवाज नहीं आनी चाहिए, गाड़ी या आदमी किसी की नहीं। अगर मैं उठ जाऊंगी तो सभी का मर्डर हो जाएगा, चाहे पापा-मम्मी हो या कोई भी अधिकारी।

घटना की जानकारी पुलिस अधिकारियों को मिली तो वे मौके पर पहुंचे। लेकिन उन्हें मंदिर के अंदर जाने नहीं दिया गया। वहीं गांव के लोगों ने मंदिर को चारों तरफ को घेर लिया। छात्रा के माता पिता को पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने समझाया, लेकिन बेटी को अस्पताल ले जाने से माता पिता ने साफ इनकार कर दिया है। वहीं 108 एम्बुलेंस के साथ डॉक्टरों की टीम मौके पर मौजूद है। एसडीओपी सुमित गुप्ता ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम और एसडीएम, तहसीलदार भी मौके पर पहुंचे हुए हैं। सभी ने समझाने की कोशिश की है, लेकिन माता-पिता का कहना है कि बच्ची स्वस्थ है, उसे कुछ नहीं हुआ है।

महिला के गले से चेन झपटकर भागे अपराधी

बाइक सवार युवकों ने की वारदात एक ने पहन रखा था हेलमेट

धनबाद, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। धनबाद में इन दिनों चेन छिनतई कि घटना थमने का नाम नहीं ले रही है। मंगलवार को भी धनबाद थाना क्षेत्र में एक महिला के गले से चेन झपटकर बाइक सवार अपराधी भाग निकले। घटना 8 लेन रोड में न्यू बॉम्बे स्विट्स के पास हुई। महिला के अनुसार करीब एक लाख 10 हजार रुपए का सोने के चेन की छिनतई हुई है। भुक्तभोगी महिला पूजा गोरी ने बताया कि एक अस्पताल में भर्ती अपने ससुर के स्वास्थ्य का हाल जानने वो बराकर यहां पहुंची थी। बॉम्बे स्विट्स में नाश्ता करके जैसे ही वो बाहर आई, अचानक बाइक सवार अपराधी आ धमके। उन्होंने महिला के गले से सोने का चेन झपट लिया और भाग निकले।

दो जिलों के 1500 लोगों से 10 करोड़ की ठगी

कोरिया-एमसीबी में ऐप डाउनलोड कराकर निवेश कराया, फिर विड्रॉल किया बंद

कोरिया/मनेंद्रगढ़, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरिया और एमसीबी जिले में करीब 15 सौ लोगों से ऐप के जरिए निवेश कराकर 10 करोड़ से ज्यादा की ठगी की गई है। सैनलुकर कंपनी के ऐप में लोगों ने पैसे निवेश किया। शुरुआत में उन्हें अच्छा रिटर्न मिला तो निवेश की राशि बढ़ा दी। अब ऐप बंद होने से लोगों के हजारों से लेकर लाखों रुपए तक फंस गए हैं।

लोगों ने एसपी कार्यालय बैकुंठपुर में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ितों ने बताया कि कैथरीन नाम की महिला निवेशकों को जवाब भी देती थी। लेकिन जब उनके पैसे फंसे तो महिला गायब है। जानकारी के मुताबिक, कोरिया और एमसीबी जिले में सेनलुकर कंपनी का ठगी का कारोबार वॉट्सऐप ग्रुप के माध्यम से किया गया। निवेशकों को बताया गया कि 35 से अधिक देशों में कारोबार करने वाली सेनलुकर कंपनी में निवेश करने से अच्छा रिटर्न मिलेगा। वॉट्सऐप के माध्यम से ही लोगों को एपीके लिंग भेजे गए और ऐप डाउनलोड कराया गया। मेंबर्स को कंपनी के वॉट्सऐप ग्रुप से जोड़ा गया। दो ग्रुपों में दोनों जिलों के करीब 1500 से अधिक सदस्य थे।

कंपनी ने शुरुआत में सदस्यता के लिए 550 रुपए लिए। प्रतिदिन राशि रिटर्न के रूप में दी गई। अच्छा रिटर्न मिलने पर लोगों ने तीन हजार, 7 हजार, 10 हजार, 17 हजार और 25 हजार रुपए के स्कीम में निवेश करते गए। अधिकांश निवेशकों ने एक लाख रुपए या इससे ज्यादा की राशि निवेश की है। निवेशक गौरव जायसवाल और दासन सिंह ने बताया कि कंपनी के टीम लीडर ऑनलाइन मीटिंग लेते थे और ज्यादा निवेश करने के लिए कहते थे। कंपनी का संचालक कैथरीन नामक महिला को बताया गया है, जो निवेशकों को जवाब भी देती थी। ऐप से पैसों की निकासी बंद होने पर इसकी शिकायत की गई तो कैथरीन ने कहा कि क्रिसमस और छुट्टियों के कारण यह स्थिति बनी है। छुट्टियां समाप्त होने के बाद निकासी हो जाएगी। सेनलुकर कंपनी में लोगों के करोड़ों रुपए फंस गए हैं। इसकी शिकायत निवेशकों ने कोरिया पुलिस से की है। अनुमान के मुताबिक ठगी की रकम 10 करोड़ रुपए से अधिक है। कोरिया एसपी के नाम ज्ञापन सौंपकर निवेशक संतोष सारथी, भरत सिंह, नीलू सिंह और अन्य निवेशकों ने एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

ऐप के निवेशकों को जिस सेनलुकर कंपनी के नाम पर ठगी का शिकार बनाया गया, वह कंपनी स्पेन की है और कई देशों में फलों का कारोबार करती है। सेनलुकर कंपनी यूरोप में रजिस्टर्ड है और अपने ब्रांड के नाम पर फल बेचती है। निवेशकों से कहा गया कि वे इंटरनेशनल कंपनी में निवेश कर रहे हैं। सेनकुलर ऐप बंद होने के बाद निवेशकों को एक और ऐप में इन्वेस्टमेंट करने के लिए कहा जा रहा है।

नये साल से पहले रायपुर में डबल मर्डर

बजरंग दल के खंड संयोजक समेत दो की हत्या, 6 आरोपी अरेस्ट

रायपुर, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। नये साल से पहले छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर डबल मर्डर से दहल उठी है। मर्डर की इस वारदात से पूरा शहर हिल गया है। चंगोराभाठा में दो युवकों पर पत्थर से हमला कर हत्या कर दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। ये वारदात डीडी नगर थाना क्षेत्र की है।

मामले में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। घटना की सूचना पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधितकारी और कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। मामले में कार्रवाई न किये जाने पर रायपुर में बड़ा प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि सचिन बडोले यहां का खंड संयोजक था, जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती तब तक वो यहां से नहीं हटेंगे।

बताया जाता है कि चंगोराभाठा क्षेत्र में देर रात दो युवकों को लाठी-डंडे से हमला कर पीट-पीटकर मार डाला गया। इतना ही नहीं पुलिस से बेखौफ होकर बदमाशों ने 300 मीटर तक दौड़ाकर पीटा। पुलिस ने बताया कि बीती रात साढ़े दस बजे के बाद कृष्ण यादव और सचिन बडोले शराब पी रहे थे। इस दौरान कुछ युवक मौके पर पहुंचे। किसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया। फिर दोनों युवक के साथ जमकर मारपीट की गई। दौड़ा-दौड़ाकर पत्थर से मारा गया। आरोपियों ने लहुलुहान कर कृष्णा यादव और सचिन बडोले को मौत की नींद सुला दी।

पलामू के कॉलेज परिसर में मिले दो हिमालयन उल्लू

पलामू, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। पलामू के एक कॉलेज में हिमालयन उल्लू मिला। पांकी प्रखंड स्थित डंडार के मजदूर, किसानों और शिक्षकों ने कॉलेज परिसर में अलग तरह का उल्लू देख वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग की ओर से कुंदरी वनक्षेत्र पदाधिकारी महेंद्र प्रसाद और वनरक्षी दीनानाथ शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने दो उल्लू का रेस्क्यू किया। उल्लू को पलामू टाइगर रिजर्व को सौंपा जाएगा। कॉलेज पहुंचे शिक्षकों ने कैंपस के अंदर दो उल्लू को उड़ते हुए देखा।

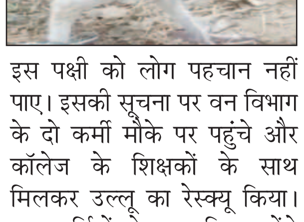

इस पक्षी को लोग पहचान नहीं पाए। इसकी सूचना पर वन विभाग के दो कर्मी मौके पर पहुंचे और कॉलेज के शिक्षकों के साथ मिलकर उल्लू का रेस्क्यू किया। वन कर्मियों ने कहा कि उन्होंने पहली बार इस तरह का उल्लू पलामू जिले में देखा है।

शहबाज सरकार को इमरान खान ने दिया बड़ा झटका

इस्लामाबाद, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सोमवार को कहा कि वह न तो सरकार के साथ कोई सौदा करना चाहते हैं और न ही कोई अन्य देश उन्हें जेल से रिहा करवाने की कोशिश कर रहा है। बहत्तर-वर्षीय इमरान खान की बहन अलीमा खान ने तोशाखान 2.0 मामले की सुनवाई के बाद रावलपिंडी की अदियाला जेल के बाहर मीडिया से बात करते हुए यह बात कही। अलीमा ने कहा कि जेल में बंद खान पूछते हैं कि 'जब उन पर मुकदमे चल ही रहे हैं तो उन्हें सौदा करने की जरूरत क्या है'। उनके अनुसार, खान ने यह भी कहा कि 'उन्होंने जेल की हवा खाई है और अब जब उनके मुकदमे खत्म हो रहे हैं तो वह कोई सौदा नहीं कर रहे हैं'। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की एक टीम विभिन्न राजनीतिक मुद्दों को सुलझाने के लिए सरकार के साथ बातचीत कर रही है। अलीमा ने कहा कि वार्ता दल दो मांगें रखेगा, जिनमें सभी राजनीतिक कैदियों की रिहाई और नौ मई, 2023 और इस साल 26 नवंबर को हुई हिंसा की जांच के लिए एक आयोग का गठन शामिल है। दोनों पक्षों के बीच अगले दौर की वार्ता दो जनवरी को सुबह 11 बजे नेशनल असेंबली के अध्यक्ष अयाज सादिक के कार्यालय में होगी, जो दोनों पक्षों के बीच बातचीत की सुविधा प्रदान कर रहे हैं। खान ने बृहस्पतिवार को अपने वकीलों और पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'मुझे सौदा करने का संदेश मिला है, जिसमें उनलोगों ने कहा है कि वे हमारी पार्टी को राजनीतिक स्थान देंगे, लेकिन मुझे नजरबंद कर देंगे और मुझे आदियाला जेल से मेरे बानी गाला निवास पर स्थानांतरित कर देंगे।'

ज्वैलरी शॉप में ग्राहक बनकर आए चोर, फिर 5 लाख के गहने पर किया हाथ साफ सीसीटीवी में कैद हुई घटना

भद्रक, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के भद्रक जिले में एक ज्वैलरी की दुकान पर चोरी का अजीबों-गरीब मामला देखने को मिला है। दरअसल यहां एक दुकान पर गहने खरीदने आया एक शख्स मात्र कुछ ही मिनटों में दुकान से 5 लाख रुपये का गहना लेकर फरार हो गया। यह घटना भद्रक की एक ज्वैलरी शॉप की है। यहां दो बदमाश पहले तो ग्राहक बनकर ज्वैलरी शॉप में घुसे। शोरूम के कर्मचारियों को लगा कि ये लोग असली ग्राहक हैं। एक बदमाश ने तो स्टाफ को नमस्कार तक किया, ताकि किसी को उनके चोर होने पर शक न हो सके। इस दौरान दौरान बदमाशों ने शोरूम पर काम कर रहे कर्मचारी से गहने दिखाने की बात कही। इस दौरान जैसे ही स्टाफ ने उन्हें गहने दिखाने शुरू किए, उन्होंने बहाने से गहनों की तस्वीर खींची और कहा कि वे घर पर तस्वीर भेजकर सलाह लेंगे। इसके बाद बदमाशों ने फोन पर बात करने का नाटक किया और अचानक शोरूम से भाग निकले। शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी घटना कैद हो गई। फुटेज में साफ दिख रहा है कि बदमाश कितने प्रोफेशनल थे। उन्होंने शोरूम में केवल कुछ मिनट बिताया और पूरी वारदात को बिना किसी हड़बड़ी के अंजाम दिया।

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का होगा इलाज?

एससी में अब दो जनवरी को सुनवाई होगी

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। भूख हड़ताल पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की बिगड़ती सेहत के मामले को लेकर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है। इस मामले की जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस सुधांशु धूलिया की वेकेशन बेंच सुनवाई कर रही है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को डल्लेवाल की स्वास्थ्य को लेकर 20 दिसंबर के आदेश का अमल करने के लिए और समय दे दिया है। मामले की अगली सुनवाई 2 जनवरी होगी। सुनवाई के दौरान पंजाब के मुख्य सचिव और डीजीपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि पंजाब सरकार की ओर से कौन पेश हुआ है, क्या कोई नतीजा निकला। बेंच ने कहा कि पंजाब का एक आवेदन है, कल भेजा गया है। आप कुछ और समय मांग रहे हैं? पंजाब एजी ने कहा कि कुछ हस्तक्षेपकर्ता गए थे, उनसे बात करने। कल दो बातें हुईं हैं। सबसे पहले, पंजाब बंद की घोषणा की गई, जिसके परिणामस्वरूप पूरे पंजाब में जाम लग गया। दूसरा, केंद्र को प्रस्ताव है कि अगर उन्हें बात करने का मौका मिले तो डल्लेवाल चिकित्सा सहायता लेने के लिए तैयार हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर सभी पक्ष सहमत हैं तो वह समय देने के लिए तैयार है। इसको लेकर पंजाब एजी ने सुनवाई के लिए 2 जनवरी की तिथि सुझाई थी, जिसको कोर्ट ने मान लिया। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने उन कुछ किसान नेताओं पर नाराजगी जताई थी, जो डल्लेवाल को अस्पताल में शिफ्ट नहीं होने दे रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि एक बीमार व्यक्ति (जगजीत सिंह डल्लेवाल) को इलाज के लिए अस्पताल ले जाने से रोकना आपराधिक मामला है।

'हॉस्पिटल ले जाने से रोकना आत्महत्या के लिए उकसाने के समान'

जस्टिस सुधांशु धूलिया ने कहा कि किसी को मेडिकल के लिए हॉस्पिटल ले जाने से रोकना आत्महत्या के लिए उकसाने के समान है। जस्टिस सूर्यकांत ने पंजाब सरकार से कहा था कि डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती करने से रोकने वालों के साथ कैसे निपटना है, आपको बेहतर पता है, अगर पंजाब सरकार को केंद्र से कोई सहायता चाहिए तो हम आदेश देने के लिए तैयार हैं। हम इतना जानते हैं कि कोर्ट के आदेश का पालन हर हाल में होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें आश्चर्य है कि कुछ किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को अस्पताल नहीं ले जाने दे रहे हैं, वे किसान नेता हैं या कुछ और? आखिर वो चाहते क्या हैं, दरअसल, पंजाब सरकार की तरफ से कोर्ट को बताया गया था कि किसान डल्लेवाल को अस्पताल ले जाने से रोक रहे हैं।

सीएम आतिशी, संजय सिंह के खिलाफ करूंगा मानहानि का केस आप

के आरोपों से आहत हुए कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले ही राजनीतिक दल एक दूसरे पर हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। इस क्रम में दिल्ली कांग्रेस के नेता संदीप दीक्षित ने सीएम आतिशी और आप सांसद संजय सिंह के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने की बात कही है। संदीप दीक्षित कांग्रेस की तरफ से नई दिल्ली विधानसभा सीट से उम्मीदवार हैं। संदीप दीक्षित ने कहा कि 5-6 दिन पहले दिल्ली की सीएम आतिशी ने कहा कि मैं बीजेपी से बहुत बड़ी रकम ले रहा हूं...पिछले 10-12 सालों से वे कांग्रेस, मुझे और मेरे परिवार को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरे पास पिछले 10-12 सालों से आप से पूछने के लिए कई सवाल हैं...वे (अरविंद केजरीवाल) शीला दीक्षित सरकार के खिलाफ 360 पन्नों के सबूत लेकर घूमते थे। कांग्रेस नेता ने कहा कि बीजेपी के विजय कुमार मल्होत्रा ने मुझे बताया कि सीएम बनने के बाद बीजेपी का एक प्रतिनिधिमंडल अरविंद केजरीवाल से मिला था और सबूत मांगा मांगा था। तब अरविंद केजरीवाल ने 360 अखबारों की कटिंग दिखाईं थी। वे पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने सबूत के तौर पर अखबारों की कटिंग दी थी। संदीप दीक्षित ने कहा कि जिस दिन सीएम आतिशी ने कहा कि हम बीजेपी से पैसे ले रहे हैं,

पचमढ़ी घूमने गई भोपाल की एमबीबीएस छात्रा की मौत

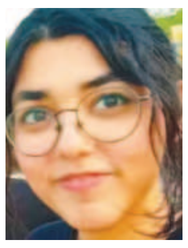

भोपाल, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। भोपाल के राधाकृष्ण मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस फर्स्ट ईयर की छात्रा नित्या साहू (21) की सोमवार को पचमढ़ी में अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। नित्या अपने तीन दोस्तों के साथ घूमने के लिए पचमढ़ी गई थी। 29 दिसंबर को भोपाल के अवधपुरी स्थित गैलेक्सी सिटी निवासी नित्या अपने दोस्तों मुस्कान रंधावा, तनिष्क सक्सेना और पुष्पक गंधारे के साथ पचमढ़ी घूमने गई थी। पचमढ़ी थाना प्रभारी उमाशंकर यादव ने बताया कि रविवार रात खाना खाने के बाद मुस्कान अपने कमरे में सोने चली गई। सोमवार सुबह नित्या की तबीयत अचानक खराब हो गई और उसे उल्टियां होने लगीं। सुबह 7:45 बजे नित्या और उसके साथियों को भोपाल लौटने के लिए वंदेभारत ट्रेन पकड़नी थी, लेकिन तबीयत बिगड़ने पर उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। पिपरिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बंगाल सरकार ने बीएसएफ के लिए भूमि अधिग्रहण रोका

शुभेंदु अधिकारी ने सीएम ममता पर साधा निशाना

कोलकाता, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल सरकार पर बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ चौकियों और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण के प्रयासों में जानबूझकर बाधा उत्पन्न कर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने का सोमवार को आरोप लगाया। शुभेंदु ने कहा कि ममता बनर्जी नीत तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार का असहयोग सीमा पार से घुसपैठ और अपराध रोकने के महत्वपूर्ण उपायों में बाधा उत्पन्न कर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल रहा है। उन्होंने ममता सरकार पर राज्य और राष्ट्र, दोनों की सुरक्षा को ताक पर रखकर वोट-बैंक की राजनीति को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। हालांकि, टीएमसी ने शुभेंदु के आरोपों को बेबुनियाद करार देते हुए खारिज किया। पार्टी ने बीजेपी नेता पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। शुभेंदु की टिप्पणी पश्चिम बंगाल में घुसपैठ और सीमा पार से अपराध को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आई है, खासकर 2,216 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर। बीजेपी नेता ने इस बात पर जोर दिया कि टीएमसी सरकार का सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के लिए भूमि आवंटित करने से इनकार करना बांग्लादेश से घुसपैठ और आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि का कारण बन रहा है। उन्होंने कोलकाता में कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार सरहद की सुरक्षा के लिए सीमा चौकियां (बीओपी) और बाड़ बनाने के वास्ते भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में बाधा डाल रही है। केंद्र सरकार सारा खर्च वहन करने को तैयार है, लेकिन राज्य सरकार जानबूझकर जमीन उपलब्ध नहीं करा रही है। शुभेंदु ने आरोप लगाया कि टीएमसी अपना वोट बैंक बनाए रखने के लिए एक विशेष समुदाय को खुश करने के इरादे से ऐसा कर रही है।

संभल में पटरी से उतरा मालगाड़ी का इंजन

मुरादाबाद डीआरएम पहुंचे, चार घंटे की मशक्कत के बाद ट्रैक पर चढ़ाया

संभल, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल में मालगाड़ी का इंजन शंटिंग करते समय पटरी से उतर गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद मुरादाबाद डीआरएम घटनास्थल पहुंचे। इसके बारे में अधिकारियों से जानकारी की। 4 घंटे की मशक्कत के बाद रेलवे कर्मियों ने इंजन को दोबारा पटरी पर चढ़ाया, तब जाकर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जान में जान आई। मामला जनपद संभल की कोतवाली चंदौसी क्षेत्र के जंक्शन चंदौसी का है। मंगलवार की सुबह 05 बजे शंटिंग करते समय मालगाड़ी का इंजन पटरी से उतर गया, इस घटना के बाद रेलवे अधिकारियों कर्मचारियों में हड़कंप मच गया, उधर जंक्शन चंदौसी स्टेशन पर हुई इस घटना की जानकारी मिलने के बाद मुरादाबाद डीआरएम राजकुमार तत्काल पहुंचे। डीआरएम ने हुई घटना के बारे में स्थानीय रेलवे अधिकारियों से जानकारी की। 4 घंटे की कड़ी मशक्कत करने के बाद रेलवे कर्मियों ने शंटिंग करते समय उत्तरी मालगाड़ी के इंजन को पुनः पतरी पर चढ़ाया, उसके बाद रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों की जान में जान आई। आपको बता दें कि चंदौसी रेलवे स्टेशन पर शंटिंग करते समय पहले भी मालगाड़ी और पैसेंजर ट्रेन की इंजन उतर चुके हैं,

दिल्ली में पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना का शुभारंभ

मरघट वाले बाबा के मंदिर में केजरीवाल ने किया रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया है। इस संबंध में उन्होंने ट्वीट कर जानकारी दी है। इस योजना को लेकर बीजेपी लगातार हमलावर है। वहीं, केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि जब से पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना का ऐलान किया गया है तब बीजेपी उन्हें गालियां दे रही है। आप संयोजक ने कहा,'आज मरघट वाले बाबा के मंदिर (आईएसबीटी) में दर्शन किए और पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना का शुभारंभ किया। यहां के महंत जी का आज जन्मदिन है। उनके साथ जन्मदिन भी मनाया। बीजेपी ने आज रजिस्ट्रेशन रोकने की पूरी कोशिश की, लेकिन भक्त को अपने भगवान से मिलने से कोई नहीं रोक सकता।' केजरीवाल ने महंत का भी रजिस्ट्रेशन किया।

क्या मुझे गाली देने से देश का फायदा होगा- केजरीवाल

इससे पहले उन्होंने कहा, 'बीजेपी वाले मुझे कल से गंदी गंदी गालियां दे रहे हैं, जब से पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना की घोषणा हुई है। मेरा उनसे प्रश्न है- क्या मुझे गाली देने से देश का फायदा होगा? आपकी 20 राज्यों में सरकारें हैं। गुजरात में तो आपकी 30 साल से सरकार है। अभी तक आपने वहां पुजारियों और ग्रंथियों का सम्मान क्यो नहीं किया? चलो अब ही कर दो? मैंने अब सबको रास्ता दिखा दिया है। मुझे गाली देने की बजाय आप अपने बीस राज्यों में इसे लागू करो ना, तब तो सबका फायदा होगा? मुझे गालियां क्यों देते हो?'

बीजेपी ने क्या लगाए केजरीवाल पर आरोप

वहीं, अरविंद केजरीवाल पर पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना को लेकर तीखा हमला करते हुए बीजेपी नेता गौरव भाटिया ने केजरीवाल को हिंदू विरोधी और विकास विरोधी कहा। उन्होंने कहा कि हिंदू विरोधी केजरीवाल अब आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले नए वादे कर रहे हैं, ऐसा क्यों हो रहा है? ऐसा इसलिए है क्योंकि केजरीवाल जानते हैं कि उन्होंने जो झूठे वादे किए हैं, वे पूरे नहीं हुए हैं और उनका करियर खत्म होने वाला है इसलिए वह और झूठे वादे कर रहे हैं। आज जब वह पुजारियों और ग्रंथियों को 18000 रुपए देने का वादा करते हैं, तो मेरे मन में एक सवाल उठता है कि ज्यादा समय नहीं हुआ जब आप शराब माफियाओं के प्यार में थी और उन्हें मंदिरों और गुरुद्वारों के बाहर दुकानें खोलने के लिए ठेके दे रही थी। केजरीवाल ने उन सभी जगहों के बाहर शराब की दुकानें बना दीं जिन्हें हम शुभ मानते हैं।

'खट्टे-मीठे आम की चटनी, ड्रम खोलने पर निकला कुछ और', 65 साल के व्यक्ति को 20 साल की सजा

मुंबई, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई की एक विशेष अदालत ने 65 साल के व्यक्ति को 20 साल की सजा सुनाई है। 65 साल के व्यक्ति नितिन खिमजी भानुशाली जिसे लगभग 37 साल पहले मुंबई से अवैध तरीके से लगभग 2,365 ड्रग्स विदेश में तस्करी करने के आरोप में पकड़ा गया था। आरोपी को एनडीपीएस एक्ट के तहत 20 साल की सजा सुनाई है। आरोपी मुंबई के मुलुंड इलाके का रहने वाला है। साल 1987 में डीआरआई के अधिकारियों को एक खुफिया सूचना मिली थी, इसमें उन्हें पता चला था कि आम की चटनी के डब्बे में बड़ी मात्रा में ड्रग की तस्करी होने वाली है। इन सभी को मुंबई के विक्रोली इलाके में स्थित सुयोग इंडस्ट्रीज नाम की कंपनी में रखा गया था। ड्रग्स को तस्करी करके लंदन ले जाना था। आरोपी ने सुयोग इंडस्ट्रीज को किराए पर लिया था। डीआरआई अधिकारियों द्वारा ली गई तलाशी में 550 प्लास्टिक ड्रम बरामद हुए, जिनमें से 194 ड्रमों में 4,365 किलोग्राम गहरे भूरे रंग हैश ड्रग भरी हुई थी, तब इसकी कीमत लगभग 2 करोड़ के आसपास थी। कुछ ड्रमों पर 'खट्टे मीठे आम की चटनी' लिखा था और निर्माता के रूप में 'इंडियन कॉन्डिमेंट्स शिवम फूड प्रोडक्ट्स, हलोल गोधरा-2207 (एफपीओ)' लिखा था। उस वक्त जांच एजेंसी डीआरआई को कुछ डॉक्यूमेंट और लगभग 2,40,00 रुपये कैश भी मिला था। ड्रग तस्करी मामले में दस आरोपियों में से चार फरार बताए गए, एक मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया गया और एक की मौत हो गई। साल 2010 में तीन गिरफ्तार आरोपियों को सत्र न्यायालय ने बरी कर दिया क्योंकि अभियोजन पक्ष मादक पदार्थ के निर्यात में उनकी संलिप्तता साबित करने में असमर्थ रहा। वहीं, जमानत पर बाहर आए भानुशाली का मुकदमा अलग से चलाया गया था। जांच एजेंसियों के अनुसार, भानुशाली उस समूह का सदस्य था जो आम की चटनी के ड्रमों में हैश ड्रग छिपाने के संबंध में निर्णय लेने में सक्रिय रूप से शामिल था।

बिहार के बीजेपी विधायक बोले- 'हारना पसंद करेंगे, लेकिन मुस्लिम का वोट नहीं चाहिए'

भागलपुर, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। भागलपुर के बिहपुर विधानसभा से भाजपा विधायक इंजीनियर शैलेंद्र ने विवादित बयान देकर राजनीतिक गलियारे में खलबली मचा दी है। मुसलमान को लेकर उन्होंने बयान देते हुए कहा कि हम अपने बयान पर बिल्कुल अडिग है इसमें गलत क्या है। बीजेपी विधायक ने कहा कि हम 'हारना पसंद करेंगे, लेकिन मुस्लिम का वोट नहीं चाहिए'। शैलेंद्र ने कहा कि मुसलमानों का साथ कौन देता है।। राजद वाला देता है।। हमें मुसलमानों का वोट नहीं चाहिए।।। हमनें दस साल में ट्रांसफॉर्मर दिया, रोड दिया लेकिन मुस्लिमों ने हमें दस वोट तक नहीं दिया। हम कितना भी काम कर दें।।मुस्लिम हमें वोट नहीं देता है। इसलिए हम यही कहेंगे कि हमें मुसलमानों का वोट नहीं चाहिए। बीजेपी विधायक ने कहा कि हिंदू लोग एक बच्चा बच्चा पैदा करता है तो मुस्लिम 20 बच्चा पैदा करता है।

दिल्ली के 52 नाबालिग अपराधी, कोर्ट बोली- 11 के खिलाफ वयस्कों की तरह चलेगा मुकदमा

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में क्राइम पर लगाम कसने के लिए पुलिस ने नया कदम उठाया है। पुलिस ने 52 ऐसे किशोरों की पहचान की है, जो कि आपराधिक मामलों में शामिल रहे। कोर्ट से अनुरोध किया गया कि इनमें 11 किशोर ऐसे हैं, जिन्होंने जघन्य अपराध किए हैं। कोर्ट ने फिर फैसला सुनाया कि इन 11 अपराधियों के खिलाफ व्यस्कों की तरह मुकदमा चलेगा। पुलिस ने जिन 52 नाबालिग अपराधियों की पहचान की है, इन सभी के खिलाफ एनआईए, बवाना, अलीपुर, समयपुर बादली और भलस्वा थाने में मामले दर्ज हैं। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि इन सभी किशोरों को लेकर न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत कर अनुरोध किया गया था कि इन 11 किशोरों पर उनके अपराधों की गंभीरता को देखते हुए वयस्कों की तरह मुकदमा चलाया जाए। इन किशोरों को अब कानून के तहत वयस्कों के रूप में माना जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि जो व्यक्ति इस तरह की गंभीर आपराधिक गतिविधियों में शामिल हैं, उन्हें उनकी उम्र की परवाह किए बिना कानून की पूरी सीमा तक जवाबदेह ठहराया जाएगा। यह पहल सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखने, आपराधिक व्यवहार को रोकने और समुदाय के भीतर सुरक्षा की भावना को बढ़ावा देने के लिए की गई है। जिला प्रशासन भविष्य में इस अभियान को जारी रखने की योजना बना रहा है।

कहां कितने आवेदन

एनआईए पुलिस स्टेशन ने 20 आवेदन प्रस्तुत किए जिनमें से छह पर वयस्कों की तरह मुकदमा चलाया जाएगा। अलीपुर पुलिस स्टेशन ने चार आवेदन प्रस्तुत किए, जिनमें से एक पर बालिग की तरह मुकदमा चलाया जाएगा। इसके अलावा समयपुर बादली पुलिस स्टेशन ने आठ आवेदन प्रस्तुत किए, जिनमें से एक पर बालिग की तरह मुकदमा चलाया जाएगा और भलस्वा डेयरी पुलिस स्टेशन ने 12 आवेदन प्रस्तुत किए, जिनमें से दो पर बालिग की तरह मुकदमा चलाया जाएगा।

नजर उतारने और सुख-शांति लाने के नाम पर

भोंदू बाबा ने युवती के साथ किया ऐसा काम, परिवारवाले भी रह गए सन्न

मुंबई, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कल्याण में चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जहां एक युवती के साथ भोंदू बाबा ने अत्याचार किया है। घटना कल्याण के पास आंबिवली गांव की है। इस मामले में खड़कपाड़ा पुलिस ने अरविंद जाधव के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या भोंदू बाबा उर्फ अरविंद जाधव ने किसी और लड़कियों के साथ ऐसी हरकत तो नहीं की है। पुलिस ने बताया कि कल्याण में एक युवती कई दिनों से पारिवारिक परेशानी से जूझ रही थी। पारिवारिक समस्याओं को सुलझाने के लिए इस युवती को उसके रिश्तेदारों ने आंबिवली में एक बाबा का पता दिया था। इस युवती को जानकारी मिली कि आंबिवली का यह बाबा पारिवारिक कलह दूर कर घर में सुख-शांति लाता है। इस जानकारी के आधार पर पीड़िता अपने रिश्तेदारों के साथ आंबिवली में बाबा अरविंद जाधव के पास गई और अपना दुख-दर्द सुनाया। उसके बाद बाबा ने युवती से कहा कि तुम्हारी परेशानी दूर हो जायेगी लेकिन तुम्हें कुछ समय यहीं रुकना होगा। बाबा ने कहा, 'अपने परिवार को बाहर जाने दो, तुम यहीं रुको। तुम्हारी नजर उतारता हूं।' भोंदू बाबा ने यह कहते हुए इस युवती के शरीर को छूना शुरू कर दिया। जब युवती को एहसास हुआ कि बाबा उसके साथ गलत करने वाला है तो युवती ने उसे छूने से मना किया। युवती ने कहा कि वह सबको बताएगी कि बाबा मेरे साथ क्या कर रहा था? उस वक्त भोंदू बाबा ने युवती को धमकी दी कि अगर तुमने इस तरह की जानकारी किसी को दी तो तुम्हें और तुम्हारे परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

मेयर पद को लेकर बीजेपी और कांग्रेस में हो सकता है घमासान

राज बब्बर की बेटी जूही के मैदान में आने की चर्चा तेज

गुरुग्राम, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। पूरी दुनिया में आईटी, आईटी इनेबल्ड, टेलीकाम, गारमेंट, ऑटोमोबाइल से लेकर मेडिकल टूरिज्म सेक्टर में पहचान वाली साइबर सिटी के मेयर के चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच घमासान होने की उम्मीद है। भाजपा की तेजतर्रार नेत्री व महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष ऊषा प्रियदर्शी और कांग्रेस से प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता राज बब्बर की बेटी अभिनेत्री जूही बब्बर के मैदान में आने की चर्चा है। यदि दोनों आमने-सामने हुईं तो मुकाबला काफी जबर्दस्त होगा। ऊषा प्रियदर्शी के पास यदि भाजपा का जनाधार है तो जूही बब्बर किसी परिचय की मोहताज नहीं। लोकसभा चुनाव के दौरान अपने पिता राज बब्बर के चुनाव प्रचार के दौरान वह अपनी संवाद कला से बेहतर उपस्थिति दर्ज करा चुकी हैं। केवल 20 दिन के चुनाव प्रचार में ही राज बब्बर को सात लाख से अधिक मत प्राप्त हुए थे। राज बब्बर के पक्ष में माहौल बनाने में जूही बब्बर ने विशेष भूमिका निभाई थी। प्रचंड गर्मी के दौरान गलियों में जाकर प्रचार अभियान चलाया था। नतीजा यह हुआ कि जिस गुड़गांव लोकसभा सीट को भाजपा सबसे सुरक्षित मानकर चल रही थी वह बहुत मुश्किल से जीतने में कामयाब हुई। प्रदेश में स्थानीय निकायों के चुनाव की तैयारी शुरू हो चुकी है। जिले में नगर निगम गुरुग्राम एवं मानेसर के साथ ही नगर परिषद पटौदी-जटौली-मंडी एवं नगरपालिका फरुखनगर का चुनाव होना है, लेकिन हर किसी की नगर निगम गुरुग्राम के चुनाव पर है। पूरी साइबर सिटी नगर निगम गुरुग्राम के दायरे में आती है। इस वजह से नगर निगम गुरुग्राम के मेयर को साइबर सिटी का मेयर कहा जाता है। साइबर सिटी के मेयर बनने की चाहत में भाजपा के 10 से अधिक दिग्गज नेता तैयारी कर रहे थे, लेकिन ड्रा में पद बीसी (ए) के लिए आरक्षित हो गया। इस वर्ग में भाजपा की दिग्गज नेत्री ऊषा प्रियदर्शी आती हैं। इनके अलावा भाजपा के पास दूसरा कोई बड़ा चेहरा भी नहीं है। सीट आरक्षित हुए चार दिन हो चुके हैं, लेकिन चुनाव लड़ने के लिए केवल तीन आवेदन पहुंचे हैं। उनमें से एक आवेदन ऊषा प्रियदर्शी का है। अन्य की कोई पहचान नहीं। कांग्रेस के पास इस वर्ग से कोई बड़ा चेहरा ही नहीं है। इसे देखते हुए पार्टी जूही बब्बर को उतारना चाहती है। ऊषा प्रियदर्शी एवं जूही बब्बर दोनों संवाद कला में माहिर हैं।

कौन हैं भारतीय नर्स निमिषा प्रिया जिसे यमन में मिली मौत की सजा?

आखिर क्या है जुर्म और क्या ब्लड मनी से बचेगी जान?

कोच्चि, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल की रहने वाली नर्स निमिषा प्रिया को यमन में मौत की सजा सुनाई गई है। इस मामले में यमन की सुप्रीम कोर्ट में निमिषा ने अर्जी दाखिल की जिसे यमन की सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। दरअसल निमिषा पर एक यमनी नागरिक की हत्या का आरोप है। केंद्र सरकार ने बताया कि यमन की सुप्रीम कोर्ट से अर्जी खारिज होने के बाद यमन के राष्ट्रपति को अब इसपर फैसला लेना है। ऐसे में अपनी बेटी को बचाने के लिए निमिषा की मां ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। ये बातें इस मामले में सुनवाई के दौरान सामने आई हैं। साथ ही निमिषा की मां ने अपनी यमन की यात्रा को लेकर अनुमति भी मांगी है ताकि वह 'ब्लड मनी' के जरिए पीड़ित परिवार को भरपाई कर सके और अपनी बेटी की जान बचा सके। केरल की रहने वाली निमिषा नर्स है जिसने यमन में अपना क्लीनिक खोला था। जानकारी के मुताबिक, उसकी दोस्ती यमन में एक शख्स से हुई, जिसका नाम था आब्दो महदी। महदी ने उसकी क्लीनिक को खोलने में मदद करने का वादा किया था। यह भी दावा किया जाता है कि महदी ने अपना वादा नहीं निभाया, बावजूद इसके निमिषा ने यमन में अपना क्लीनिक खोल लिया। जानकारी के मुताबिक, इसके बाद महदी निमिषा को परेशान करने लगा और उसे अपनी दूसरी पत्नी बताने लगा। वह बार-बार निमिषा से पैसे मांगता। इस बात को लेकर निमिषा ने पुलिस में शिकायत भी की, जिसके बाद कुछ दिनों तक महदी को जेल में रहना पड़ा।

नए साल पर भजनलाल सरकार का बड़ा तोहफा

अधिकारियों को मिलेगा प्रमोशन

रात 12 बजे से पहले जारी होंगे आदेश

जयपुर, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। नए साल में राजस्थान कैडर के आइएएस, आइपीएस और आइएफएस अधिकारियों को पदोन्नति का तोहफा मिलेगा। स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक पहले ही हो चुकी है। कार्मिक विभाग ने इसकी तैयारी कर ली है। साल के अंतिम दिन मंगलवार रात तक पदोन्नति की सूची जारी होने की संभावना है।

पदोन्नति 1 जनवरी 2025 से लागू होगी। आइएएस अधिकारियों की पदोन्नति कई श्रृंखलाओं में होगी। चयन वेतन श्रृंखला से सुपरटाइम वेतन श्रृंखला, कनिष्ठ प्रशासनिक से चयन वेतन श्रृंखला और वरिष्ठ वेतन श्रृंखला से कनिष्ठ प्रशासनिक वेतन श्रृंखला में पदोन्नति होगी। वहीं कुछ अधिकारी अबोव सुपरटाइम से मुख्य सचिव स्तर की वेतन श्रृंखला में भी पदोन्नत हो सकते हैं।

आइपीएस अधिकारियों की भी पदोन्नति होगी। आइएफएस अधिकारियों के पदोन्नति की भी प्रक्रिया चल रही है। वहीं खत्म किए गए जिलों में से कलक्टर और एसपी भी हटाए जाएंगे। सूची के साथ तबादला सूची भी जारी होने की संभावना है।

तबादलों से हटाई रोक

राज्य सरकार ने दस दिन के लिए तबादलों से रोक हटा दी है। प्रशासनिक सुधार विभाग की ओर से जारी आदेश के मुताबिक शिक्षा विभाग को छोड़कर सभी विभागों में 1 से 10 जनवरी के बीच तबादले हो सकेंगे। माना जा रहा है कि दस दिन में करीब 1 लाख कार्मिकों के तबादले हो सकते हैं।

कार्मिकों की मांग को देखते हुए विधायक-मंत्री लगातार तबादले खोलने की मांग कर रहे थे। दो दिन पहले राज्य कैबिनेट की बैठक में भी तबादलों से रोक हटाने का मामला उठा था। यह आदेश राज्य के सभी निगमों, मंडल, बोर्ड और स्वायत्त शाषी संस्थाओं पर भी लागू होगा। इससे पहले 10 से 20 फरवरी के बीच तबादलों से

आदेश के मुताबिक प्रारंभिक शिक्षा, उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा विभाग में तबादले नहीं होंगे।

इसके अलावा मतदाता सूची के अपडेशन में लगे अफसर कर्मचारियों के तबादलों पर 7 जनवरी तक प्रतिबंध रहेगा। इन कर्मचारियों के तबादले 8 तारीख से होंगे, ऐसे में इनके तबादलों के लिए 3 दिन ही मिलेंगे।

एसआई भर्ती को लेकर बोले किरोड़ी मीणा

मुख्यमंत्री जब चाहें रद्द कर सकते हैं परीक्षा

जयपुर, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में एसआई भर्ती 2021 को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्य के कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने एक बार फिर इस भर्ती को रद्द करने की मांग दोहराई है। जयपुर में मौसम विज्ञान केंद्र के एक कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि एसआई भर्ती के मामले में एसओजी, पुलिस मुख्यालय, एडवोकेट जनरल और कैबिनेट सब-कमेटी सभी ने भर्ती रद्द करने की सिफारिश कर दी है, अब अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री के हाथ में है।

उन्होंने कहा कि जांच में खुलासा हुआ है कि एसआई भर्ती का पेपर आरपीएससी के सदस्य बाबूलाल कटारा ने आरपीएससी के ही सदस्य रामूराम राईका को 30 दिन पहले दे दिया था। यह गंभीर मामला है और जांच का विषय है कि यह पेपर और कितने लोगों तक पहुंचा होगा।

मीणा ने स्पष्ट रूप से कहा कि मैं पहले भी कह चुका हूं और अब भी कह रहा हूं कि एसआई भर्ती को रद्द करना चाहिए। जब उनसे पूछा गया कि इतनी सिफारिशों के बावजूद भर्ती को रद्द क्यों नहीं की जा रही है तो उन्होंने कहा कि इसका जवाब केवल मुख्यमंत्री ही दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर गहन कानूनी सलाह ली जा रही होगी ताकि इसे रद्द करने के बाद मामला अदालत में न उलझे।

नए जिले निरस्त करने पर भी दी प्रतिक्रिया

नए जिलों और संभागों को लेकर हो रहे आंदोलनों पर किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि लोकतंत्र में आंदोलन करना सबका अधिकार है। उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर पहले बहुत बड़ा जिला था, जिसे छोटा कर दिया गया। करौली अलग कर दिया गया और महुआ को दौसा में जोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि जिलों के गठन में मापदंडों का पालन किया गया है।

उन्होंने यह भी कहा कि राजनीतिक या चुनावी फायदे के लिए जिलों का गठन नहीं होना चाहिए। चुनाव जीतने की दृष्टि से छोटे-छोटे जिले बनाना सही नहीं है। मापदंडों के आधार पर ही निर्णय होना चाहिए।

पूरे प्रकरण से साफ है कि एसआई भर्ती और नए जिलों के मुद्दे पर राज्य में राजनीतिक सरगर्मी तेज है। अब देखना होगा कि मुख्यमंत्री इन मामलों पर क्या निर्णय लेते हैं।

9 जिलों को रद्द कर सरकार ने सालाना 9000 करोड़ रुपए बचाए

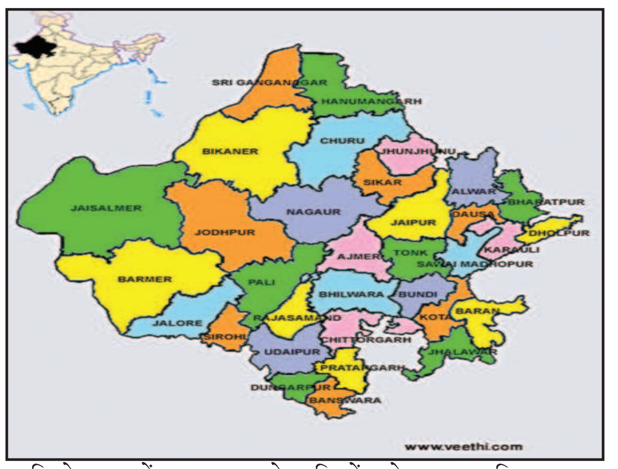

जयपुर, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में जिले और संभागों की समाप्ति के बाद शेष जिलों के पुनर्गठन के बारे में राजपत्र (गजट) जारी हो गया। इसके अलावा समाप्त किए गए 9 जिलों के विलय के 12 जिले और 3 संभागों के लिए 4 जिलों का पुनर्गठन किया गया है।

उधर, पड़ताल में सामने आया कि 9 जिलों के समाप्त होने से राज्य को सालाना करीब 9 हजार करोड़ रुपए बचने का अनुमान है। पड़ताल में पता चला कि नए जिलों की समीक्षा में आबादी, जनसंख्या घनत्व और आर्थिक समृद्धि के अवसरों पर प्रमुखता से देखा गया। इसी के आधार पर 9 जिलों को समाप्त किया गया, जबकि 8 जिलों को बरकरार रखा।

उधर, ब्यूरोक्रेट्स के अनुसार जिलों के लिए आर्थिक भार के अलावा प्रशासनिक सुगमता भी देखी जाती है और उसे महत्व भी दिया जाता है। राजस्थान में जो 9 जिले समाप्त किए गए हैं। उनमें से कुछ जगह अतिरिक्त जिला कलक्टर व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय खोले जा सकते हैं। वहीं कुछ जगह जिला स्तरीय सुविधाएं दी सकती हैं।

ऐसे होगी बचत

खर्चाः राजस्थान में जिले में सालाना औसतन करीब एक हजार करोड़ रुपए माना जाता है। 9 जिलों पर औसतन सालाना खर्च 9 हजार करोड़ रुपए है।

पुनर्गठित जिले-संभाग

अनूपगढ़ को श्रीगंगानगर व बीकानेर, दूदू व जयपुर ग्रामीण को जयपुर, गंगापुर सिटी को सवाईमाधोपुर व करौली, जोधपुर ग्रामीण को जोधपुर, सांचौर को जालोर, केकडी को अजमेर व टोंक, नीमकाथाना को सीकर व झुंझुनूं, शाहपुरा को भीलवाड़ा जिले में मिलाकर पुनर्गठन किया। संभाग पुनर्गठन-सीकर को जयपुर व बीकानेर, पाली को जोधपुर व बांसवाड़ा को उदयपुर संभाग में मिलाकर पुनर्गठन किया।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को पीसीसी में दी गई श्रद्धांजलि

गहलोत बोले- उन्हें वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वह हकदार थे

जयपुर, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यह सभा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, इंदिरा गांधी भवन, जयपुर में आयोजित हुई। सभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी समेत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि सभा के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह जैसे व्यक्तित्व को केंद्र सरकार ने वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वह हकदार थे। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगम बोध घाट पर किया गया, जबकि यह परंपरा रही है कि देश के प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार राष्ट्रीय स्तर पर उचित स्थानों पर किया जाता है।

गहलोत ने इसे भाजपा सरकार की असंवेदनशीलता बताते हुए कहा कि डॉ. सिंह की ख्याति पूरी दुनिया में थी। वह न केवल भारत के प्रधानमंत्री थे, बल्कि एक महान अर्थशास्त्री और वैश्विक नेता के रूप में भी प्रसिद्ध थे।

गहलोत ने कहा कि जब राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और भारत के उपराष्ट्रपति रहे भैरोसिंह शेखावत का निधन हुआ था, तब कांग्रेस सरकार ने उनकी अंतिम यात्रा और संस्कार की बेहतरीन व्यवस्था की थी। उन्होंने कहा कि हमने राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर उनका सम्मान किया, क्योंकि वह प्रदेश और देश की गरिमा का प्रतिनिधित्व करते थे। लेकिन केंद्र सरकार ने डॉ. मनमोहन सिंह जैसे महान नेता को वह सम्मान नहीं दिया, जिसकी वह पूरी तरह से हकदार थे।

शहर में धर्मशाला के पास दिखे पैंथर को वन विभाग ने ट्रैंकुलाइज किया

आबादी में आने से फैली थी दहशत

अलवर, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। अलवर शहर के बीचों-बीच स्थित सुगना बाई धर्मशाला के पास मंगलवार सुबह पैंथर दिखने से स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। जैसे ही पैंथर होने की जानकारी फैली, बस्ती के लोग डर के मारे इधर-उधर दौड़ने लगे। वहीं, केडलगंज बाजार के दुकानदार सतर्क हो गए।

पैंथर की सूचना पर वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और उसे उसे ट्रैंकुलाइज करने की तैयारी शुरू की। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों को घरों के दरवाजे और खिड़कियां बंद रखने की सलाह दी है। करीब तीन घंटे बाद वन विभाग की टीम ने पैंथर को ट्रैंकुलाइज किया।

इधर, वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह पैंथर राजऋषि कॉलेज के परिसर में घूम रहे पैंथर हो सकता है। हालांकि, इस बात की पुष्टि नहीं हो सकती है। सरिस्का के रेंजर शंकर सिंह ने बताया कि सुगना बाई धर्मशाला के पास पैंथर दिखना कोई नई बात नहीं है। इससे पहले भी इस क्षेत्र में पैंथर देखा गया था।

वन विभाग की टीम ने बगीची के आसपास पैंथर की तलाश शुरू कर दी है और कैमरा ट्रैप लगाने की योजना बनाई है। अधिकारी बताते हैं कि सरिस्का के बफर जोन से पैंथर आबादी की ओर आ रहे हैं। बफर जोन में बाघों के बढ़ते दबदबे के कारण पैंथर शहर की ओर पलायन कर रहे हैं।

वन विभाग अभी तक राजऋषि कॉलेज परिसर में मौजूद पैंथर को पकड़ने में सफल नहीं हो पाया है। इसी बीच, सुगना बाई धर्मशाला के पास एक और पैंथर की मौजूदगी ने अधिकारियों के लिए चुनौतियां बढ़ा दी हैं। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि टीम पूरी कोशिश कर रही है कि पैंथर को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू किया जाए और उसे वापस जंगल में छोड़ा जाए। वहीं, स्थानीय लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी गई है।

प्रदेश में घना कोहरा, जयपुर समेत कई शहरों में विजिबिलिटी हुई कम, शीतलहर की चेतावनी

जयपुर, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर भारत में भारी बर्फबारी का असर राजस्थान पर भी नजर आ रहा है। राजस्थान में कई इलाकों में शीतलहर का असर बढ़ता नजर आ रहा है। जयपुर समेत कई शहरों में कोहरे के चलते विजिबिलिटी भी कम हुई है। राजस्थान में अगले तीन दिन जबदस्त शीतलहर और कोहरे का असर देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने नए साल की शुरुआत यानी एक जनवरी से प्रदेश में कोल्ड-वेव का प्रभाव और बढ़ने की भी चेतावनी जारी की है। मंगलवार को अल सुबह राजधानी जयपुर समेत कई शहरों में घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी 30 मीटर तक रह गई। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ मौसम में सुधार आया और कोहरे का असर भी कम हुआ है।

इससे पहले जयपुर, अलवर, बीकानेर, चूरू, गंगानगर समेत कई जिलों में दिन का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। हालांकि, जयपुर में दिन में धूप खिली जिससे सर्दी का प्रभाव कम नजर आया। लेकिन, अलवर, गंगानगर, हनुमानगढ़, करौली, सीकर, चूरू में बादल छाए रहे, जिससे गलनभरी सर्दी रही। दोपहर बाद से तेज सर्द हवा चलने लगी।

पिछले 24 घंटे का मौसम देखें तो सबसे ठंडा श्रीगंगानगर जिले में रहा। यहां का अधिकतम तापमान 13.2 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं गया। गंगानगर के अलावा कल अलवर में अधिकतम तापमान 15, बीकोनर में 18.9, चूरू में 18.4, जयपुर में 19.8, कोटा में 19.9, माउंट आबू में 18, पिलानी (झुंझुनूं) में 17.6 और सीकर में 17.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

राजस्थान में कोल्ड-वेव चलने और कोहरे के कारण कई शहरों में दिन का अधिकतम तापमान औसत से 7 डिग्री तक नीचे चला गया। मौसम विभाग ने आने वाले दो तीन दिन ऐसी ही सर्दी रहने की आशंका जताई है।

नववर्ष के जश्न में सप्लाई के लिए लाया जा रहा 5 क्विंटल से ज्यादा गांजा जब्त

जोधपुर, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। जोधपुर रेंज पुलिस ने ऑपरेशन मनुहार के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 क्विंटल से ज्यादा गांजा जब्त किया है। इसकी बाजार कीमत करीब 80 लाख रुपये आंकी गई है। कार्रवाई में जोधपुर आईजी रेंज की साइक्लोन टीम और एनसीबी की संयुक्त भागीदारी रही। पुलिस ने गांजे की इस बड़ी खेप के साथ दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी भोपालगढ़ निवासी नरेश पुत्र जयकिशन और चेनाराम पुत्र प्रेमाराम हैं, जिन्होंने ट्रॉले में उड़ीसा के मलखानगिरि जिले के जेपोर इलाके से यह गांजा लादकर राजस्थान लाने की कोशिश की। ट्रॉले में एक गुप्त चैंबर बनाया गया था, जिसमें 10 किलो के 42 पैकेट और 4 किलो के 20 पैकेट रखे गए थे।

साइक्लोन टीम ने तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर ट्रक की ट्रैकिंग की। ट्रक जब राजस्थान में प्रवेश कर गया, तो पुलिस ने लगातार उसका पीछा किया। आसोप थाना क्षेत्र में एक ढाबे पर चाय पीने के दौरान साइक्लोन टीम की उपस्थिति का पता चलते ही ट्रक चालकों और उनके सहयोगियों ने अपने फोन बंद कर दिए।

जिस पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए भोपालगढ़ के आसोप क्षेत्र में ट्रक को रोका और छानबीन के दौरान गांजे की खेप बरामद कर ली। दोनों आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार कर लिया गया है। जोधपुर आईजी रेंज विकास कुमार ने बताया कि इस सप्लाई का मास्टरमाइंड जेल में बैठकर पूरे नेटवर्क का संचालन कर रहा था। इस खेप को नववर्ष के जश्न के लिए पंजाब और हरियाणा में सप्लाई किया जाना था।

साइक्लोन टीम ने अब तक 65 ऑपरेशनों में कई वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस टीम का गठन आईजी विकास कुमार ने विशेष निगरानी और अपराध पर नियंत्रण के लिए किया है। जोधपुर रेंज में यह कार्रवाई नशे के व्यापार पर एक बड़ी चोट मानी जा रही है।

आईजी विकास कुमार ने इस कार्रवाई को लेकर कहा कि इस ऑपरेशन से नशे के तस्करों के बड़े निवेश को धक्का लगा है। उड़ीसा और तेलंगाना जैसे राज्यों से हो रही नशे की आपूर्ति पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई है, लेकिन इस कार्रवाई के बाद अपराधियों की हिम्मत जरूर टूटेगी।

रेगिस्तान में फूटा पानी का फव्वारा दे सकता है बड़ी खुशखबरी, विशेषज्ञ ने किया बड़ा दावा

जैसलमेर, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय प्रबंध निदेशक, जियो एक्सप्लोर एवं पूर्व प्रोफेसर भू-तकनीकी विज्ञान गोविंदसिंह भारद्वाज का कहना है कि मोहनगढ़ नहरी क्षेत्र में निजी खेत में बोरवेल की खुदाई के समय अत्यधिक मात्रा में पानी का पूरे दबाव के साथ आने का भू-वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विश्लेषण करने पर जो तथ्य सामने दिखाई दे रहे हैं, उसे असाधारण रूप से देखे जाने की जरूरत है।

यह सिन्धु नदी बेसिन से जुड़ा हुआ है, जिसमें पानी का भंडार नेचुरल गैस के भंडार के नजदीक जान पड़ता है। जैसलमेर पेट्रोलियम बेसिन का पाकिस्तान के पेट्रोलियम बेसिन से कंटीन्यूटी हैं, जिसमें सेंडस्टोन के वलयाकार फोल्ड के क्रेस्ट में निश्चित रूप से गैस भंडार का होना प्रतीत होता है।

गैस भंडार के होने के संकेत

उनका कहना है कि सिंधु बेसिन फोल्ड बेल्ट का भूमिगत भाग है। सकारात्मक सोच के अनुसार प्राकृतिक गैस भंडार के होने के संकेत हैं। इसी कारण से पूरा दबाव बना हुआ है।

पाकिस्तान के क्षेत्र के उत्तर पूर्व से दक्षिण पश्चिम व दक्षिण में फॉल्ट लाइन है, जिसे हम बैला आर्च व चमन फाल्ट जानते हैं। इसके पूर्व में फोल्ड या वलयाकार सेंडस्टोन है, इसके वलय में गैस भंडार है।

दी ऐसी सलाह

उन्होंने कहा कि सावधानी से देखना होगा कि पेलियोसिन, इओसिन व मायोसिन भूवेज्ञानिक काल की भूमिगत चट्टानों में गैस भंडार स्थित है। यह सब हमारे खोज को गति प्रदान कर रहा है, जिसमें हम पूरी तरह से सुरक्षित है, लेकिन गैस रिसाव का द्वार खुल जाने की स्थिति के लिए प्रशासनिक तैयारियां होनी चाहिए, ताकि हम किसी भी तरह से नुकसान से बचा जा सकेगा।

नशे के सौदागर के खिलाफ पुलिस का बड़ा एक्शन

अब तस्करों की करोड़ों की संपत्ति होगी फ्रीज; दर्ज हुए कई मामले

करौली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले में स्मैक के अवैध कारोबार पर नकेल कसने के लिए जिला पुलिस की ओर से अब नशे के सरगनाओं की संपत्ति फ्रीज की जाएगी। इसके लिए पुलिस की ओर से कार्ययोजना बनाई जा रही है। जिला पुलिस एनडीपीसएस एक्ट 1985 की धारा 68एफ के अंतर्गत अवैध रूप (ड्रग्स ट्रेफिकिंग) से प्राप्त की गई संपत्तियों को जब्त या फ्रीज करने की कार्रवाई करेगी।

गौरतलब है कि नशे के सौदागरों पर नकेल कसने के लिए कई ड्रग्स माफियाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ऑपरेशन स्मैक आउट के दौरान कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं नशे के व्यापार में लिप्त सरगनाओं के खिलाफ अब पुलिस इनकी संपत्ति जब्त या फ्रीज करने की कार्रवाई भी प्रभावी रूप से करेगी, जिससे इस प्रकार के अपराधियों पर शिकंजा कसा जा सकेगा।

खेड़ाशीश से 1 आरोपी के कब्जे से 76 ग्राम स्मैक, नदी के पास इनायती से 3 आरोपियों के कब्जे से 57.61 ग्राम स्मैक, रेण्डायल रोड पुलिया के पास मनासा जिला नीमच मध्यप्रदेश निवासी 1 आरोपी से 2 किलो 200 ग्राम अफीम, डूड़ापुरा मोड़ से एक आरोपी के कब्जे से 151 ग्राम 7 मि.ग्रा. स्मैक तथा 1 देशी कट्टा मय कारतूस व नारौली डांग निवासी एक आरोपी के कब्जे से 63.11 ग्राम स्मैक बरामद की। वहीं जिला पुलिस ने वर्ष 2024 में नशे के सरगनाओं के खिलाफ स्मैक आउट सहित अन्य अभियान चलाते हुए कई सरगनाओं को गिरफ्तार किया जिन पर अनेक मामले एनडीपीएस एक्ट में दर्ज किए गए। पुलिस ने इस वर्ष पांच प्रमुख सरगना गिरफ्तार किए हैं। इसमें आरोपी महेश माली उर्फ नाकड, गोपाल उर्फ गोपी, गीताराम मीना, कल्लू उर्फ हरकेश मीना, बलराम मीना शामिल हैं, जिनके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं।

पिछले तीन साल के आंकड़े देखें तो वर्ष 2022 की तुलना में इस वर्ष 30 दिसंबर तक कुल दर्ज प्रकरणों में 68.18 प्रतिशत की वृद्धि हुई तथा आरोपियों की गिरफ्तारी में 140.74 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2024 में कुल दर्ज प्रकरणों में 45.55 प्रतिशत की वृद्धि तथा आरोपियों की गिरफ्तारी में 51.16 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

वर्ष 2022 में एनडीपीएस एक्ट के कुल 44 प्रकरण दर्ज हुए। इनमें 81 आरोपी गिरफ्तार किए। वहीं 719 ग्राम 295 मि.ग्रा. स्मैक, 3 किलो 334 ग्राम गांजा, 35 किलो डोडाचूरा 90 ग्राम अफीम तथा 4 किग्रा गांजा जब्त किया। वर्ष 2023 में 55 प्रकरणों में 129 गिरफ्तार तथा 1 किलो 413 ग्राम 154 मि.ग्रा. स्मैक, 93 किलो 600 ग्राम गांजा, 604 ग्राम डोडाचूरा, 385 ग्राम अफीम तथा 441 किलो 107 ग्राम अफीम/गांजा के पौधे जब्त किए।

नहर टूटने से 3 गांवों की डूबी फसल

भरतपुर, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। डीग के बरौलीचौथ के निकट रविवार देर रात भरतपुर फीडर नहर के टूटने से किसानों की उम्मीदों पर पानी फिर गया। नहर में क्षमता से अधिक पानी छोड़े जाने पर नहर टूट गई और उसका सारा पानी नहर किनारे के खेतों में जा घुसा। इससे निकटवर्ती गांव बहज, बरौलीचौथ, नगला दांदू में सैंकडों बीघा जमीन में किसानों की तैयार हो रही गेहूं की फसल पानी में डूब कर खराब हो गई। किसानों का कहना है कि सिंचाई विभाग की कथित लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। चूंकि नहर कमजोर थी और क्षमता से अधिक पानी छोड़े जाने की वजह से नहर जवाब दे गई। जो रविवार रात ओवरफ्लो होकर टूट गई। पानी का बहाव तेज होने के कारण आस-पास के क्षेत्र के खेतों में गेंहू की फसल डूब गई। नहर में बहाव ज्यादा होने के कारण नहर के टूटने से किसानों के खेतों में डेढ़ से दो फीट तक पानी भर गया है। किसानों ने सरकार से मुआवजा देने की मांग की है।

पहले बड़ी बहन से प्यार, शादी हो गई तो छोटी को फंसाया

बड़ी बहन के पति को गाडी से कुचल कर दे दी मौत

बांसवाड़ा, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। गत 25 दिसम्बर को सागड़ोद क्षेत्र में सिर कुचली लाश मिलने के मामले में सदर थाना पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। शराबी पति के पहले 50 लाख रुपए के बीमे करवाए, फिर उसे रास्ते से हटा बीमा राशि हड़पने और प्रेमी के साथ बांटने की साजिश रची। इस योजना में मृतक की बड़ी साली भी शामिल थी। पुलिस ने इस प्रकरण में मृतक कालू कटारा की पत्नी कांता, उसके प्रेमी दिनेश मईड़ा और उसकी बड़ी साली कमला को गिरफ्तार कर लिया। एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने राजतालाब में मामले का खुलासा करते हुए बताया कि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी जल्द की जाएगी। एसपी ने बताया कि गत अप्रेल माह में ही इस वारदात को अंजाम देने की सबने सहमति बना ली थी। मृतक कालू कटारा की 38 वर्षीय पत्नी कांता और 42 वर्षीय साली कमला ने गत 21 दिसम्बर को यह तय किया कि 25 दिसम्बर को वारदात करनी है। इसमें उन्होंने दिनेश मईड़ा और उसके साथियों को साथ मिला लिया। घटना के दिन आरोपी दिनेश ने कालू को अपनी गाड़ी में बैठाया व बांसवाड़ा ले गया। यहां शराब खरीदी और उसमें नशे की गोलियां मिलाकर पिला दी। फिर बेहोश होने पर आगे की सीट पर बैठा उसे सागड़ोद क्षेत्र में ले जाकर लोहे की रोड सिर पर मारकर हत्या कर दी। शव को फिर हाईवे पर रखकर गाड़ी के पहिए से कुचल दिया, ताकि मृतक की पहचान न हो सके। 50 लाख की बीमा राशि का लालच पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या की साजिश करीब एक नौ माह पहले बनाई थी। मृतक कोई काम नहीं करता था और शराब का आदी था। गत नवम्बर में कांता और कमला ने कालू के विभिन्न निजी व सरकारी बीमा कम्पनियों से 50 लाख रुपए के बीमे करवाए। अकेले नवम्बर में ही 24 लाख के बीमे कराए गए थे।

छात्रों के स्वास्थ्य, सुरक्षा के लिए चिंताजनक रहा 2024

खाद्य विषाक्तता, सांप और चूहे के काटने जैसी घटनाएं आयी थी सामने

423 छात्र भोजन विषाक्तता के कारण हुए प्रभावित

हैदराबाद, 31 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। वर्ष 2024 को छात्रों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए अत्यंत चिंताजनक वर्ष ही कहा जा सकता है, तेलंगाना कांग्रेस सरकार द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों में खाद्य विषाक्तता, सांप और चूहे के काटने जैसी घटनाओं की एक चिंताजनक लहर आई है।

आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में राज्य भर के सरकारी स्कूलों में लगभग 423 छात्र भोजन विषाक्तता के कारण प्रभावित हुए। इसका मतलब है कि हर दिन कम से कम एक छात्र इस समस्या के कारण बीमार पड़ता है।

उदाहरण के लिए, नारायणपेट जिले के जिला परिषद हाई स्कूल मगनूर में नवंबर में 10 दिनों के भीतर तीन बार फूड पॉइजनिंग की घटनाएं हुईं और स्कूल में मिड-डे मील खाने के बाद एक ही दिन में करीब 30 छात्र बीमार पड़ गए। हालांकि, अधिकारियों ने इस समस्या के लिए छात्रों द्वारा बाहर से खरीदे गए मसालेदार स्नैक कुरकुरे को जिम्मेदार ठहराया।

राज्य सरकार द्वारा 17 दिसंबर को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, जहर खाने की घटनाओं से प्रभावित होने वाली सबसे अधिक 168 छात्राएँ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) की थीं, जो वंचित और वंचित वर्गों की लड़कियों, विशेष रूप से अनाथ और अर्ध-अनाथों के लिए थीं। हाल ही में, आदिलाबाद के केजीबीवी नेराडिगोंडा के 33 छात्र भोजन से संबंधित प्रकोप की घटना से पीड़ित हुए।

सभी खाद्य विषाक्तता की घटनाओं में अस्पताल में भर्ती होना शामिल था। हालांकि, नवंबर में इस मुद्दे ने एक दुखद मोड़ ले लिया जब 14 वर्षीय छात्रा सी शैलजा ने खाद्य विषाक्तता के कारण 20 दिनों तक जीवन के लिए संघर्ष करने के बाद दम तोड़ दिया। शैलजा उन 60 छात्रों में से एक थी, जिन्हें कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के वानकीडी मंडल में अपने आश्रम स्कूल में भोजन करने के बाद गंभीर गैस्ट्रोएंटेराइटिस का सामना करना पड़ा था।

आलोचना के बाद राज्य सरकार ने स्कूलों से मेस प्रबंधन समितियों में छात्रों को शामिल करने को कहा। हालांकि, 2024 में छात्रों को खाद्य विषाक्तता का सामना करना पड़ा, यह एकमात्र खतरनाक स्थिति नहीं थी। सरकारी आवासीय विद्यालयों में चार छात्रों को साँप के काटने का सामना करना पड़ा और दो संदिग्ध मौतें हुईं। ये घटनाएँ जगतियाल जिले के पेड्डापुर गुरुकुलम स्कूल से रिपोर्ट की गईं। इन घटनाओं के बाद, चिंतित माता-पिता अपने बच्चों को स्कूल से ले गए, जहाँ कई साँपों का आतंक है।

छात्रों की परेशानी को और बढ़ाते हुए, 2024 में चूहों के काटने के दो मामले भी सामने आए हैं, जिससे छात्र समुदाय में भय और संकट की स्थिति बनी हुई है। हाल ही में एक मामले में, खम्मम जिले के दानवईगुडेम में राज्य द्वारा संचालित बीसी कल्याण छात्रावास की दसवीं कक्षा की छात्रा लक्ष्मी भवानी को चूहों ने कई बार काटा। उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। टास्क फोर्स के गठन समेत तमाम उपायों के बावजूद छात्रों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। छात्रों को उम्मीद है कि 2025 में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बिना एक नई शुरुआत होगी।

वैकुंठ एकादशी टोकन जारी करने वाले केंद्रों पर त्वरित व्यवस्था: टीटीडी

तिरुपति, 31 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वैकुंठ एकादशी के अवसर पर, तिरुपति में सभी सर्वदर्शन टोकन जारी करने वाले केंद्रों पर भक्तों को 2025 में 10 से 19 जनवरी तक 10 दिनों के लिए तिरुमाला जाने में सक्षम बनाने के लिए व्यवस्थाएं तेज गति से की जा रही हैं। टीटीडी ईओ जे श्यामला राव के निर्देशों के अनुसार, विभिन्न विभागों के अधिकारी समन्वय में व्यापक व्यवस्था कर रहे हैं। इसके एक हिस्से के रूप में, टीटीडी के इंजीनियरिंग विभाग की देखरेख में कतार लाइनें, बैरिकेड्स, शेड, सुरक्षा, पेयजल, शौचालय जैसी सुविधाएं स्थापित की जा रही हैं।

9 से 19 जनवरी तक वैकुंठ द्वारम दर्शनम के लिए 9 जनवरी को सुबह 5 बजे से कुल 1.20 लाख टोकन जारी किए जाएंगे। तिरुपति के आठ केंद्रों में 90 काउंटरों और तिरुमला के एक केंद्र में चार काउंटरों पर टोकन जारी किए जाएंगे। तिरुपति में, इंदिरा मैदानम, रामचंद्र पुष्करिणी, श्रीनिवासम कॉम्प्लेक्स, विष्णुनिवासम कॉम्प्लेक्स, भूदेवी कॉम्प्लेक्स, भैरागी पट्टेडा में रामानायडू हाई स्कूल, एमआर पल्ली में जिला परिषद हाई स्कूल, जीवकोना में जिला परिषद हाई स्कूल और तिरुमला में बालाजी नगर कम्युनिटी हॉल में भी तिरुमला के स्थानीय लोगों के लिए व्यवस्था की जा रही है।

तिम्मापुर में 567 एकड़ जमीन अधिग्रहण की अधिसूचना जारी

हैदराबाद, 31 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। कंडुकुर मंडल के अंतर्गत विभिन्न गांवों के किसानों और निवासियों द्वारा प्रस्तावित फार्मा गांव के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के बीच, रंगारेड्डी कलेक्टर ने औद्योगिक पार्क की स्थापना के लिए कंडुकुर मंडल के तिम्मापुर गांव में 567 एकड़ जमीन के अधिग्रहण की अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना के अनुसार, औद्योगिक पार्क की स्थापना के लिए तेलंगाना राज्य औद्योगिक अवसंरचना निगम लिमिटेड के पक्ष में कंदुकुर मंडल के तिम्मापुर गांव में 566.39 एकड़ भूमि की आवश्यकता थी।

हालांकि, कंडुकुर, याचारम और पड़ोसी मंडलों के किसान और ज़मीन मालिक अपने आस-पास के इलाकों में फार्मा गांव की स्थापना के खिलाफ़ हैं। वे सरकार से फार्मा गांव की स्थापना की योजना को रद्द करने और राजस्व रिकॉर्ड में उनकी पट्टा भूमि को निषिद्ध श्रेणी से हटाने की मांग कर रहे हैं। इस संबंध में मेडीपल्ली, टाटीपर्थी, कुर्मिड्डा, नानकनगर और आस-पास के गांवों के किसान फार्मा गांव के खिलाफ रैलियां और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

वाहन चोरी करने वाले दो अपराधियों को पकड़ा

हैदराबाद, 31, दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा की चैतन्यपुरी पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले दो अपराधियों को पकड़ा है। आरोपियों से पूछताछ करने पर मिली जानकारी के आधार पर चोरी के 30 वाहनों को बरामद किया गया है। राचकोंडा पुलिस कमिश्नर सुधीर बाबू ने बताया कि चैतन्यपुरी पुलिस स्टेशन के डीआई एस. गुरुस्वामी, डीएसआई एम. विक्रम रेड्डी और पीसी जी. श्रीशैलम व एस. अनिल पीसी ने दो ऑटोमोबाइल अपराधियों मोहम्मद शेख, निवासी गोलकुंडा, हैदराबाद, मोहम्मद इमरान निवासी गोलकुंडा, हैदराबाद को गिरफ्तार किया है। जबकि एक अन्य आरोपी इमरान निवासी गोलकुंडा, हैदराबाद फरार है। आरोपी राचकोंडा, साइबराबाद, हैदराबाद सिटी, विकाराबाद, निजामाबाद और संगारेड्डी की सीमाओं में वाहन चोरी कर रहे थे। दोनों अब 30 मोटरसाइकिल चोरी कर चुके हैं। दोनों चोरी की मोटर साइकिल को निपटाने के साथ-साथ एक और मोटर साइकिल चोरी करने के लिए चैतन्यपुरी एक्स रोड आए थे, जब वे चोरी की बाइक पर कोथापेट से नागोल की ओर बढ़ रहे थे, बीच रास्ते में उन्हें मोहन नगर एक्स रोड पर अपराध कर्मचारियों के वाहन चेकिंग दल ने पकड़ लिया, जब वे संदिग्ध तरीके से आगे बढ़ रहे थे। उनके कबूलनामे के अनुसार कुल 30 मोटरसाइकिलें बरामद की गईं।सभी बरामद संपत्ति का मूल्य 46 लाख रुपए बताया जा रहा है। सीपी ने बताया कि तीनों आरोपी एक ही इलाके यानी गोलकुंडा, हैदराबाद में रहते हैं। वे सभी शराब पीने, सिगरेट पीने और महिलाओं के साथ संबंध बनाने जैसी बुरी आदतों के आदी हैं। जिसके कारण उन्होंने आसानी से पैसा कमाने के लिए संपत्ति अपराध करने का सहारा लिया और उन्होंने आपसी सहमति से विभिन्न स्थानों पर मोटरसाइकिल चोरी करने का फैसला किया।

ट्रक चालक की लापरवाही से गाड़ी चलाने से 2 की मौत

हैदराबाद, 31 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके कोल्लूर के तेलपुर में मंगलवार सुबह एक लापरवाही से चलाए जा रहे ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना उस समय हुई जब पीड़ित हरीश (23) और बनी (23) हुडा कॉलोनी के पास मोटरसाइकिल से मुड़ रहे थे। पुलिस ने बताया कि ट्रक तेज गति और लापरवाही से चला रहा था, जिससे दोनों की मौत हो गई। दोनों को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। कोल्लूर पुलिस जांच कर रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में भेज दिया गया।

जाट समाज ट्रस्ट मन्दिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में दो दिवसीय भजन संध्या एवं बोलियों का कार्यक्रम रविवार 29 दिसम्बर एवं सोमवार 30 दिसम्बर 2024 स्थान : जाट समाज ट्रस्ट मन्दिर, अलमासगुडा, बी. एन. रेड्डी नगर, वनस्थलीपुरम, हैदराबाद पर सम्पन्न हुआ इस अवसर पर भजन संध्या व बोलियों का प्रोग्राम में गायक कलाकार श्री गजेन्द्र राव, श्री ओमजी मुण्डेल, श्री संजु राव एवं एंकर श्री शैतान सिंह अपनी प्रस्तुती करी। ऐतिहासिक दो दिवसीय भजन संध्या एवम् बोलियो के प्रोग्राम में समाज के सभी भामाशाहो ने बड़ चड़ कर भाग लिया एवं प्रोग्राम को सफल बनाने में सबका खूब अच्छा सहयोग रहा एवं समाज एकता का शानदार परिचय दिया इसके लिए आप सभी का बहुत बहुत धन्यवाद आभार अध्यक्ष - दूदाराम बाबल, संरक्षक -सोहनलाल बागड़ा, सचिव - बाबूलाल पुनिया, कोषाध्यक्ष - लिक्माराम खोखर

4 जनवरी को कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करेंगे सीएम रेवंत

हैदराबाद, 31 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी 4 जनवरी को शाम 4 बजे सचिवालय में कैबिनेट की अध्यक्षता करेंगे। कैबिनेट में रायथु भरोसा योजना, नए राशन कार्ड, एससी वर्गीकरण, बीसी आरक्षण, यादगिरिगुट्टा मंदिर बोर्ड की स्थापना, कृषि मशीनीकरण, वीआरओ प्रणाली और भू भारती सहित कई प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। इन चर्चाओं से महत्वपूर्ण निर्णय होने की उम्मीद है जो तेलंगाना में विभिन्न क्षेत्रों को प्रभावित करेंगे।

मेडचल रोड कालाकाला स्थित या देवी श्री आई जी गौशाला में गौ सेवा करते हुआ तारा राम सीरवी, लक्ष्मण राठौड़ , चेला राम , माणिक चंद , वोरा राम , मोहनलाल, प्रकाश , गणेश , मैग्जी पंवार, रत्ना राम व अन्य।

मेडचल रोड कालाकाला स्थित या देवी श्री आई जी गौशाला में गौ सेवा करते हुआ तारा राम सीरवी, लक्ष्मण राठौड़ , चेला राम , माणिक चंद , वोरा राम , मोहनलाल, प्रकाश , गणेश , मैग्जी पंवार, रत्ना राम व अन्य।

सत्संग से खुद के जीवन को महकाएं-पूज्य महाराजश्री

राज्यपाल हरियाणा बंडारू दत्तात्रेय ने सत्संग में आकर लिया पूज्य महाराजश्री से आशीष

हैदराबाद, 31 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व जागृति मिशन के प्रमुख मण्डल हैदराबाद द्वारा आयोजित भक्ति सत्संग का समापन हुआ। अन्तिम सत्संग में बोलते हुए सुधांशु जी महाराज ने कहा कि अपने ऊपर ऐसे भक्ति उत्पन्न करें कि जिससे पूरा जीवन सत्संग से महक उठे। उन्होंने जीवन में रूपांतरण के लिए कई महत्वपूर्ण बातों का भी जिक्र करते हुए अपनी पूरी श्रद्धा और समर्पण से गुरुदेव का होकर सत्कर्म करने को कहा।

विश्व जागृति मिशन के कल्पनापुरुष सुधांशु जी महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण श्रीमद्भागवत गीता में कहते हैं कि दूसरों के साथ वह व्यवहार बिल्कुल भी न करें जो आपको खुद के लिए पसन्द नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति की जैसी दिशा होगी, उसकी दशा भी वैसी ही होगी, व्यवस्थित हो जाएंगे व्यथा खुद ही भाग जाएंगे। दूसरों के लिए मदद सोचने से परमात्मा की कृपा होती है। हर समय अपने चेहरे पर मुस्कुराहट और परमात्मा का धन्यवाद करें।

इस शुभ मौके पर हरियाणा राज्य के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने सत्संग में शामिल होकर पूज्य गुरुदेव से आशीर्वाद लिए तथा सत्संग श्रवण किए। चार दिवसीय भक्ति सत्संग महोत्सव का समापन नागरिक अभिनन्दन एवं गुरु आरती के साथ सम्पन्न हुआ।

हैदराबाद मण्डल के प्रधान एवं विश्व जागृति मिशन के अंतरास्ट्रीय प्रधान तथा पूर्व एमएलए प्रेम सिंह राठौर ने सत्संग महोत्सव को सम्पन्न कराने में लगे राज्य सरकार सहित सभी भक्तों एवं अधिकारियों को आभार व्यक्त करते हुए गुरु कार्य में सतत लगे रहने को कहा। इस शुभ अवसर पर 200 से अधिक व्यक्तियों ने लिया पूज्य महाराजश्री से गुरु मंत्र दीक्षा संस्कार। कार्यक्रम का संचालन नई दिल्ली से आए आचार्य अनिल झा ने किया।

राहुल रिणवा को दोहरी सफलता

हैदराबाद 31 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र सरकार के उद्यम भारतीय विमानपत्तनम में एक महीने पहले ही चयनित राहुल शर्मा (रिंणवा) ने चार्टर्ड एकाउंटेंट परीक्षा में भी सफलता प्राप्त कर ली है। उनके पिता बेगमबाजार निवासी ज्योतिषी पं.महेशचन्द्र शर्मा ने बताया कि सीए का परिणाम आने से लगभग एक महीने पहले ही वे विमानपत्तनम की परीक्षा में भी सफल हो चुके हैं। राहुल शर्मा रिणवा के दोनों पदों पर चयनित होने से समाज के लोगों ने उन्हें बधाई प्रेषित करते हुए हर्ष व्यक्त किया है।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद ने मनाया विद्यापति समारोह

हैदराबाद 31 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मिथिला सांस्कृतिक परिषद, हैदराबाद द्वारा आर.टी.सी. कलाभवन में विद्यापति समारोह का आयोजन किया गया । अवसर पर मैथिली साहित्यकार अरविंद ठाकुर को उनके कथेतर गद्य-संग्रह "रोशनाइक लोकपक्ष' के लिए तिरहुत साहित्य सम्मान-2024 से सम्मानित किया गया। इसके अलावा स्थानीय लेखक अरुण कुमार झा को प्रवासी पुरस्कार एवं सृष्टि सोम को चित्रकला सम्मान से सम्मानित किया गया।

आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, समारोह के प्रथम चरण में मैथिली प्रश्न मंच का संचालन संयोग कुमार ठाकुर द्वारा किया गया। अतिथि अनुनय ठाकुर एवं जटाधर झा ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। धीरेंद्र कुमार झा'धीरु' ने उद्घाटन सत्र का संचालन किया। श्रीमती अर्चना झा एवं कौशल कुमार झा द्वारा प्रस्तुत भगवती वंदना से प्रारम्भ सत्र में स्व.लक्ष्मी नारायण पासवान, स्व.अमर नाथ मिश्र, स्व. हरिदेव झा, स्व.मानो देवी, स्व.कर्पूरा देवी एवं राम चंद्र प्रसाद सहित परिषद से जुडी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। मुख्य अतिथि अरविंद ठाकुर, विशेष अतिथि आनन्द मोहन झा,अध्यक्ष विनय कुमार झा, कार्यकारी अध्यक्ष रजनीश कुमार झा,कोषाध्यक्ष मनींद्र कुमार झा. महासचिव अनिल कुमार झा ने दीप प्रज्वलन एवं महाकवि विद्यापति के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। संरक्षक डा. सोमनाथ, आलोक कुमार झा,श्रीकांत मिश्र,संयोग ठाकुर तथा पंकज कुमार झा एवं वरिष्ठ सदस्य सत्येंद्र नाथ झा ने पाग एवं शाल से अतिथियों का सम्मान किया।

अरविंद ठाकुर, आनन्द मोहन झा एवं मिथिलेश सिन्हा 'मिसिदा' के पुस्तकों का भी लोकार्पण किया गया। अवसर पर सभी सलाहकार एवं उपाध्यक्षों को सम्मानित किया गया। अध्यक्ष विनय कुमार झा द्वारा भव कांत झा को हैदराबाद मैथिल गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

राहुल मिश्र को प्रथम उत्कृष्टता सम्मान,विष्णु कांत झा, केशव मोहन झा को उत्कृष्टता सम्मान तथा नव रतन पासवान, संजीत कुमार मिश्र, श्रीमती रूपम झा, निर्मल कांत झा आदि को उत्कृष्ट क्षेत्रीय प्रतिनिधि पुरस्कार के साथ राम गोविंद चौधरी सहित राजन कुमार झा को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया।

मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में मैथिली साहित्य के उत्थान में हैदराबाद के प्रयासों की सराहना और गम्भीरता से कार्य करने का आह्वान किया। अध्यक्ष विनय कुमार झा ने कहा कि मिथिला के प्रायः सभी सदस्य परिषद के कार्य हेतु प्राण-प्रण से कटिबद्ध हैं। महासचिव अनिल कुमार झा ने कहा कि परिषद का ये जनतांत्रिक स्वरूप ऐसे ही बना रहे, इसके लिए सभी सदस्यों से आग्रह है कि अधिक से अधिक संख्या में मासिक बैठक आदि में भाग लें और अपने विचार रखें । कोषाध्यक्ष मनींद्र कुमार झा ने कोष संवर्धन हेतु सभी से आग्रह किया । उपाध्यक्ष सीताराम ठाकुर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

गौ सेवा मित्र मंडल भाग्यनगर द्वारा 56 भोग

हैदराबाद, 31 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गौ सेवा मित्र मंडल भाग्यनगर द्वारा नव वर्ष के उपलक्ष में गौ माता के लिए छप्पन(56) भोग का आयोजन किया गया। श्री समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुड़ा में गौ माता के लिए छप्पन प्रकार से भी अधिक करीबन करीबन 80 प्रकार के आइटम जैसे अन्य सब्जी व फल, अनाज, ड्राईफ्रूट, मिठाई, अन्य प्रकार रोटी, गुड़, चारा, अनेक प्रकार का भोजन का आयोजन किया गया। 6000 से भी अधिक गाय ने भोजन ग्रहण किया।

श्याम बाबा को गौ माता के ऊपर सवार श्रृंगार कर अद्भुत नजारा देखने को मिला। इस अद्भुत सोच के पीछे गौ सेवा मित्र मंडल के मनोज अग्रवाल एवं पूरी टीम के योगदान सफल हुआ। इस कार्यक्रम में गायक संदीप अग्रवाल ने भजन प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रभुदत्तजी महाराज द्वारा द्वार पूजा अर्चना से की गई और गोपाल बलदेव , नित्या पारीक, मुस्कुराएं और करें - जो भी आप करें (वॉकिंग ग्रुप) के सदस्य में भी भाग लें। इस कार्यक्रम में गौ सेवा मित्र मंडल के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, सदस्य अनिल अग्रवाल, प्रदीप मोर, यश अग्रवाल, शेष गोयल, अभिषेक अग्रवाल, सुनील जयलिया, रविंदर अग्रवाल, अजय अग्रवाल, अनिल विजयवर्गीय, विनोद राठी, राजेश अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, महेश अग्रवाल, राहुल अग्रवाल एवं अन्य भक्तजन उपस्थित रहे।

गोविंद राठी बधाई देने वालों का तांता लगा

हैदराबाद, 31 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी प्रगति समाज के महामंत्री व समाजसेवी गोविंद राठी का 73वां जन्मदिवस आज कोठी स्थित हसमत गंज में धूमधाम से मनाया गया ।

गोविंद राठी फैन्स क्लब तथा हश्मतगंज रसीडेंट्स असोसिएशन द्वारा गोविन्द राठी के आवास पर राजनीतिक नेताओं, समाज सेवियों, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों आदि ने पहुंच कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित होने वालों में गोशामहल के विधायक राजा सिंह, डॉक्टर भगवत राव, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड़ कॉरपोरेटर शंकर यादव डॉ मोहन गुप्ता, लाल सिंह ,डॉ रामविलास साबू, दामोदर गुप्ता रमेश बांग राजेश्वर यादव, प्रभाषणकर जी ,प्रवीण कुमार ,सुमित राठी, अमित राठी ,नागनाथ ,राम कृष्णा पांडे, गोविंद ईनाणी ,सत्यम ,राहुल शशि ,जसवंत पटेल ,तरुण मेहता ,रितेश जागीरदार, कैलाश दलिया ,पांडू यादव, किशन यादव, महेंद्र व्यास ,बाबू गुरु ,श्री राम विकास ,नंद गोपाल भट्टा ,कलावती जाजू, कमला राठी, मनोज जायसवाल घनश्याम तोषनीवाल गोपाल भंडारी, राधेश्याम चांडक, आनंद शर्मा ,राम भंडारी ,ब्रिज गोपाल भूतड़ा, अरविंद कुमार ,डी गोपाल, पवन मिश्रा, जुगल सोनी ,श्रीनिवास लॉय ,मेघा रानी अग्रवाल ,नवल सांखला, राजकुमार सांखला ,देवेंद्र कीमती ,अशोक कीमती एवं ने राठी को बधाइयाँ दीं।

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.बी/इ.इजीएस/11/2024-25 दि.30/12/2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु अधोलिखित तिथिनुसार 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं.-01, टेंडर नं. बी/इ.29/1/इजीएस/30/24-25 दि.23/12/2024 कार्य विवरण:1) बीजेडए डिवीजनः एनडीडी--एसएससी/आरजेवाय सब-डिवीजन के तहत एसएसइ/वर्क्स/एनडीडी सेक्शन पर रेलवे कम्युनिटी हाल का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट/नवीकरण या रिनोवेशन कार्य। 2) तुनी:- एडीइएन/तुनी सब-डिवीजन के तहत एसएसइ/वर्क्स/तुनी सेक्शन में जर्जर या एजओल्ड कच्छा टाइप स्टाफ क्वार्टर्स टाइप-।।-6 युनिट्स(तुनी/37ए-डी तथा तुनी 6/ए-बी) का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट अथवा रिरूफिंग कार्य। 3) केपी सेक्शन-आरजेवाय एण्ड एनडीडी-आरजेवाय एवं निडाडवोलु स्टेशन पर स्टाफ क्वार्टर्स के दरवाजों एवं खिडकियों या विंडोज फ्लूरिंग का सुधार कार्य तथा स्टाफ क्वार्टर्स का रूफ लिकेज एटेंशन कार्य। 4) एडीइएन/इइ सब-डिवीजन में एनजेडडी व इइ स्टेशनों पर पी. वे कार्यालयों के लिए प्रस्तावित स्टोर शेड्स व्यवस्था के साथ पुराने शेड्स एवं टीटी मशीन रूम्स तथा कार्यालयों की मरम्मत करना-बिजली व्यवस्था। निविदा मूल्य: रु.45,89,725.74, पूधरा/बोली सुरक्षा रु.91,800.00,निविदा दस्तावेज मूल्य: रु.शून्य, पूरा करने की अवधि: 6 महिने, बंद करने की तिथि:16-01-2025

भावी निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले, **वेबसाइट: www.ireps.gov.in देखें।**

विभागीय रेल प्रबंधक(बिजली), विजयवाडा

निविदा सूचना सं.22-मेका.-टीएम-टीपीटीवाय-24-25 दि..30.12.2024

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, चीफ वर्कशाप मैनेजर, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति, दमरे, द्वारा आयआरइपीएस के माध्यम से निम्न कार्यों के लिए प्रतिष्ठित ठेकेदारों से खुली निविदा आमंत्रित हैं।

क्रम सं.-01, टेंडर नं. /टेंडर नोटिस नं. 22-मेका.-टीएम-टीपीटीवाय-24-25 दि.30/12/2024 कार्य विवरण: कैरेज रिपेयर शाप/टीपीटीवाय पर एमइएमयु/इएमयु/एमसी कोचेस में टाइप -4601 या 4303 या सी1005 फिट्टेड तत्संबंधित ट्रैक्शन मोटर्स की नियतकालिक ओवरहालिंग करना।

अनुमानित मूल्य: रु.1,11,99,160.00(रुपये एक करोड ग्यारह लाख निन्यावे हजार व साठ मात्र), बोली सुरक्षा रु.2,06,000/-

निविदा दस्तावेज मूल्य: रु.शून्य(कृपया अधोलिखित नोट:1 को रिफर करें) पूरा करने की अवधि: कार्य प्रारंभ की तिथि से लेकर 24 महिने

नोटः

जीसीसी-2022 की पैरा नं.3, पार्ट-। नुसार, सभी निविदाकर्ताओं को ई-निविदा प्रपत्र निःशुल्क जारी किए जायेंगे। अतः निविदा दस्तावेज में निविदा दस्तावेज मूल्य विवरित नही किया गया है।

क्रम सं.01 कार्य विवरण: टेंडर बाक्स बंद होने का समय:11.00 बजे एवं दिनांक: 21.01.2025

चीफ वर्कशाप मैनेजर,सीआरएस, तिरुपति

ई-निविदा सूचना

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.24-01-2025 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.-01, टेंडर नं. व तिथि: एससीआर-बीजेडए-एसएनटी-इ21-ओटी-24-25 दि.31-12-2024 कार्य विवरण:विजयवाडा डिवीजन-डीइएन/सेंट्रल/बीजेडए सेक्शन के विभिन्न स्थानों पर, तत्संबंधित कार्यों जैसे टीटीआर(एफएस+टीडब्ल्यूएस)-1इन 12 के 5 सेट्स, टीटीआर(एफएस+टीडब्ल्यूएस) 1इन8.5 का 1 सेट, टीटीआर(एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी) 1 इन 16 के 2 सेट्स, टीटीआर(एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी) 1इन 12 के 45 सेट्स, टीटीआर(एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी) 1इन8.5 के 13 सेट्स, टीटीआऱ(डीएस)-30 सेट्स, टीटीआर(सीएस+सीएमएससी) 1इन8.5 के 6 सेट्स, टीटीआर(सीएस+सीएमएससी) 1इन12 के 10 सेट्स से संबंधित एस एण्ड टी कार्य। निविदा मूल्य: रु.2,53,92,879.00, पूधरा रु.2,77,000.00 केवल आनलाईन या बोली सुरक्षा के माध्यम से, सीटीबी: रु.शून्य, पूरा करने की अवधि: 365 दिन

क्रम सं.01, कार्य विवरण: बंद करने की तिथि व समय: 24-01-2025 के 15.30 बजे

भावी निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के परिवर्तनों या शुध्दिपत्रों को नोट करने हेतु निविदा बंद होने की तिथि से पहले, वेबसाइट: www.ireps.gov.in देखें।

विभागीय रेल प्रबंधक(एसएण्डटी), विजयवाडा

A1660

निविदा शर्तों/ विस्तृत जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारा वेबसाइट: https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

4 x 36 = 144 Scm

बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ मिल सकता है आराम

रोहित-कोहली पर फैसला सिलेक्शन कमेटी की मीटिंग में होगा

मुंबई, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम अभी ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर है, जहां उसे सिडनी में मेजबना देश के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज का पांचवां और आखिरी मुकाबला खेलना है. भारतीय टीम अभी सीरीज में 2-1 से पीछे हैं. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की अपनी संभावनाओं को बनाए रखने के लिए भारतीय टीम का इस टेस्ट को हर हाल में जीतना होगा. इस टेस्ट के बाद भारतीय टीम को घर पर इंग्लैंड के खिलाफ व्हाइट बॉल सीरीज खेलनी है.

इस दौरान भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टी20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी. इसके बाद फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होना है, ऐसे में यह सीरीज काफी अहम होने वाली है. वहीं अब खबर है कि इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जाएगा, जबकि विराट कोहली, रोहित शर्मा को लेकर दावा है कि उन पर फैसला उनकी उपलब्धता के बाद लिया जाएगा.

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, पुरुष क्रिकेट टीम की सीनियर चयन समिति ने घरेलू मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 और वनडे सीरीज के लिए जसप्रीत बुमराह को आराम देने का फैसला लिया है. बुमराह को वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते आराम दिया जा सकता है. इसके अलावा रोहित और विराट के लिए यह दावा है कि वह इस सीरीज को मिस कर सकते हैं.

भारत 22 जनवरी से 12 फरवरी तक पांच मैचों की टी20 सीरीज और तीन मैचों की वनडे सीरीज में इंग्लैंड की मेजबानी करेगा. चैंपियंस ट्रॉफी शुरू होने से ठीक सात दिन पहले वनडे सीरीज खत्म हो रही है.बैठक के दौरान विराट कोहली और रोहित शर्मा के बाद, उनको टीम में शामिल करने को लेकर फैसला लेगी. हालांकि, दोनों खिलाड़ी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले लय हासिल करने के लिए तीन वनडे मैचों में खेलने के इच्छुक हैं.

चैंपियंस ट्रॉफी को ध्यान में रखते हुए, इस बात की अधिक संभावना हो कि विराट और रोहित इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए खुद को उपलब्ध रखे.

ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट सीरीज में भारत के तेज गेंदबाजी का नेतृत्व कर रहे जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन किया है. तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की अनुपस्थिति में एक अनुभवहीन तेज गेंदबाजी क्रम की जिम्मेदारी सौंपी गई है.

मेलबर्न में भारत को 184 रनों से हार का सामना करना पड़ा था और इस मैच में बुमराह ने 53.2 ओवर फेंके थे- जो उनके करियर में किसी एक टेस्ट में सबसे अधिक है. मेलबर्न टेस्ट में बुमराह ने 9 विकेट झटके थे. चार टेस्ट मैचों में, उन्होंने 141.2 ओवर फेंके हैं, जो सीरीज में अब तक किसी भी तरफ से किसी भी गेंदबाज के लिए सबसे अधिक कार्यभार है. सिडनी टेस्ट के अंत तक, बुमराह चार महीने के अंदर 10 टेस्ट खेल चुके होंगे.

रोहित-विराट पर बढ़ रहा दवाब

रोहित, विराट इस समय बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के लिए ऑस्ट्रेलिया में हैं, जहां बल्लेबाज जोड़ी रन बनाने में नाकाम रही है. ऐसे में विराट और रोहित पर काफी दवाब है. विराट के बल्ले से इस सीरीज में एक शतक जरुर आया है. दूसरी तरफ रोहित बुरी तरह फ्लॉप हुए हैं.

चैंपियंस ट्रॉफी का ऐसा है

सिडनी में खेला जाएगा पिंक टेस्ट

क्या है इसके पीछे की वजह?

सिडनी, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का पांचवां टेस्ट मैच 3 जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। टीम इंडिया के लिए अब इस मैच को जीतना बेहद जरूरी हो गया है। अगर टीम इस मैच को हार जाती है तो फिर रोहित एंड कंपनी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की रेस से लगभग बाहर हो जाएगी। अब सिडनी में दोनों टीमों के बीच पिंक टेस्ट देखने को मिलने वाला है। अब कई लोग ये जानना चाहते हैं कि आखिर पिंक टेस्ट क्या होता है?

क्या होता है पिंक टेस्ट?

दरअसल साल के पहले टेस्ट मैच को पिंक टेस्ट कहा जाता है। जिसमें ऑस्ट्रेलिया टीम पिंक कैप और पिंक लोगो वाली जर्सी पहनकर मैदान पर खेलने उतरती है। पिंक टेस्ट को ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर ग्लेन मैक्ग्रा की दिवंगत पत्नी की याद में

खेलते हैं।

दरअसल साल 2008 में ग्लेन मैक्ग्रा की पत्नी जेन मैक्ग्रा की मौत ब्रेस्ट कैंसर से हो गई थी। जिसके बाद ग्लेन मैक्ग्रा ने अपनी पत्नी की याद में एक फाउंडेशन की स्थापना की थी। ये फाउंडेशन ब्रेस्ट कैंसर के रोगियों और उनके परिवारों की मदद करने का काम करती है और उनके लिए फंड भी जुटाती है। पिंक टेस्ट की शुरुआत साल 2009 में हुई थी।

सीरीज में 2-1 से आगे ऑस्ट्रेलिया

अभी तक इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया का प्रदर्शन शानदार रहा है। मेलबर्न में सीरीज का चौथा टेस्ट मैच खेला गया, जिसको ऑस्ट्रेलिया ने 184 रन से जीत लिया था। इस मैच को जीतने के साथ ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में 2-1 की बढ़त भी हासिल कर ली थी। मेलबर्न टेस्ट को जीतने के बाद ऑस्ट्रेलिया को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की पॉइंट्स टेबल में फायदा भी पहुंचा है। फिलहाल ऑस्ट्रेलिया पॉइंट्स टेबल में दूसरे पायदान पर बनी हुई है और टीम इंडिया तीसरे स्थान पर बरकार है।

क्रिकेट के साथ लगेगा बाकी खेलों का भी तड़का

नए साल में मनोरंजन होगा भरपूर, जानिए क्या है खास?

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। 2024 में खेलों की दुनिया में कई बड़े इवेंट्स आयोजित हुए. दक्षिण अफ्रीका में टी-20 वर्डकप खेला गया तो वहीं पेरिस ने ओलंपिक की मेजबानी की. नया साल भी कई बड़े स्पोर्ट्स से भरा रहेगा. 2025 में क्रिकेट सहित अलग-अलग खेलों में बड़े-बड़े इवेंट्स आयोजित होंगे. इनमें महिला क्रिकेट विश्वकप से लेकर महिला रग्बी विश्वकप और खो खो वर्ल्डकप भी शामिल हैं.

भारत में भी कई स्पोर्ट्स इवेंट आयोजित होने वाले हैं. तो चलिए 2025 में आयोजित होने वाले कुछ बड़े स्पोर्ट्स इवेंट के बारे में जानते हैं.

खो-खो वर्ल्ड कप 2025

नए साल की शुरुआत में ही 'खो-खो वर्ल्ड कप' का आयोजन होगा. भारत की मेजबानी में 'खो खो विश्वकप' 13 से 19 जनवरी 2025 तक नई दिल्ली में खेला जाएगा.

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025

8 साल बाद 'आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी' की वापसी हो रही है. दुबई और पाकिस्तान में क्रिकेट का यह टूर्नामेंट खेला जाएगा. इसकी शुरुआत 19 फरवरी से होगी. फाइनल 9 मार्च को खेला जाएगा. इसमें भारत सहित आठ टीमें हिस्सा लेगी.

डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल 11 से 15 जून 2025 के बीच होगा. आईसीसी ने फाइनल के लिए 16 जून को रिजर्व डे के रूप में रखा है. दक्षिण अफ्रीका फाइनल में जगह बनाने वाली पहली टीम है. उसका फाइनल में सामना भारत, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका में से किसी एक टीम से हो सकता है.

महिला वनडे विश्वकप 2025

2025 में भारत में महिला वनडे क्रिकेट विश्वकप का आयोजन होगा. महिला वर्ल्डकप अगले साल सितंबर-अक्टूबर में खेला जाएगा.

यूईएफए महिला यूरो 2025

यूईएफए महिला यूरो का आयोजन अगले साल स्विट्जरलैंड में 2 से 27 जुलाई, 2025 तक होगा.

महिला रग्बी विश्व कप 2025

महिला रग्बी विश्व कप अगले साल सितंबर में होगा. इसकी मेजबानी इंग्लैंड करेगा.

पैरा एथलेटिक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025

पैरा एथलेटिक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप का अगला एडिशन भारत में आयोजित होगा. इसकी मेजबानी 26 सितंबर से 5 अक्टूबर 2025 रक भारत करेगा. पूरी चैंपियनशिप दिल्ली में आयोजित होगी.

इंडियन प्रीमियर लीग 2025

इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन की शुरुआत भारत में 14 मार्च से होगी. वहीं इसका फाइनल 25 मई को खेला जाएगा.

खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025

आइस हॉकी और आइस स्कीइंग का आयोजन 23 से 27 जनवरी तक लद्दाख में होगा. इसके बाद अल्पाइन स्कीइंग, नॉर्डिक स्कीइंग, स्की माउंटेनियरिंग और स्नोबोर्डिंग 22 से 25 फरवरी तक जम्मू कश्मीर में आयोजित होंगे.

11 छक्के, 15 चौके, वैभव सूर्यवंशी के दोस्त आयुष म्हात्रे ने 50 ओवर के मैच में मचाया गर्दा

मुंबई, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। कहते हैं संगत से गुण होत है, संगत से गुण जात. अब 13 साल के वैभव सूर्यवंशी के विस्फोटक अंदाज और मिजाज से तो आप वाकिफ ही होंगे. लेकिन, उनके जो साथी हैं वो भी कुछ कम नहीं है. उम्र में वैभव से 5 साल बड़े हैं. मगर सीनियर खिलाड़ियों की गैर-मौजूदगी में अपनी धाक 17 साल के आयुष म्हात्रे ने ऐसे जमाई है कि पूछिए मत. उन्होंने मुंबई के लिए अपने बल्ले से रनों की बारिश की है. नागालैंड के के गेंदबाजों का धागा खोल उनका बैंड ऐसे बजाया कि नजारा देखने लायक रहा. और, ये सब दिखा है विजय हजारे ट्रॉफी की पिच पर.

आयुष म्हात्रे ने नागालैंड के बल्लेबाजों का खोला धागा

31 दिसंबर को विजय हजारे की पिच पर मुंबई का मुकाबला नागालैंड से है. मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई के लिए पारी की शुरुआत 17 साल के आयुष म्हात्रे और अंगकृष

रघुवंशी ने की. दोनों बल्लेबाजों ने ओपनिंग जोड़ी के तौर पर रनों की बरसात कर दी. इस तरह खेले की पहले विकेट के लिए ही 156 रन स्कोर बोर्ड पर ठोक दिए. अंगकृष आउट हो गए मगर आयुष म्हात्रे अब भी क्रीज पर खड़े थे. और, ये नागालैंड के लिहाज से ज्यादा बुरी खबर थी. नागालैंड के लिए आयुष म्हात्रे का विकेट पर जमे रहना बुरी खबर के जैसे क्यों था, जल्दी ही देखने को भी मिला.

आयुष म्हात्रे का तफानी शतक और मुंबई का दूसरा बड़ा स्कोर

आयुष म्हात्रे ने नागालैंड के खिलाफ 117 गेंदों का सामना करते हुए 181 रन बनाए. यानी वो अपने दोहरे शतक से बस 19 रन दूर रहे. 154 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से खेली उनकी इस पारी में 11 छक्के और 15 चौके शामिल रहे. 17 साल के बल्लेबाज के लिस्ट ए करियर का ये पहला शतक है. आयुष के बल्ले से निकले इस शतक की बदौलत मुंबई ने नागालैंड के खिलाफ 50 ओवर में 7 विकेट पर 403 रन बनाए. ये लिस्ट ए क्रिकेट में मुंबई की टीम का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है.

वैभव सूर्यवंशी के साथी हैं आयुष म्हात्रे

17 साल के आयुष म्हात्रे वही बल्लेबाज हैं, जो हाल ही में खत्म हुए अंडर 19 एशिया कप में वैभव सूर्यवंशी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर भारत के विरोधियों पर टूट रहे थे.

जापान के खिलाफ वनडे मैच तो उन्होंने वैभव के साथ मिलकर सिर्फ 16 ओवर में ही खत्म कर दिया था. बल्लेबाजी में अपने उसी तेज और तेवर को आयुष म्हात्रे ने मुंबई के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में भी दिखाया है.

आनंद फिडे में पद के लायक नहीं', कार्लसन ने साधा पूर्व भारतीय शतरंज खिलाड़ी पर निशाना

न्यूयॉर्क, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने ड्रेस कोड उल्लंघन के मुद्दे को गलत तरीके से संभालने के लिए उपाध्यक्ष विश्वनाथन आनंद समेत विश्व शतरंज की सर्वोच्च संस्था फिडे के वरिष्ठ अधिकारियों की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने समय के साथ सामंजस्य नहीं बैठाया और भारत का महान खिलाड़ी फिडे में अपनी इस भूमिका के लिए तैयार नहीं है।

नॉर्वे के कार्लसन ने उन्हें अयोग्य घोषित करने के फैसले को दकियानुसी बताते हुए अधिकारियों को रोबोट करार दिया जो स्वतंत्र निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं। कार्लसन ने 'टेक टेक टेक ऐप' से कहा, मुझे लगता है कि उनकी (फिडे) ओर से स्थिति को बुरी तरह से संभाला गया था। मैं यहां से निकलने वाला था और विमान का टिकट बुक करने जा रहा था तभी मेरे पिता ने कहा कि हमें फिडे अध्यक्ष से बात करने का निर्णय लेने के लिए शायद सुबह तक इंतजार करना चाहिए। अरकडी ड्वोरकोविच के साथ हमारे अच्छे संबंध हैं।

पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन पर फिडे के ड्रेस कोड का उल्लंघन करके जींस पहनकर आने के बाद पहले 200 डॉलर का जुर्माना लगाया गया था। नौवें दौर से पहले अपनी पोशाक बदलने से इनकार करने

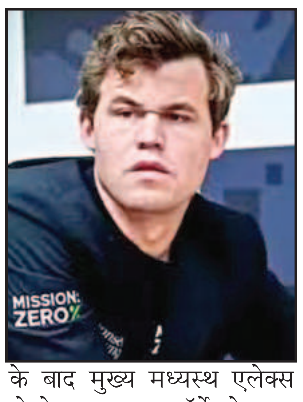

के बाद मुख्य मध्यस्थ एलेक्स होलोव्जाक द्वारा नॉर्वे के इस खिलाड़ी को अयोग्य घोषित कर दिया गया था। कार्लसन ने कहा, हमने कल आनंद और अन्य लोगों के साथ लंबी बातचीत की थी लेकिन यह किसी नतीजे पर नहीं पहुंची।

हमें आम तौर पर वही जवाब मिले जैसे कि मध्यस्थ कोई 'रोबोट' हैं जो खुद से सोच नहीं सकता और नियमों को लेकर कोई बीच का रास्ता नहीं निकाल सकता।

कार्लसन ने कहा, मुझे यह भी नहीं पता कि मैंने कोई नियम तोड़ा है या नहीं। मुझे अभी भी इस पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला है। वे कह रहे थे कि आम तौर पर जींस पहनने की इजाजत नहीं है। बात अगर आम तौर पर की है तो इसका मतलब यह होगा कि अपवाद अवश्य होंगे। मैं सभ्य तरीके से पोशाक पहनने के बाद भी अगर उस अपवाद की श्रेणी में नहीं आता, तो मुझे नहीं पता कि क्या होगा।

आनंद, जो खुद पांच बार के विश्व चैंपियन हैं। उन्होंने 'चेसबेस इंडिया' को बताया था कि कार्लसन ने 'नियमों का पालन करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद उनके पास बहुत कम विकल्प बचे थे।

कार्लसन ने कहा, इसलिए मुझे यह भी यकीन नहीं है कि मैंने कोई नियम तोड़ा है। उन्होंने एक नियम की बहुत ही संकीर्ण व्याख्या को आगे बढ़ा कर इस मौके का फायदा उठाया।

जाहिर तौर पर उनके साथ चर्चा या किसी भी चीज के लिए कोई जगह नहीं थी। इसका मतलब है कि वह अपने सभी अच्छे गुणों के साथ भी इस नौकरी के लिए तैयार नहीं है।

यशस्वी जायसवाल पर भिड़ गए संजय मांजरेकर

रोहित-कोहली का नाम लेकर की बहस

मेलबर्न, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। मेलबर्न टेस्ट मैच में टीम इंडिया के हाथ से फिसल गया और ऑस्ट्रेलिया ने 184 रन के बड़े अंतर से जीत दर्ज करते हुए सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली. भारतीय टीम की इस हार की कई वजहें रहीं, जिसको लेकर हर कोई चर्चा कर रहा है. ऐसी ही एक चर्चा अचानक बहस में बदल गई, जब यशस्वी जायसवाल की गलती पर बात हो रही थी लेकिन तभी मशहूर कॉमेंटेटर संजय मांजरेकर ने रोहित शर्मा और विराट कोहली का जिक्र कर दिया. ये बहस मैच के ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स के शो के दौरान हुई, जिसने सबको हैरान कर दिया.

मैच का आखिरी दिन था और टीम इंडिया को जीत के लिए 340 रन का लक्ष्य मिला था. भारतीय टीम के टॉप ऑर्डर ने फिर से निराश किया. कप्तान रोहित शर्मा (9), केएल राहुल (0) और विराट कोहली (5) रन बनाकर आउट हो गए. इसके बाद यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत ने एक अच्छी साझेदारी कर उम्मीद जगाई लेकिन तीसरे सेशन में टीम इंडिया ने 7 विकेट गंवा दिए और मैच हाथ से फिसल गया.

मैच खत्म होने के बाद स्टार स्पोर्ट्स के शो में जाने-माने ब्रिटिश कमेंटेटर मार्क निकोलस, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जस्टिन लेंगर और मांजरेकर चर्चा के लिए मौजूद थे. इस चर्चा के दौरान शो की एंकर मायंती लेंगर ने मार्क निकोलस से जायसवाल की फील्डिंग को लेकर सवाल पूछा. जायसवाल ने चौथे दिन 3 आसान कैच टपकाए थे, जिसका फायदा ऑस्ट्रेलिया को मिला. निकोलस ने सीधा जवाब दिया कि कैच छोड़ने का नुकसान हुआ. उन्होंने कहा कि जायसवाल को वो कैच लपकने चाहिए थे क्योंकि ये सीधे कैच थे और इसका असर टीम पर पड़ा.

डेविड वॉर्नर में अब भी बहुत आग है, टी20 मैच में मचाया गदर

12 छक्के-चौके के साथ लगाई जीत पर मुहर

मेलबर्न, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट छोड़ा है. T20 नहीं. डेविड वॉर्नर की घरेलू T20 या दुनिया भर की क्रिकेट लीग में तोड़-फोड़ अब भी जारी है, जिसकी ताजा-ताजा मिसाल देखने को मिली है बिग बैश लीग में. ऑस्ट्रेलिया की इस T20 लीग में 30 दिसंबर 2024 को सिडनी थंडर और मेलबर्न रेनेगेड्स के बीच मुकाबला खेला गया. इस मैच में सिडनी थंडर्स के कप्तान डेविड वॉर्नर खेले नहीं बल्कि सामने वाली टीम पर जमकर बरसते दिखे. उनकी बल्लेबाजी अंदाज में बिजली सी तेज दिखी और मिजाज से विस्फोटक. वॉर्नर को ऐसे खेलते देख लगा कि उनमें अब भी बहुत आग है. उनकी बैटिंग में दिखी उसी आग का असर रहा कि जीत पर मुहर लगने में परेशानी नहीं हुई.

मुकाबले में सिडनी थंडर्स ने पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 156 रन बनाए. वर्ल्ड क्रिकेट के विख्यात ओपनर रहे डेविड वॉर्नर इस मैच में भी उसी भूमिका में दिखे. उन्होंने ना सिर्फ ताबड़तोड़ बैटिंग की बल्कि एक छोर को संभालने रखने का भी काम किया. मतलब कप्तान साहेब अपनी टीम के लिए सेनापति वाला रोल खूब निभाते नजर आए. उन्होंने जो किया वो सही मायनों में फ्रंट से लीड करना होता है.

अब विकेट पर 93 मिनट तक खड़े रहकर डेविड वॉर्नर ने किया क्या? तो जवाब है नाबाद और दमदार पारी की पटकथा लिखी. उन्होंने 12 छक्के-चौकों के साथ अपनी टीम की जीत का इंतजाम कर दिया. यहां 12 छक्के-चौकों से मतलब 10 चौके और 2 छक्के से है. डेविड वॉर्नर ने 150 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट के साथ 57 गेंदों का सामना कर 96 नाबाद रन बनाए.

बाएं हाथ के ओपनर वॉर्नर अपनी टीम सिडनी थंडर्स के टॉप स्कोर रहे. हैरानी की बात ये कि जब वॉर्नर खेले तो सिर्फ वही दिखे. मतलब टीम का कोई और बल्लेबाज फिर 50 क्या 25 रन की भी दहलीज नहीं लांघ सका. अब मेलबर्न रेनेगेड्स के सामने 157 रन का लक्ष्य था, जिसका पीछा करते हुए वो 20 ओवर में 8 विकेट पर 148 रन ही बना सके. इस तरह डेविड वॉर्नर की टीम सिडनी थंडर्स ने 8 विकेट से मुकाबला जीत लिया, जिसके लिए कप्तान साहेब खुद ही प्लेयर ऑफ द मैच भी बने.

डेविड वॉर्नर का बिगबैश के मौजूदा सीजन में ये चौथा मैच था. इससे पहले के तीन मुकाबले उनके लिए कुछ खास नहीं रहे. इससे पहले उन्होंने 7, 17 और 19 रन का स्कोर किया था. हालांकि, मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ उनकी पारी देख ऐसा लगा कि डेविड वॉर्नर देर से जरूर रंग में आए हैं लेकिन दुरुस्त आए हैं.

फिर विवादों में पेरिस ओलंपिक! एथलीट्स ने मेडल की क्वालिटी पर उठाए सवाल, सोशल मीडिया पर शेयर की फोटो

खेल डेस्क, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक इस बार कई वजह से विवादों में रहा था। उद्घाटन समारोह को लेकर भी काफी ज्यादा आलोचना हुई थी। इसके अलावा खिलाड़ियों ने अपने कमरे में एसी ना होने को लेकर भी सवाल उठाए थे। इस इवेंट के खत्म होने के बाद भी विवाद रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। इसी कड़ी में दो फ्रांसीसी तैराकों ने अपने पदक की क्वालिटी को लेकर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा है कि उन्हें मिले कांस्य पदक ओलंपिक के कुछ महीनों बाद ही काले पड़ रहे हैं। उनमें फफूंदी लग गई है।

क्लेमेंट सेची ने सोशल मीडिया पर शेयर की फोटो

फ्रांस के तैराक क्लेमेंट सेची ने इंस्टाग्राम पर अपने मेडल की

स्टोरी लगाई थी। इस फोटो में उनका खराब होता मेडल नजर आ रहा था। इसके बाद ये फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी। इस यूजर ने उनके मेडल की फोटो को शेयर करते हुए मेडल की क्वालिटी पर सवाल उठाए थे।

दूसरे ओलंपियन तैराक योहान एनडोये-ब्रौर्ड ने भी अपने मेडल की फोटो को शेयर की है। इस फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, "पेरिस 1924"। फ्रांस ने कई बार ओलंपिक का आयोजन किया है। इसमें 1924 का ओलंपिक भी है। बता दें कि क्लेमेंट सेची और योहान एनडोये-ब्रौर्ड ने पुरुषों की 4×100 मीटर मेडले रिले में कांस्य पदक जीता था।

अन्य खिलाड़ियों ने भी उठाए सवाल

विभिन्न देशों के अन्य एथलीटों ने भी पदकों की गुणवत्ता के बारे में सवाल उठाए थे। अमेरिका के न्याजा ह्यूस्टन ने कहा था कि ये पदक जब बिल्कुल नए होते हैं तो बहुत अच्छे लगते हैं, लेकिन कुछ दिनों के बाद ये बेहद खराब लगने लगते हैं।

देखा गया है कि यह समस्या ज़्यादातर कांस्य पदक विजेताओं के साथ आ रही है। आयोजन समिति को इन घटनाओं की वजह से कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है। आयोजकों ने क्लेमेंट सेची और योहान एनडोये-ब्रौर्ड के पदकों को नए पदकों से बदलने का वादा किया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.